नई दिल्ली RNI NO. DELHIN/2010/37009

वर्षः 12

अंकः 36

सोमवार, 3-9 अक्टूबर, 2022

मूल्यः 5 रु प्रति

रु 250 वार्षिक

मोदी चंबा में जनसभा को संबोधित करने वाले देश के पहले पीएम होंगेः जय राम ठाकुर 03

जम्मू-कश्मीर में विकास और बदलाव देखकर गुपकार गठबंधन के होश उड़ना स्वाभाविक है 08

NCR समाचार

पाकिस्तान की अदालत ने भ्रष्टाचार के मामले में गृहमंत्री के विरूद्ध गैर जमानती वारंट जारी किया 10

सफलता के लिये प्रक्रिया और 'रूटीन' का पालन करना जरूरी है : सूर्यकुमार यादव 11

इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in BY C.R.O. TEAM twitter-@ncrsamacharlive

भारत का नं 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

क्या कंगना रनौत राजनीति में करेंगी एंट्री? लगातार लगायी जा रही अटकलों पर आया अभिनेत्री का बयान 12

गुजरात में अरविंद केजरीवाल का दावा, भाजपा कार्यकर्ता गुप्त तरीके से आम आदमी पार्टी के साथ

भाजपा कार्यकर्ता कर रहे हैं गुजरात में 'आप' का समर्थन

एजेंसी

धर्मपुर (गुजरात)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को दावा किया कि गुजरात में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कई नेता और कार्यकर्ता उनकी आम आदमी पार्टी ('आप') का गुप्त रूप से समर्थन कर रहे हैं और आगामी विधानसभा चुनावों में अपनी ही पार्टी की हार देखना चाहते हैं।

गुजरात के कई शहरों में केजरीवाल को 'हिंदू विरोधी' बताते हुए लगाए गए पोस्टरों पर 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक ने कहा कि जिन लोगों ने पोस्टर लगाए हैं वे "राक्षस और कंस की औलाद हैं। आदिवासी बहुल वलसाड इलाके में एक रैली में केजरीवाल ने कहा, " भाजपा के कई नेता और कार्यकर्ता मुझसे गुप्त रूप से मिलते हैं और मुझसे सत्तारूढ़ दल को हराने के लिए कुछ करने को कहते हैं। मैं उन सभी भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं से कहना चाहता हूं जो अपनी पार्टी को हराना चाहते हैं और गुप्त रूप से 'आप' के लिए काम करें।" उन्होंने कहा, " हमें उनके (भाजपा के) 27 साल के अहंकार को तोड़ना है। मुझे पता है कि आपके व्यवसाय हैं, यदि आप हमारे साथ जुड़ते हैं तो वे आपके व्यवसाय को नुकसान पहुंचाएंगे। आप वहीं रहें, लेकिन पार्टी को हराने के लिए गुप्त रूप से काम करें। कांग्रेस कार्यकर्ताओं को डरने की जरूरत नहीं है, आप अपनी पार्टी छोड़कर 'आप' में शामिल हो सकते हैं। अपनी पार्टी को भूल जाओ।"

गुजरात में इस साल दिसंबर में चुनाव होने हैं। उन्होंने मतदाताओं से आगामी चुनाव में राक्षसों का सफाया करने के लिए 'आप 'का समर्थन करने का आह्वान किया। केजरीवाल ने कहा, " नए गुजरात के लिए सभी को एक होना चाहिए। पार्टी की परवाह मत करो, गुजरात के लिए काम करो, देश के लिए काम करो।" उन्होंने दावा किया कि 'आप' एक नया तूफान, नई राजनीति, नई पार्टी, नए चेहरे, नए विचार और नई सुबह की शुरुआत करेगी।" दिल्ली के मुख्यमंत्री ने भाजपा कार्यकर्ताओं को भी आड़े हाथों लेते हुए कहा, वे घूमते हैं और फुसफुसाते हैं कि केजरीवाल अच्छे तो हैं लेकिन वह इस बार नहीं, अगली बार गुजरात में जीतेंगे।' अगर कोई आपको ऐसा कहता है, तो जान लें कि वह भाजपा से है, उन्हें बताएं कि केजरीवाल अगली बार नहीं, इस बार जीतेंगे। उन्हें हिंदू विरोधी बताने वाले बैनरों पर, केजरीवाल ने आरोप लगाया, भगवान का अपमान करने वालों को राक्षस कहा जाता है।

जो लोग देवताओं का अपमान करते हैं उन्हें कंस की औलाद कहा जाता है। प्राचीन काल में राक्षस क्या करते थे? वे किसी भी गांव में घुसते थे, गुंडागर्दी करते थे, महिलाओं के साथ छेड़छाड़ करते थे और उनका बलात्कार करते थे।" खुद को भगवान हनुमान का भक्त बताते हुए केजरीवाल ने कहा कि उनका जन्म जन्माष्टमी के दिन हुआ था और उनका घर का नाम कृष्ण है। उन्होंने कहा," और भगवान कृष्ण ने मुझे आशीर्वाद दिया है और मुझे कंस कीइन औलादों का सफाया करने की विशेष जिम्मेदारी देकर भेजा है।

राजेंद्र पाल गौतम ने दिया इस्तीफा

धर्मांतरण कार्यक्रम में दिया था विवादित बयान, केजरीवाल भी थे नाराज

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार में मंत्री राजेंद्र पाल गौतम ने विवादित बयान के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया हैं। उन्होंने इस्तीफा देते हुए कहा कि मैं अपने समाज के हक की लड़ाई लड़ता रहूंगा। पिछले कई दिनों से मुझे और मेरे परिवार को धमकी दी जा रही हैं। मैं आपने कारण अपनी पार्टी का अहित नहीं होने देना चाहता हूं, मैं पार्टी का सच्चा सिपाही हूं, इस लिए पार्टी से इस्तीफा दे रहा हूं।

राजेंद्र पाल गौतम का एक 'धर्मांतरण कार्यक्रम' में कथित तौर पर शामिल होने के बाद लोगों को भगवान राम, शिव , विष्णु, देवी-देवताओं की पूजा न करने की शपथ दिलाइ थी। इस पूरी घटना का वीडियो वायरल हो गया था, चारों तरह राजेंद्र पाल गौतम की आलोचना की जा रही थी। माना जा रहा है गुजरात चुनाव को देखते हुए आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल भी नाराज थे। अब तमाम तमाशे के बाद राजेंद्र पाल गौतम ने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया हैं। दिल्ली सरकार में मंत्री राजेंद्र पाल गौतम का एक 'धर्मांतरण कार्यक्रम' में कथित तौर पर शामिल होने से जुड़ा एक वीडियो सामने आने के बाद वह शुक्रवार को विवाद में घिर गये। शुक्रवार को वायरल हुए इस वीडियो में, कार्यक्रम में शामिल हजारों लोग बौद्ध धर्म अपनाने का संकल्प लेते और हिंदू देवी-देवताओं की निंदा करते सुने जा सकते हैं। वीडियो शुक्रवार को वायरल होने के साथ ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निधाना साधते हुए उनसे गौतम को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने की मांग की। हालांकि, गौतम ने बयान जारी कर कहा कि वह "बहुत धार्मिक व्यक्ति हैं और अपने कर्म तथा वचन से किसी देवता की सपने में भी आलोचना/निंदा नहीं कर सकते हैं।" आम आदमी पार्टी (आप) या दिल्ली सरकार की कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। लेकिन आप सूत्रों ने दावा किया कि मुख्यमंत्री इसे लेकर समाज कल्याण मंत्री गौतम से 'बेहद नाखुश' हैं। गौतम ने बयान में भाजपा पर उनके खिलाफ अफवाह फैलाने और दुष्प्रचार करने का आरोप लगाया और कहा कि "भाजपा के प्रोपगैंडा के कारण जिनकी भावनाएं आहत हुई हैं, उनसे हाथ जोड़कर माफी मांगता हूं।" भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने संवाददाता सम्मेलन में 'आप' पर हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को आहत करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि 'गौतम की टिप्पणी उस नफरत को दर्शाती है, जो पार्टी के मन में समुदाय (हिंदुओं) के प्रति है।' उल्लेखनीय है कि पांच अक्टूबर को करीब 10,000 लोगों ने इस कार्यक्रम में बौद्ध धर्म अपनाने का कथित तौर पर संकल्प लिया। साथ ही, महात्मा बुद्ध की शिक्षाओं का पालन करने और हिंदू देवी-देवताओं की पूजा त्यागने का संकल्प लिया।

महबूबा ने की राहुल की 'भारत जोड़ो' यात्रा की प्रशंसा

भारतीय जनता पार्टी को लोकतंत्र 'कुचलने' के लिए आड़े हाथ लिया

एजेंसी

जम्मू। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने रविवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की उनकी 'भारत जोड़ो' यात्रा के लिए प्रशंसा करते हुए कहा कि लोगों को इस यात्रा का समर्थन करने की जरूरत है क्योंकि वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)से उत्पन्न खतरे से देश और लोकतांत्रिक संस्थानों को बचाने के लिए लड़ रहे हैं। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा ने विभिन्न खेल संगठनों के अध्यक्ष पदों पर भाजपा नेताओं के बच्चों के चयन को लेकर अर्हता पर सवाल उठाया और पूछा कि क्या जय शाह (केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बेटे) बल्ला पकड़ना भी जानते हैं? यहां पार्टी सम्मेलन को संबोधित करते हुए महबूबा ने कहा कि भाजपा द्वारा राहुल गांधी को निशाना बनाया जा रहा है क्योंकि वह गांधी परिवार से आते हैं जिसका देश के लिए कुर्बानी देने का इतिहास है। उन्होंने कहा, "वे पंडित जवाहर लाल नेहरू की मानहानि कर रहे हैं जिन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में अहम भूमिका निभाई थी, जेल गए थे और मजबूत भारत की आधारशिला रखी थी। वे उनके परपोते का उल्लेख 'शहजादे' के तौर पर करते हैं क्योंकि वह (भारत जोड़ो यात्रा के तहत) सड़क पर हैं, मौसम की बेरुखी का सामना कर रहे हैं और देशको एकजुट कर रहे हैं और उसके लोकतांत्रिक संस्थाओं की रक्षा कर रहे हैं।" महबूबा ने आरोप लगाया कि भाजपा धर्मनिरपेक्षता और लोकतंत्र से डरती है। उन्होंने आरोप लगाया कि उसनेअपने निजी हित के लिए देश को धर्म और क्षेत्र के आधार पर बांटा है। उन्होंने उन लोगों की सूची गिनाई जो राजनीतिक परिवारों से आते हैं और भाजपा के सदस्य हैं। उन्होंने कहा कि गांधी और भाजपा के वंश में अंतर है कि उनके परिवार (गांधी) का देश में योगदान है, नेहरू स्वतंत्रता संग्राम के दौरान एक दशक तक जेल में रहे जबकि उनकी दादी इंदिरा गांधी और पिता राजीव गांधी ने देश के लिए कुर्बानी दी। महबूबा ने सवाल किया, "एक भाजपा नेता का नाम बता दें जो देश की आजादी की लड़ाई में जेल गया था, जान कुर्बान करने की बात तो छोड़ ही दीजिए...आप बालाकोट (पाकिस्तान में) गए और उसका इस्तेमाल वर्ष 2019 का (लोकसभा) चुनाव जीतने के लिए किया।"वह बालाकोट का उल्लेख फरवरी 2019 में पुलवामा हमले के जवाब में भारतीय वायुसेना द्वारा सीमा पार किए गए एयर स्ट्राइक के संदर्भ में कर रही थीं। पीडीपी अध्यक्ष ने भाजपा को देश की सबसे ' भ्रष्ट' पार्टी करार दिया।

पीएम मोदी ने गुजरात के मोढेरा को 24 घंटे बिजली आपूर्ति वाला गांव घोषित किया

जनता ने मेरी जाति को देखे बिना मुझे चुनाव जिताए

एजेंसी

मोढेरा (गुजरात)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मेहसाणा जिले में स्थित मोढेरा को सातों दिन 24 घंटे सौर ऊर्जा आपूर्ति वाला गांव घोषित किया। इसके बाद यहां आयोजित रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि मोढेरा को सूर्य मंदिर के लिए जाना जाता था और अब इसे सौर ऊर्जा आपूर्ति के लिए भी जाना जाएगा। यहां जारी सरकारी विज्ञप्ति के मुताबिक मोढेरा देश का पहला गांव है जहां पर 24 घंटे सौर ऊर्जा की आपूर्ति हो रही है और यह बिजली यहां के 1300 आवासों और सरकारी कार्यालयों पर लगे सोलर पैनल से उत्पादित हो रही है। गौरतलब है कि भारतीय जनता पार्टी शासित गुजरात में इस साल के अंत तक विधानसभा चुनाव होने हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि गुजरात की जनता उन्हें पिछले दो दशकों से आशीर्वाद देती रही है और उनकी जाति को देखे बिना उन्हें वोट देती आयी है। रविवार को तीन दिवसीय गुजरात दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी ने महेसाना जिले में स्थित मोढेरा को सातों दिन 24 घंटे सौर ऊर्जा आपूर्ति वाला गांव घोषित किया। मोदी ने यहां आयोजित एक रैली को संबोधित करते हुए कहा, "गुजरात की जनता मेरी जाति, मेरी राजनीतिक पृष्ठभूमि को देखे बिना पिछले दो दशक से मुझे अपना आशीर्वाद देती आई है।" प्रधानमंत्री बनने से पहले मोदी 2001 से 2014 तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहे थे। गौरतलब है कि भारतीय जनता पार्टी शासित गुजरात में इस साल के अंत तक विधानसभा चुनाव होने हैं। यह चुनाव बेहद अहम हैं क्योंकि भाजपा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गृह राज्य में सत्ता बरकरार रखना चाहती है, जबकि कांग्रेस राज्य में पिछले 27 साल से सत्ता से बाहर रहने के चलते विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज करने की उम्मीद लगाए है। अपने गुजरात दौरे के दौरान प्रधानमंत्री 14,600 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे।

त्रिशूल', 'मशाल' या 'उगता सूरज'को उद्धव गुट ने चुनाव आयोग को बताया अपनी पंसद

मुंबई। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले शिवसेना धड़े ने निर्वाचन आयोग को अपने चुनाव चिह्न के लिए त्रिशूल, उगता सूरज या मशाल के रूप में तीन विकल्प सुझाए हैं। सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। निर्वाचन आयोग ने अंधेरी ईस्ट विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में शिवसेना के उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे नीत दोनों गुटों के पार्टी के नाम और चुनाव चिह्न का उपयोग करने पर शनिवार को पाबंदी लगा दी थी। पार्टी के दोनों गुटों द्वारा नाम और चुनाव चिह्न पर दावा किए जाने की पृष्ठभूमि में एक अंतरिम आदेश जारी कर निर्वाचन आयोग ने दोनों से कहा था कि वे सोमवार तक अपनी-अपनी पार्टी के लिए तीन-तीन नए नाम और चुनाव चिह्न सुझाएं। आयोग दोनों गुटों द्वारा सुझाए गए नामों और चुनाव चिह्नों में से उन्हें किसी एक का उपयोग करने की अनुमति देगा।"शिवसेना ने निर्वाचन आयोग को अपने चुनाव चिह्न के लिए त्रिशूल, उगता सूरज या मशाल के रूप में तीन विकल्प सुझाए हैं।"

संक्षिप्त समाचार

'हुक्मरान समाज' बनने के अभियान में जुटे बहुजन समाज : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने रविवार को कहा कि बहुजन समाज आजादी के 75 वर्षों में अपने कानूनी और संवैधानिक अधिकार मांगते-मांगते थक गया है और अब उसे पूरी ताकत के साथ 'हुक्मरान समाज' बनने के अभियान में जुटना होगा। मायावती ने बसपा संस्थापक कांशीराम के परिनिर्वाण दिवस पर किए गए सिलसिलेवार ट्वीट में यह बात कही। उन्होंने लिखा कि बहुजन समाज आजादी के बाद 75 वर्षों में अपना कानूनी व संवैधानिक हक मांगते-मांगते थक गया है। अब उसे पूरी ताकत के साथ 'हुक्मरान समाज' बनने के अभियान में जुट जाना होगा। उन्होंने यह साफ किया कि उत्तर प्रदेश में होने वाला अगला कोई भी चुनाव आपके लिए परीक्षा हो सकता है, जिसमें सफलता उम्मीद की नयी किरण साबित होगी। मायावती ने एक अन्य ट्वीट में कहा, "देशभर, खासकर उत्तर प्रदेश, के लोगों ने यहां चार बार अपनी पार्टी की सत्ता प्राप्त करके यह देख लिया है कि सत्ता वह मास्टर चाबी है, जिससे तरक्की के बंद दरवाजे खुल सकते हैं, इसीलिए यह अभियान हर कीमत पर जरूर जारी रहना चाहिए। यही आज के दिन का संदेश है और इसी संकल्प के साथ कार्य भी करना है।"

भारत जोड़ो यात्रा के बाद नए अवतार में नजर आएंगे राहुल

कांग्रेस के अच्छे दिनों की वापसी पर बोले दिग्विजय सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। पार्टी के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने कहा कि राहुल गांधी 'भारत जोड़ो यात्रा' (एकजुट भारत) के प्रतीक बन गए हैं और वो कांग्रेस के अखिल भारतीय मार्च के बाद एक नए अवतार में दिखाई देंगे। दिग्विजय सिंह कन्याकुमारी से शुरू हुई भारत जोड़ी यात्रा का हिस्सा बने। इस यात्रा के अनुभव को उन्होंने एक साक्षात्कार में बताया कि यात्रा ने निश्चित रूप से कांग्रेस को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया है क्योंकि यह कई वर्षों के बाद पहली बार है कि भव्य पुरानी पार्टी पर चर्चा की जा रही है। दूर-दराज के इलाकों में, गांव और लोग इस बात से बहुत प्रभावित हैं कि राहुल गांधी पूरे रास्ते चल रहे हैं। सिंह ने आगे कहा कि यात्रा पार्टी को मजबूत करने में मदद करेगी।उन्होंने कहा कि वर्तमान में कांग्रेस में विचारधारा और नेतृत्व के प्रति प्रतिबद्धता गायब है। दिग्विजय सिंह ने कहा कन्याकुमारी से शुरू हुई और जम्मू-कश्मीर में खत्म होने वाली यात्रा की अगुवाई राहुल गांधी कर रहे हैं। यात्रा के दौरान कांग्रेस के कई नेता 3,500 किलोमीटर पैदल यात्रा कर रहे हैं। इस देश में अगर कोई 'त्याग' (बलिदान) करता है, तो वह हमेशा पूजनीय होता है। सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री पद का 'त्याग' किया और यहां राहुल गांधी चल रहे हैं, गर्मी में पसीना बहा रहे हैं, बारिश में खड़े हैं, हर तरह की फेक न्यूज और मानहानि के खिलाफ लड़ रहे हैं। वह भारत जोड़ो के प्रतीक बन गए हैं। यह पूछे जाने पर कि यात्रा ने किस तरह से राहुल की मदद की, सिंह ने कहा, ठीक है, अब आप उन्हें उनके नए अवतार में देखेंगे। उन्होंने कहा कि वह राहुल को लंबे समय से जानते हैं और एक बार जब वह कुछ करने का फैसला कर लेते हैं तो उसे हासिल करने से कोई नहीं रोक सकता। राहुल के आगे के राजनीतिक सफर पर उन्होंने कहा, "जिस दिन वह फैसला कर लेंगे, उन्हें कोई नहीं रोक पाएगा।" दिग्विजय सिंह ने कहा कि रसच कहूँ तो, मैंने उन्हें हमेशा एक अत्यधिक जिज्ञासु दिमाग के साथ एक बहुत ही प्रतिबद्ध और वैचारिक रूप से प्रतिबद्ध व्यक्ति के रूप में देखा है। वह आपको तब तक जाने नहीं देंगे जब तक कि उनके पास उनके उत्तर न हों। वह एक विपुल नेता हैं और बहुत आध्यात्मिक भी हैं। वयोवृद्ध कांग्रेस नेता ने कहा। सिंह जो कांग्रेस अध्यक्ष पद की दौड़ से बाहर हो गए और पार्टी के दिग्गज मल्लिकार्जुन खड़गे के प्रस्तावक बने, ने कहा कि भाजपा संगठन की तुलना में एक संगठन के रूप में कांग्रेस रबेहद गरीबर है, जो एक कैडर-आधारित पार्टी है। कांग्रेस एक जन आंदोलन का हिस्सा है और नए नेता पुराने आंदोलनों से निकलते हैं। उन्होंने कहा, रजाहिर है, पार्टी से नया नेतृत्व उभरेगा। उन्होंने कहा कि जो लोग मार्च में हिस्सा ले रहे हैं, उन्होंने अपना घर छोड़ दिया है और अपनी प्रतिबद्धता दिखा रहे हैं।

एनसीआर समाचार, साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय :
12/276 , संगम विहार
नई दिल्ली-62

फोन :
8888883968,
9811111715

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

संक्षिप्त समाचार

हरियाणा महेंद्रगढ़ में मनाया गया 7वां आयुर्वेद दिवस, बुजुर्गों का किया गया आयुर्वेदिक उपचार

हरियाणा महेंद्रगढ़ "ध्दजनो को आयुर्वेद की उपयोगिता" के तहत आज 7वां आयुर्वेद दिवस मनाने के उपलक्ष में बाबा खेता नाथ राजकीय आयुर्वेद कॉलेज एवं अस्पताल, नारनोल की ओर से निरपुर पंचायत क्षेत्र में वृद्ध लोगों के लिये दिनचर्या, ऋतूचर्या, आहार विहार, घरेलु मसालो का औषधी उपयोग के संदर्भ में प्रचार का कार्य अस्पताल के उपचिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर अनिल यादव, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर शिवजी धाकड, डॉक्टर अनिल कुमार ने विस्तृत रुप से किया गया। 50-60 वृध व्यक्ति उपस्थित थे। हर दिन हर घर अपनाने के लिये इस वर्ष की थीम आयुर्वेद उपचार को देश विदेश बढावा देने का उपक्रम आयुष विभाग हरयाणा सरकार एवं आयुष मंत्रालय भारत सरकार का है।

राजगढ़ जिले में चाचा ने मामूली विवाद में भतीजे को उतारा मौत के घाट

मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले में जीरापुर थाना क्षेत्र के गोपालपुरा गांव में चाचा ने अपने बेटों के साथ मिलकर भतीजे को मौत के घाट उतार दिया। स्थानीय पुलिस ने प्रकरण दर्ज जांच शुरू कर दी। थाना प्रभारी जीरापुर मुकेश गोर ने मीडिया संग बातचीत में जानकारी देते हुए बताया, गोपालपुरा गांव में जसवंत सिंह, पिता दरियाव सिंह सोंधिया उम्र 29 वर्ष की हत्या की गई है। जसवंत सिंह मोटरसाइकिल से दूध बेचने जा रहा था। वक्त का फायदा उठाते हुए चार लोगों ने रास्ता रोककर चाकू से जसवंत सिंह पर हमला कर दिया जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। मृतक के पिता ने आरोप लगाया कि छोटे भाई बीरम सिंह और उसके बेटे देवी सिंह, कालू सिंह जमाई गंगाराम ने मिलकर मेरे पुत्र की हत्या की है। कुछ दिन पहले खेत पर मिट्टी डालने के विषय में विवाद हुआ था। इसके अलावा 1 साल पहले भी आपस में झगड़ा हुआ था। हत्यारा वीरम ने उसके पिता की भी हत्या की थी, प्रकरण में पुलिस विवेचना कर रही है।

पटवार संघ उपखंड भिनाय के चुनाव संपन्न, सीताराम जाट बने अध्यक्ष

भिनाय चुनाव पर्यवेक्षक अब्दुल जहीर पटवारी टाटोटी एवं चुनाव अधिकारी मान सिंह राठौड़ गिरदावर टाटोटी ने आज तहसील शाखा भिनाय के चुनाव संपन्न कराए गए, जिनमें अध्यक्ष पद पर सीताराम जाट पटवारी वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर विजय सिंह जाट, उपाध्यक्ष पद पर हेमलता मीणा, मंत्री पद पर रामस्वरूप जाट, मंत्री रमेश मीणा, संगठन मंत्री रीना कुमारी, मीणा एवं कोषाध्यक्ष देबू राम चौधरी को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया, चुनाव अधिकारी ने सारी कार्यकारिणी निर्विरोध निर्वाचित कर पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई इस मौके पर राकेश पारीक नायब तहसीलदार बांदनवाड़ा शंकर मुनोत ओके साहब भिनाय किशन बेरवा गिरदावर भी उपस्थित रहे।

कर्नाटक सरकार अजा और अजजा समुदायों को गरिमामय जीवन प्रदान करने के लिए कटिबद्ध : बोम्मई

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार अनुसूचित जाति और जनजाति समुदायों को गरिमामय जीवन प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है। 'वाल्मीकि जयंती ' पर महर्षि वाल्मीकि को श्रद्धांजलि देने के बाद बोम्मई ने संवाददाताओं से कहा कि जब तत्कालीन मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा ने इस संबंध में निर्णय लिया, तब से राज्य सरकार यह जयंती मना रही है। बोम्मई ने कहा, ''राज्य सरकार अनुसूचित जाति एवं जनजाति जैसे दमित वर्गों को गरिमा, समानता, आत्मनिर्भरता एवं आत्मसम्मान के साथ जीवन जीने का मौका देने के लिए कटिबद्ध है।

केसीआर ने तांत्रिक की सलाह पर अपनी पार्टी का नाम बदलकर बीआरएस किया

नयी दिल्ली। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव द्वारा अपनी राष्ट्रीय पार्टी शुरू करने के कुछ दिनों बाद, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आरोप लगाया कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने तांत्रिकों की सलाह के आधार पर यह कदम उठाया। इससे पहले सत्तारूढ़ तेलंगाना राष्ट्र समिति (TRS) ने पार्टी को राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र चरण में लाने के लिए अपना नाम बदलकर भारत राष्ट्र समिति (BRS) कर लिया। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव पर कटाक्ष करते हुए केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता निर्मला सीतारमण ने कहा,तेलंगाना के सीएम केसीआर ने तांत्रिकों की सलाह पर सचिवालय जाना बंद कर दिया। केसीआर, तंत्र और अंकशास्त्र में विश्वास करते हुए, पार्टी का नाम टीआरएस से बीआरएस में बदल दिया है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने तांत्रिक और अंकशास्त्र के जानकारों की सलाह पर न केवल राज्य सचिवालय जाना बंद कर दिया है, बल्कि लंबे समय तक महिलाओं को अपने मंत्रिमंडल में शामिल भी नहीं किया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की वरिष्ठ नेता ने यह भी दावा किया कि केसीआर के नाम से जाने जाने वाले राव ने ''तांत्रिकों की सलाह'' पर अपनी पार्टी का नाम बदल लिया है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले पार्टी की राष्ट्रीय विस्तार योजनाओं के तहत तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) का नाम बदलकर भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) कर दिया था।

निर्वाचन आयोग के फैसले से कमजोर या हतोत्साहित नहीं है ठाकरे गुट : राकांपा

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने रविवार को कहा कि आगामी विधानसभा उपचुनाव में शिवसेना के नाम और चुनाव चिह्न के इस्तेमाल पर निर्वाचन आयोग का आदेश हैरत में डालने वाला है लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि उद्धव ठाकरे नीत गुट कमजोर या हतोत्साहित है। भारत निर्वाचन आयोग ने अंधेरी ईस्ट विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में शिवसेना के उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे नीत दोनों गुटों द्वारा पार्टी का नाम और चुनाव चिह्न का उपयोग किए जाने पर शनिवार को पाबंदी लगा दी थी। पार्टी के दोनों गुटों द्वारा नाम और चुनाव चिह्न पर दावा किए जाने की पृष्ठभूमि में एक अंतरिम आदेश जारी कर निर्वाचन आयोग ने दोनों से कहा है कि वे सोमवार तक अपनी-अपनी पार्टी के लिए तीन-तीन नए नाम और चुनाव चिह्न सुझाएं। उपनगर मुंबई की अंधेरी ईस्ट विधानसभा सीट पर उपचुनाव तीन नवंबर को होना है।

महर्षि वाल्मीकि ने श्रीराम के चरित्र से साक्षात्कार कराया: सीएम योगी

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने अपनी अमर रचना के माध्यम से देश और दुनिया को भगवान श्रीराम के पावन चरित्र से साक्षात्कार कराकर प्रत्येक नागरिक के मन में सकारात्मक ऊर्जा के भाव का संचार किया।

सरकार की ओर से जारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई है। इसके मुताबिक मुख्यमंत्री योगी ने रविवार को यहां परिवर्तन चौक पर स्थित महर्षि वाल्मीकि आश्रम में आयोजित आदि कवि महर्षि वाल्मीकि जन्मोत्सव समारोह में प्रदेशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी और कहा कि आज शरद पूर्णिमा का पावन पर्व है। उन्होंने कहा कि मान्यता है कि आज चंद्रमा सबसे अधिक चमकीला दिखाई देता है और धरती के सबसे नजदीक होता है, इसका अपना आध्यात्मिक महत्व है। योगी ने कहा कि इस धरा धाम पर चन्द्रमा जैसी शीतलता प्रदान कर हम सभी को मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की भक्ति के साथ सराबोर करने वाले त्रिकालदर्शी महर्षि वाल्मीकि की आज पावन जयंती है।" भगवान श्रीराम के जीवन चरित्र पर आधारित महाकाव्य रामायण की रचना महर्षि वाल्मीकि ने की थी। उन्होंने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के पावन चरित्र को जनता तक पहुंचाने का श्रेय अगर किसी को जाता है, तो वह त्रेता युग में महर्षि वाल्मीकि को और कलयुग में संत तुलसीदास को है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्रीराम ने वनवास के दौरान सर्वाधिक समय चित्रकूट में व्यतीत किया था।

चित्रकूट के लालापुर में महर्षि वाल्मीकि की पावन साधना स्थली तथा राजापुर में तुलसीदास जी की पावन जन्मभूमि स्थित है। प्रदेश सरकार द्वारा इन दोनों स्थलों का सुंदरीकरण करके पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जा रहा है। लालापुर में पहाड़ी की चोटी पर रोपवे के निर्माण की कार्यवाही भी युद्ध स्तर पर की जा रही है। इसके पूर्व मुख्यमंत्री ने महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने रामचरितमानस की चौपाइयों को भी सुना। मुख्यमंत्री का महर्षि वाल्मीकि का चित्र और पुष्प देकर स्वागत किया गया।

महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से मिले सैयद फखर काज़मी चिश्ती

एनसीआर समाचार

अजमेर विश्व प्रसिद्ध सूफ़ी संत हज़रत ख़्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती के गद्दीनशीन एवं ख़ादिम सैयद फख़र काज़मी चिश्ती ने महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से मुलाक़ात की। वे उनके बुलावे पर मुंबई स्थित राजभवन पहुँचें जहां काज़मी साहब ने राज्यपाल महोदय को परम्परानुसार दस्तारबंदी एवं शॉल ओढ़ा कर अजमेर दरगाह शरीफ़ ज़ियारत के लिए आमंत्रित किया। करीब 1 घण्टे की इस मुलाक़ात में माननीय राज्यपाल ने सूफ़ी संतों को संभोधित करते हुए कहा कि, देश में शांति एवं भाईचारे का पैग़ाम जो सूफ़ीयों एवं संतों ने दिया है वो आज तक कोई न दे सका। सूफ़ी संत समस्त देशवासियों को एक होकर रहने की बात कहते चले आए हैं। ज्ञात हो की काज़मी साहब इन दिनों पाँच दिवसीय मुंबई यात्रा पर हैं।

वे चाँदीवाला ग्रूप के निर्देशक स्व हुमायूँ अबु बकर चाँदीवाला की याद में उनकी माताजी स्व हज्जानी हलीमा अबु बकर चाँदीवाला के नाम से बनाई गई मस्जिद के उद्घाटन में शिरकत करने गए हैं वहाँ उन्होंने जुम्मे की नमाज़ अदा की। वे 6 तारीख़ को जयपुर से मुंबई विमान से गए एवं 11 को मुंबई से जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

मध्य प्रदेश मंडला में दुपहिया वाहन चालकों को जागरूक करने के लिए चलाया जा रहा अभियान

एनसीआर समाचार

मध्य प्रदेश मंडला पुलिस सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए पुलिस मुख्यालय द्वारा संपूर्ण प्रदेश में हेलमेट की अनिवार्यता हेतु आदेश जारी किया गया है। इस आदेश की वजह से जिले भर में दुपहिया वाहन चालकों को हेलमेट लगाने के लिए जागरुक किया जा रहा है एवं सख्ती दिखाई जा रही है। पुलिस मुख्यालय के द्वारा विगत दिनों दुपहिया वाहन चालकों को हेलमेट अनिवार्य रूप से धारण कराये जाने हेतु आदेश जारी किये गए है। इसकी वजह से अब पुलिस द्वारा वाहन चेकिंग कर दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट धारण करने के लिए जागरुक किया जा रहा है एवं चलान की कार्यवाही की जा रही है।

यातायात पुलिस सभी दो पहिया वाहन चालकों से अपील करती है कि दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट अवश्य रूप से धारण करे दुर्घटनाओ में गंभीर चोट को रोकने के लिए हेलमेट अति आवश्यक है।

महिलाओं की सक्रिय भागीदारी के बिना समाज के विकास की कल्पना नहीं की जा सकती: ठाकुर

एनसीआर समाचार

हिमाचल प्रदेश मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने आज चंबा में जिला भाजपा महिला मोर्चा के पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाओं की सक्रिय भागीदारी के बिना समाज के विकास की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि, राज्य सरकार ने महिलाओं के कल्याण, विकास और सशक्तिकरण के लिए अनेक योजनाएं शुरू की हैं। उन्होंने कहा कि, धर्मशाला से प्रदेश की महिलाओं के लिए नारी को नमन कार्यक्रम शुरू किया गया था, जिसके अन्तर्गत महिला यात्रियों को हिमाचल पथ परिवहन निगम की बसों में किराए में 50 प्रतिशत की रियायत प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को बस किराए में यह रियायत राजनीतिक कदम नहीं है, बल्कि नारी शक्ति को सुदृढ़ करने के हमारे संकल्प की दिशा में एक छोटा सा कदम है। जय राम ठाकुर ने कहा कि प्रदेश में महिला सशक्तिकरण सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री शगुन योजना, मुख्यमंत्री गृहिणी सुविधा योजना, बेटी है अनमोल, महिला स्वयं सहायता समूहों को वित्तीय सहायता आदि योजनाएं आरम्भ की गई हैं। उन्होंने कहा कि लंबे समय से बीमार मरीजों के परिवारों के लिए सहारा योजना वरदान साबित हो रही है, क्योंकि ऐसे परिवारों को 3000 रुपये प्रतिमाह प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हैरानी की बात यह है कि किसी अन्य मुख्यमंत्री ने गरीब वर्ग के लोगों के लिए ऐसी योजनाएं शुरू करने के बारे में क्यों नहीं सोचा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार घरेलू बिजली उपभोक्ताओं को 125 यूनिट मुफ्त बिजली भी उपलब्ध करवा रही है।

मध्य प्रदेश सागर महापौर ने किया मीट मार्केट भवन निर्माण कार्य का निरीक्षण

एनसीआर समाचार

मध्य प्रदेश सागर में नये साल में नगर को एकस कवर्ड और व्यवस्थित मीट मार्केट की सुविधा मिलने जा रही है, जिसका निर्माण कार्य तिलकगंज स्थित पुराने मीट मार्केट के स्थान पर चल रहा है।

कुछ ही कार्य शेष है, जिसका महापौर संगीता डॉ. सुशील तिवारी, महापौर प्रतिनिधि डॉ. सुशील तिवारी, पूर्व पार्षद नरेश यादव, प्र. कार्यपालन यंत्री लखन लाल साहू, सहा. यंत्री संजय तिवारी, उपयंत्री दिनकर शर्मा के साथ स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महापौर ने निर्माण कार्य का स्थल निरीक्षण कर संबंधित साइड इंजीनियर से निर्माण कार्य के संबंध में जानकारी लेते हुये निर्देश दिये कि वर्तमान में जों फिनिशिंग कार्य चल रहा है, उसे पूरी गुणवत्ता के साथ षीघ्र पूर्ण करें इसी प्रकार पार्किंग में टाईल्स के स्थान पर कोटा स्टोन पत्थर लगायें, दृश्टि से छज्जा पर सामने की ओर रैलिंग लगाई जाये। इसके अलावा वर्तमान में चल रहे कार्यो के अलावा जो भी छोटे-छोटे कार्य शेष रह गये हों तो उन्हें दिसम्बर 22 तक पूर्ण करें ताकि नये साल में नगर को सुव्यवस्थित व कवर्ड मीट मार्केट का भवन मिल सके। मीट मार्केट का भवन- नये मीट मार्केट का भवन जी +3 है, जिसमें नीचे सामने की ओर 6 दुकानें और पार्किंग रहेगी, उसके पश्चात प्रत्येक खंड पर 14-14-14 दुकाने निर्मित की गई है, तथा प्रत्येक खंड पर शौचालय का भी निर्माण किया गया है। मार्केट में एक पशु चिकित्सक को बैठने के लिये अलग से कक्ष व मार्केट से निकलने वाले (वेस्ट) कचरे हेतु एक पृथक से कक्ष बनाया गया है। भवन में दुकानदारों के लिये पानी की व्यवस्था हेतु बारे कराया गया ताकि भवन में ऊपर टंकियां रखकर वहां से पाईप लाईन के माध्यम से हट खंड में पानी पहुंचाया जायेगा।

बान्दनवाड़ा में 8 से 14 अक्टूबर तक चलेगा सत्यनारायण भगवान मेला

एनसीआर समाचार

बान्दनवाड़ा इस वर्ष सत्यनारायण भगवान मेला 8 से 14 अक्टूबर तक चलेगा। सभी कार्यक्रम भिनाय रोड पर बांदनवाड़ा में पूरी योजना के साथ होंगे। शरद पुर्णिमा पर विशेष रूप से आयोजित सत्यनारायण मेला इस बार पूर्ण रूप से व्यापक तैयारियों के साथ बैठकों का दौर चल रहा है। आज इसी श्रंखला में मेला कमेटी अध्यक्ष जयमल रहलानी नें मेले की व्यवस्थाओं को लेकर मेला मैदान में लगने वाले झूलों को निर्धारित जगह पर झूले लगाने व मुख्य चौराहै से भिनाय रोड व सत्यनारायण मंदिर से ब्यावर रोड पर लगने वाली छोटी मोटी दुकानों जा जायजा लिया तो वही समारोह स्थल की जगह को समतल कर टेंकर से पानी का छिड़काव करवाया। ततपश्चात थानाधिकारी महावीर प्रसाद मीणा नें व्यवस्थाओं का जायजा लिया व बान्दनवाड़ा के मुख्य बाजारों का निरिक्षण किया। इससे पूर्व मेले के पदाधिकारियों ने मेले की तैयारियों पर चर्चा करते हुए विभिन्न कार्यों की योजना प्रस्तुत कर मेले को एकजुट होकर सफल बनाने वाले कार्य को पूरा करने पर बल दिया। मेले का शुभारंभ आज मारवाड़ी खेल तथा सुन्दरकांड पाठ के साथ होगा। रविवार 9 अक्टूबर शरद पूर्णिमा को मंदिर में ध्वजरोहन होगा व 10 बजे से राष्ट्रीय ओपन कबड्डी व कुश्ती दंगल का आगाज होगा। 10 अक्टूबर को प्रातः 5 बजे अमृत खीर प्रसाद का वितरण होगा।

हिमाचल प्रदेश मुख्यमंत्री ने चम्बा में पंडित जयवंत राम उपमन्यु विज्ञान संग्रहालय का किया लोकार्पण

एनसीआर समाचार

हिमाचल प्रदेश मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने आज चम्बा के राजकीय ब्वायज वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला में विज्ञान संग्रहालय का लोकार्पण किया। इस अवसर पर छात्रों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह संग्रहालय भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा स्थापित किया गया है और देश के विभिन्न आकांक्षी जिलों में 75 विज्ञान संग्रहालय स्थापित करना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दृष्टिकोण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि, इन विज्ञान संग्रहालयों को बनाने का मुख्य उद्देश्य न केवल आम लोगों और विशेष रूप से छात्रों को स्वतंत्र भारत के पिछले 75 वर्षों के दौरान भारत की वैज्ञानिक यात्रा और उपलब्धियों से अवगत करवाना है, बल्कि स्कूली छात्रों में वैज्ञानिक सोच पैदा करना भी है। उन्होंने कहा कि, इस संग्रहालय का नाम पंडित जयवंत राम उपमन्यु विज्ञान संग्रहालय रखा गया है। पंडित जयवंत राम उपमन्यु हिमाचल प्रदेश विधानसभा के पहले अध्यक्ष और स्टेट हाई स्कूल चंबा में भारतीय मूल के पहले मुख्याध्यापक थे। जय राम ठाकुर ने कहा कि, डीबीटी एनआईपीजीआर-पंडित जयवंत राम उपमन्यु विज्ञान संग्रहालय राजकीय ब्वायज वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला चंबा में स्थापित किया गया हिमाचल प्रदेश का पहला विज्ञान संग्रहालय है जो "आजादी का अमृत महोत्सव" का ही एक हिस्सा है।

उन्होंने कहा कि, इस विज्ञान संग्रहालय को लोगों में विज्ञान की शिक्षा और विज्ञान के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से विकसित किया गया है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह विज्ञान संग्रहालय क्षेत्र में विज्ञान की शिक्षा को बढ़ावा देने, विशेषकर युवाओं और लोगों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तत्वावधान में देश के आकांक्षी जिलों में विज्ञान संग्रहालयों की स्थापना से भारत सरकार के समग्र शिक्षा अभियान को बल मिलेगा। उन्होंने कहा कि नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लांट जीनोम रिसर्च (एनआईपीजीआर) भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) का एक स्वायत्त संस्थान है जो बुनियादी विज्ञान और अनुवाद कार्य दोनों पर ध्यान केंद्रित करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रगतिशील भारत के गौरवशाली इतिहास, संस्कृति और उपलब्धियों के स्मरण एवं इनके सम्मान में केंद्र सरकार ने देश की आजादी के 75वें वर्ष को 'आजादी का अमृत महोत्सव' के रूप में मनाने की सराहनीय पहल की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह महोत्सव उन सभी लोगों को समर्पित है, जिन्होंने भारत को एक प्रमुख वैश्विक शक्ति बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने भी हिमाचल प्रदेश के अस्तित्व के 75वें वर्ष के उपलक्ष्य पर प्रदेश भर में 75 कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया है। ये कार्यक्रम उन सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए मनाए जा रहे हैं जो कि इन 75 वर्षों में राज्य के विकास में भागीदार रहे हैं। इस अवसर पर केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जतिंद्र सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार ने स्कूली शिक्षा में गुणवत्ता सुधार के उद्देश्य से प्री-स्कूल से 12वीं कक्षा तक एक व्यापक कार्यक्रम 'समग्र शिक्षा और जन भागीदारी' तैयार किया है।

मोदी चंबा में जनसभा को संबोधित करने वाले देश के पहले पीएम होंगे: जय राम

एनसीआर समाचार

मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने आज चंबा जिला के भरमौर विधानसभा क्षेत्र में 83.42 करोड़ रुपये की 23 विकासात्मक परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास किए। मुख्यमंत्री ने हिमाचल प्रदेश के अस्तित्व के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित किए जाने वाले "प्रगतिशील हिमाचलः स्थापना के 75 वर्ष" समारोह के अवसर पर गांव लिल्ह में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार ने भरमौर की 17 गैर जनजातीय पंचायतों को जनजातीय क्षेत्र घोषित करने का मामला केंद्र सरकार के समक्ष उठाया है। जय राम ठाकुर ने कहा कि केंद्र सरकार ने प्रदेश के चंबा जिले को आकांक्षी जिले के रूप में चुना है ताकि विकास कार्यो के लिए अतिरिक्त धनराशि उपलब्ध करवाई जा सके। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा ही प्रदेश के लोगों की विकासात्मक आकांक्षाओं के प्रति संवेदनशील रहे हैं और राज्य के साथ उनका खास रिश्ता है।

प्रधानमंत्री इसी माह की 5 तारीख को प्रदेश का दौरा कर चुके हैं और एक बार फिर 13 अक्तूबर को चंबा के दौरे पर आ रहे हैं, जिससे राज्य के विकास के प्रति प्रधानमंत्री की संवेदनशीलता का पता चलता हैं। उन्होंने कहा कि चंबा में जनसभा को संबोधित करने वाले नरेंद्र मोदी देश के पहले प्रधानमंत्री होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा के कार्यक्रमों में उमड़

रही भारी भीड़ को देखकर विपक्ष के नेता परेशान हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक डूबता हुआ जहाज है और उसके अधिकांश नेता पार्टी छोड़ रहे हैं क्योंकि वे जानते हैं कि कांग्रेस पार्टी एक भविष्यहीन, मुद्दाविहीन और नेतृत्वविहीन पार्टी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के चार कार्यकारी अध्यक्षों में से दो भाजपा में शामिल हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि देश की जनता ऐसी पार्टी को क्यों चुनें, जिसका राष्ट्रीय नेता गेहूं के आटे को लीटर में मापने की बात करता हो। प्रदेश के लोगों ने एक बार फिर से प्रदेश में भाजपा की सरकार बनाने का मन बना लिया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस के एक युवा नेता का दावा है कि वीरभद्र सिंह जैसा बड़ा नेता भी सरकार को दोबारा सत्ता में नहीं ला सका, तो उनके जैसा आम आदमी इस उपलब्धि को कैसे हासिल कर सकता है। जय राम ठाकुर ने प्रदेश के लोगों से ऐसे नेताओं को मुंहतोड़ जवाब देने का आग्रह किया है।

जय राम ठाकुर ने कहा कि राज्य सरकार ने महिलाओं के सशक्तिकरण और उनके उत्थान पर विशेष बल दिया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस वर्ष जुलाई माह से महिलाओं को हिमाचल पथ परिवहन निगम की बसों में किराये में 50 प्रतिशत की रियायत और प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं को प्रतिमाह 125 यूनिट तक मुफ्त बिजली प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के सभी उपभोक्ताओं को मुफ्त पानी उपलब्ध करवा रही है। उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस नेताओं को ठीक नहीं लग रहा है और वे राज्य सरकार पर लोगों को मुफ्त की आदत डालने का आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब चुनावों को देखते हुए यही कांग्रेसी नेता दावा कर रहे हैं कि सत्ता में आने पर वे 300 यूनिट मुफ्त बिजली देंगे। उन्होंने प्रदेश के लोगों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों को मजबूत करने का आग्रह किया ताकि केंद्र और राज्य में डबल इंजन सरकार निर्बाध रूप से विकास कार्यों को जारी रख सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक ओर देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है तो दूसरी ओर हिमाचल प्रदेश भी अपने अस्तित्व के 75 वर्ष पूरे करने जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

मध्य प्रदेश तुमसर शहर में मामूली विवाद में व्यक्ति की धारदार हथियार से हत्या

मध्य प्रदेश तुमसर शहर के पास हसारा टोला में मामूली विवाद में व्यक्ति की बेरहमी से हत्या कर देने की घटना शुक्रवार 7 अक्टूबर की शाम 6:30 के बीच घटित हुई। धारदार हथियार से सिर और गर्दन पर वार करने से व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक का नाम विजय श्रीराम नकाते, 52 वर्ष हसारा टोला निवासी है। गिरफ्तार आरोपी भाइयों में गणेश बरेकर (30) कृष्णा बरेकर 27 दोनों में हसारा टोला निवासी है। स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार 2 दिन पहले मृतक के निर्माण स्थल पर आरोपी का झगड़ा हो गया था, तुमसर पुलिस निरीक्षक नितिन चिंचोलकर ने प्रारंभिक जानकारी दी है कि, तुमसर शहर से सटे हजारा टोली में शुक्रवार शाम करीब 6:30 बजे विजय की हत्या की घटना एक स्थानीय बौद्ध विहार के पास हुई। घटना की जानकारी मिलते ही परिसर में सनसनी मच गई। तुमसर पुलिस को घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंच गई। विजय खून से लथपथ मृत पाया गया और हत्या में इस्तेमाल किया गया हथियार पास में मिला था। मिली जानकारी के अनुसार मृतक पैसे से कंट्रक्शन कांटेक्टर था विजय की हत्या के आरोपी कृष्णा और गणेश का घटना से 2 दिन पहले अपने कार्यस्थल पर आरोप प्रत्यारोप को लेकर विवाद हो गया था। दोनों आरोपियों भाइयों को गिरफ्तार कर लिया है।

दिवाली पर परिवहन विभाग द्वारा एकमुश्त राशि जमा करने पर टैक्स में छूट

शाजापुर दशहरे एवं दिवाली के शुभ अवसर पर मध्य प्रदेश शासन परिवहन विभाग द्वारा एकमुश्त राशि जमा करने पर कमर्शियल वाहनों पर टैक्स में छूट प्रदान की गई है। जिला परिवहन अधिकारी शाजापुर एपी श्रीवास्तव ने बताया कि मध्य प्रदेश शासन परिवहन विभाग द्वारा 24 सितंबर 2022 से बकाया टैक्स में छूट मासिक त्रैमासिक जीवनकाल कर वाहनों में प्रदान की गई है, जिसके अनुसार अधिसूचना जारी होने की तारीख 5 साल तक पुराने पंजीकृत यान पर 5% अधिसूचना जारी होने की तारीख 5 से 10 साल तक कम पुराने पंजीकृत यान पर 20% अधिसूचना जारी होने की तारीख 10 साल से अधिक पुराने पंजीकृत यान पर 30% एवं 15 वर्ष से अधिक पुराने टैक्स बकाया बहनों का एकमुश्त जमा करने के तहत स्क्रैप पंजीयन निरस्त पर 90% तक छूट प्रदान की जाएगी।

अजमेर जश्ने ईद मिलादुन्नबी के जुलूस में 500 वोलेंटियर को सूफी इंटरनेशनल सोसाइटी की तरफ से बांटे गए कार्ड

अजमेर अंजुमन सैय्यदजादगान के मोइनिया हॉल में सभी वोलेंटियर की मीटिंग रखी जिसमे सूफी इंटरनेशनल सोसाइटी की तरफ से सभी वोलेंटियर को कार्ड बांटे गए। सूफी इंटरनेशनल सोसाइटी की जानिब से जश्ने ईद मिलादुन्नबी के निकलने वाले जुलूस में 500 वोलेंटियर अपनी सेवाएं देंगे। रास्ते में सभी व्स्थाओं को पूरी जिम्मेदारी से निभाएंगे और सोसाइटी के पदाधिकारियों ने उनको कहा कि, सभी अपनी जिम्मेदारियों को बाखूबी निभाए माहोल खराब न होने दे। बड़ी मोहब्बत के साथ सबसे पेश आए और जो हजरत मोहम्मद साहब का अमन का पैगाम दे भाईचारे का पैगाम देते हुए चले। अजमेर दरगाह अंजुमन सैय्यद जादगान के सचिव जनाब सैय्यद सरवर चिश्ती साहब ने भी सभी को हिदायत देते हुए कहा के अजमेर एक गंगा, जमना तेहज़िब की नगरी है भाईचारा कायम रहे किसी को जुलूस के दौरान तकलीफ ना पहुंचे।

अजमेर में जश्ने ईद मुलादुन्ननबी को लेकर एडीएम सिटी भावना गर्ग ने किया रास्तों का निरीक्षण

अजमेर में 9 अक्टूबर को जश्ने ईद मिलादुन्नबी के दिन जो जुलूस निकाला जाएगा और ये जुलूस सूफी इंटरनेशन सोसाइटी की जानिब से निकाला जाता है। दिनक 9 अक्टूबर को निकाला जाएगा जो की अजमेर अंदर कोट ढाई दिन के झोपड़े से चलकर त्रिपोलिया गेट, कमानी गेट, दरगाह निजाम गेट, दरगाह बाज़ार से होता हुआ देहली गेट, गंज, फुवारा चौहराया होते हुए। अजमेर बारहदरी पर पहुंचेंगे जिसका एडीएम सिटी भावना गर्ग ने सभी प्रशासनिक अधिकारियों और बिजली विभाग के अधिकारियों के साथ पूरे रास्ते में सभी होने वाली व्यवस्थाओं का पैदल चलकर जायेज़ा लिया और एडीएम सिटी भावना गर्ग ने बताया के रास्ते में किसी प्रकार की कोई परेशानी न हो रास्ते में अतिक्रमण ना हो और अगर ओर भी कुछ व्यवस्थाओं में कमी होगी तो हम उसको दुरुस्त कर देंगे। जिसमे सूफी इंटरनेशन सोसाइटी के पदाधिकारियों ने रास्ते में होने वाली सभी व्यवस्थाओं के बारे में उन्हें बताया।

सागर में अग्निवीर भर्ती रैली में आए प्रतिभागियों के लिए नगर निगम ने की भोजन पानी की व्यवस्था

सागर अग्निवीर भर्ती रैली में आए युवा प्रतिभागियों को नगर निगम सागर द्वारा भोजन और पानी आदि की व्यवस्था की गई। महापौर प्रतिनिधि सुशील तिवारी ने आज इंजीनियरिंग कॉलेज पहुंचकर निगम की व्यवस्था देखी और भोजन वितरण केन्द्र पर प्रतिभागियों को भोजन वितरित किया और साथ में भोजन भी किया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी योजना अग्निवीर भर्ती रैली है। इसमें युवाओं को नौकरी का सीधा अवसर मिल रहा है। सागर में 14 जिलों के 73 हजार युवा हिस्सा ले रहे है। जिला प्रशासन और सेना ने बेहतर इंतजाम किए है। इस मौके पर रिशांक तिवारी, मनोज रैकवार, अमित रावत, शुभम नामदेव, सुजीत ठाकुर, राजीव कपूर, रोहित तिवारी, हेमंत पचौरी, नगर निगमकर्मी अरविंद सोनी एवं टीम उपस्थित रही।

अलवर के कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की छात्राओं एथलेटिक्स में जीते 17 मेडल

राजस्थान अलवर जिले के उमरैन ब्लॉक में ग्राम पंचायत अकबरपुर के कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय अकबरपुर की छात्राओं ने एथलेटिक्स खेल प्रतियोगिता किशनगढ़ बास में अपना परचम लहराकर 17 मेडल जीतकर अकबरपुर का नाम रोशन किया। सरपंच प्रतिनिधि महेश पटेल ने खिलाड़ियों को दी बधाई और उन्होंने बताया कि, सभी आज शाम को सभी खिलाडियों को अकबरपुर पहुंचने पर उनका बस स्टैंड पर स्वागत किया जाएगा।

सुड़गांव में जनपद सदस्यों ने किया स्कूलों का निरीक्षण, बंद मिला स्कूल

इन्द्रमेन मार्को

सुड़गांव विकास खण्ड मोहगांव मुख्यालय अन्तर्गत स्कूलों का जनपद पंचायत सदस्य बोध सिंह मरकाम ने शुक्रवार को ग्राम खाल्हेगिठौरी में शासकीय माध्यमिक स्कूल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण में दोपहर 3.30 बजे स्कूल बंद मिला। स्कूल के गेट पर 15 बच्चे खेलते नजर आए। आए दिन स्कूलों की समस्या शिक्षकों की भारी लापरवाही देखी जा रही है। आए दिन हड़ताल में किए बच्चों की भविष्य से खिलवाड़ प्राप्त जानकारी अनुसार शिक्षक समय पर स्कूल नहीं आ रहे हैं। बता दें कि, मध्य प्रदेश मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की सरकार ने सभी ड्रॉपआउट बच्चों को भी शिक्षा से जोड़ने की बात कहते हैं, लेकिन यहां पर शिक्षक की बहुत ही लापरवाही देखी जा रही है। शिक्षा के लिए बहुत ही सक्रिय हैं, लेकिन यहां पर पदस्थ शिक्षक की लापरवाही करते जा रहे हैं देखा जाए तो विकासखंड स्तर पर ग्रामीण क्षेत्रों में विकास खण्ड मोहगांव शिक्षक अधिकारी आर.एस. भगत एवं बीआरसी दीपक कछवाहा ने स्कूलों का निरीक्षण भी नहीं किया जा रहा है। शिक्षक और बच्चों की उपस्थिति रजिस्टर में ही रह जाती है। ग्रामीणों ने जनपद सदस्य को बताया कि स्कूल में पदस्थ एक महिला शिक्षक एवं एक शिक्षक अप डाउन करते है। रोजाना स्कूल निर्धारित समय से लेट ही डेढ़ घंटे देरी से खुलता है। शाम को भी समय से पहले ही बन्द कर दिया जाता है। ग्रामीणों ने सहभागिता देते हुए जनपद पंचायत सदस्य के साथ प्रभु सिंह मसराम, देवा कोर्चे, विक्रम मरवी एवं समस्त उपस्थित रहे।

जम्मू-कश्मीर के पूंछ में भारी मात्रा में नशीला पदार्थ बरामद, 2 अपराधी गिरफ्तार

युगल शर्मा

समाज से नशे की लत को खत्म करने में जम्मू-कश्मीर पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की और 6 किलो 280 ग्राम हेरोइन जैसे पदार्थ बरामद किया। 4 अक्टूबर को पुलिस थाना पुंछ और बंदिचाचिआ की एक टीम क़स्बा क्षेत्र में गश्त ड्यूटी पर थी और नाका चेकिंग के दौरान कस्बा डोमेल में एक आश्चर्यजनक नाका लगाया गया था, जो कीरनी की ओर से पुंछ की ओर आ रहे थे, जो पुलिस को देखकर अपने हाथों में बैग लेकर आ रहे थे। पार्टी ने संदिग्ध तरीके से व्यवहार किया और जानबूझकर नाका पार्टी से बचने की कोशिश की। सतर्क पुलिस दल को संदेह हुआ और उन्होंने उन्हें चुनौती दी और उन्हें बहुत ही चतुराई से पकड़ लिया, पूछताछ के

दौरान उन्होंने अपने नामों का खुलासा किया। क़मर दीन पुत्र मोहम्मद रहने वाला कीरनी का और सज्जाद अहमद पुत्र मोहम्मद अज़ीम निवासी क़स्बा दोनों अपने हाथों में बैग ले जा रहे थे, कानून की उचित प्रक्रिया का पालन करने के बाद उनके बैग की तलाशी ली गई। कमर दिन की तलाशी के दौरान 3 किलो 820 ग्राम वजन वाली हीरोइन जैसे पदार्थ वाले पीले टेप वाले 03 सीलबंद पैकेट बरामद किए गए और सज्जाद अहमद के बैग की तलाशी के दौरान 2 किलो 460 ग्राम वजन वाली हीरोइएं जैसे पीले टेप वाले 02 सीलबंद पैकेट बरामद किए गए। उनके कब्जे से कुल 05 पैकेट 6 किलो वजन और 280 ग्राम हीरोइन जैसे पदार्थ बरामद किया गया था। इस पर प्राथमिकी संख्या 203/2022 यू/एस 21 सी 22 29 एनडीपीएस अधिनियम पुलिस स्टेशन पुंछ में दर्ज है। इस मामले में आगे और पीछे सभी लिंक का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है। पुंछ पुलिस ने पुंछ जिले के सभी नागरिकों से अनुरोध किया है कि वे आगे आएं और नारकोटिक्स की मदत करे ड्रग्स पेडलिंग में शामिल सभी लोगों की जानकारी पुलिस को साझा करें, उनकी पहचान गुप्त रखी जाएगी। नशा मुक्त भारत अभियान के तहत नशा मुक्त पुंछ बनाने में उनका सहयोग एक लंबा सफर तय करेगा। गिरफ्तारी व बरामदगी पुंछ के पुलिस अधीक्षक रंजीत सिंह राव ने पुंछ के उप पुलिस अधीक्षक नवाज अहमद चौहान और पुंछ के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुशीम अहमद की देखरेख में एसएसपी पुंछ रोहित बसकोत्रा की देखरेख में की।

कोटपूतली में ऐतिहासिक रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन, रक्तदाताओं का उमड़ा जनसैलाब

एनसीआर समाचार

राजस्थान कोटपूतली शहर के बानसूर रोड स्थित गोकुल होटल में शुक्रवार को भाजपा दिल्ली प्रदेश के कोषाध्यक्ष एवं युवा मोर्चा दिल्ली प्रदेश प्रभारी तथा गरीब व जरूरतमंदों की सेवा के लिए समर्पित आओ साथ चलें संस्था के राष्ट्रीय संयोजक डॉ विष्णु मित्तल के जन्मदिन पर विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ। अपने माता पिता के आशीर्वाद के बाद स्वंय डॉ मित्तल ने रक्तदान करके शिविर का शुभारंभ किया। इस मौके पर 920 युवकों ने अपना पंजीयन करवाया, जिसमें से 847 मेडिकल फिट पाए गए। इन सभी रक्त दाताओं ने स्वैच्छिक

रक्तदान किया। प्रत्येक रक्तदाता को आओ साथ चले संस्था की ओर से प्रशस्ति पत्र एवं हेलमेट देकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर मित्तल ने रक्त दाताओं को बधाई देते हुए कहा कि, रक्तदान इंसानियत का सच्चा रिश्ता निभाता है। इसलिए ऐसे अवसरों पर परमार्थ एवं पुण्य जैसे प्रकल्प कार्य आयोजित किए जाने चाहिए। राजनीति के सवाल पर कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वाली भाजपा पार्टी का हर एक कार्यकर्ता में पद से पहले समाज सेवा का जज्बा होता है। कोटपुतली सहित दिल्ली के तीन अस्पतालों के बाहर मरीजों के परिजनों को प्रसादाम के तहत निःशुल्क भोजन वितरण का काम पिछले कई सालों से जारी है। इससे पहले दिल्ली सहित अनेक प्रांतों से आये राजनैतिक व सामाजिक संस्थाओं से जुड़े लोगों ने मित्तल को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। कार्यक्रम में रक्तमणि संयोजक मुकेश गोयल ने कहा कि, रक्त का कोई विकल्प नहीं है। एक व्यक्ति द्वारा किए गए रक्तदान से किसी की जान बचाई जा सकती है। जनकल्याण ब्लड बैंक जयपुर, जीवनधारा ब्लड बैंक कोटपुतली, जीवनदाता ब्लड सेंटर कोटपूतली, श्री कृष्णा ब्लड सेंटर कोटपुतली, बीडीएम अस्पताल कोटपुतली, जयपुरिया हॉस्पिटल, जयपुर की टीमों ने रक्त संग्रहण का कार्य किया।

शराब के नशे में छोटे भाई ने बड़े भाई की कुल्हाड़ी से की हत्या

अमृत राज मृतुन्जय शाहू

मध्य प्रदेश में शराब का नशा अपने साथ अपराध को लेकर आता है, जिसकी एक बानगी शहड़ोल जिले के कोयलांचल नगरी धनपुरी में देखने को मिली जहां शराब के नशे में रिस्तो का कत्ल हो गया, शराब के नशे में धुत्त छोटे भाई ने बड़े भाई को कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर दिया, दरअसल शराब नशे में दो भाइयों के बीच किसी बात को लेकर गाली गलौच कर विवाद हो गया, विवाद इतना ज्यादा गहरा गया कि वही पास में रखी कुल्हाड़ी से छोटे भाई बड़े भाई की हत्या कर दी, पुलिस ने हत्यारे भाई को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। मामला धनपुरी थाना क्षेत्र के कोयलांचल नगरी धनपुरी वार्ड नं 24 सरकारी टोला का है, जहां बड़े भाई जीवन की देर रात उसके छोटे भाई गनेषु से किसी बात को लेकर कहासुनी होने लगी, जिसके बाद शराब के नशे में चूर गनेषु ने वहीं पास में पड़े एक कुल्हाड़ी उठाया और अपने बड़े भाई के सर व गर्दन पर हमला कर दिया, जिससे बड़े भाई की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद जैसे ही परिजनों को जानकारी हुई तो, इस सनसनीखेज घटना की जानकारी धनपुरी पुलिस को दी। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हत्यारे भाई के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर हिरासत में लाकर पूछताछ कर रही है।

नारायण सेवा संस्था द्वारा आयोजित रामलीला में राम का हुआ राजतिलक

एनसीआर समाचार

भगवान नारायण सेवा संस्था नारनौल द्वारा श्रीकृष्णा ड्रामाटिक क्लब अनाज मंडी के मंच पर आज रामलीला के अंतिम दिन राज तिलक की लीला का मंचन हुआ।

रामलीला के प्रभारी दयानंद सैनी मंत्री ने बताया कि, हमारे आज के मुख्य अतिथि अशोक भाटा ने गणेश पूजन के साथ राजतिलक की लीला का प्रारंभ किया। विजय जैन ने बताया कि, भगवान राम 14 वर्ष का वनवास व रावण को मारकर अयोध्या लौटे थे, तब सारी प्रजा में बहुत खुशी थी और सभी भगवान राम के राजतिलक का इंतजार कर रहे थे राजतिलक की झांकी को देखकर सब मंत्रमुग्ध हो गए और सब नाचने गाने लगे और सभी ने कहा हमारे राजराजेश्वर, बधाई है, बधाई है, आया है शुभ दिन, बधाई है,

बधाई है। भगवान राम के राजतिलक में पहला तिलक वशिष्ठ मुनि वासुदेव सिंघल ने किया तथा दूसरा तिलक श्री कृष्णा ड्रामेटिक क्लब अनाज मंडी के संरक्षक अशोक भाटा व अनूप भाटा ने किया। विशिष्ट अतिथि मनमोहन सोनी, बलवान सैनी तथा सभी ने भगवान राम के तिलक किया और सभी रामलीला के कलाकारों ने भगवान राम का आशीर्वाद लिया और कहा हम हर साल इसी खुशी व तन मन धन से भगवान राम की लीला का आयोजन श्री कृष्णा ड्रामेटिक क्लब अनाज मंडी के मंच पर अशोक भाटा के सहयोग से रामलीला का आयोजन करते रहेंगे। रामलीला के सचिव - मनोज निर्मल ने सभी रामलीला के सदस्यों व कलाकारों का बहुत दिल से आभार जताया कि आप सभी ने रामलीला मंचन में एक परिवार की तरह रामलीला करने में हमारा सहयोग तन मन धन से किया और सभी ने कहा कि, हम हमेशा प्रभु राम आपकी सेवा करते रहेंगे।

इस प्रकार भगवान राम के राजतिलक के बाद रामलीला का समापन होता है और सभी कलाकारों को पुरस्कार दिए जाते हैं। सभी भगवान राम के जयकारे लगाते हैं, तिलक में रामलीला के पात्र राम- नवीन सिंघल, लक्ष्मण- भारत भूषण गर्ग, सीता -संजय प्रजापति, भरत- कनिष्क कोहली, शत्रुघ्न - भारत कंछल हनुमान- योगेश कौशिक रामलीला में सहयोगी व कलाकार व कमेटी प्रभारी -दयानंद सैनी प्रधान - वसुदेव सिंघल, सचिव- मनोज निर्मल, कोषाध्यक्ष -विजय जैन, डायरेक्टर- संजय वर्मा व संजय दुलगच, मंच संचालक- भारत भूषण तायल, मुकेश आनंद शाकाल, विष्णु डेनवाल, संजय अमन, रमेश शर्मा पंडित, डब्बू कमानिया, मुकुंद तायल, मोनू भाटा, निहाल सर्राफ, तरुण शर्मा, बिशन सैनी, होशियार, धर्मवीर बीरन, सत्यनारायण भगत, विकास कटारिया, देवकी सैनी, बालवीर, हन्नी, गौरव सिंघल ढोलक- सीताराम पंडित नकारी- हरप्रसाद, हारमोनियम- रतनलाल मास्टर, वीरेंद्र साउंड, टेंट- मनीष आदि सभी ने रामलीला आयोजन में तन मन धन से सहयोग किया आगे भी सहयोग करते रहेंगे। सभी 2 महीने एक परिवार की तरह रहते हैं प्रधान वसुदेव सिंघल ने सभी का धन्यवाद किया उसके बाद अमृत रूपी प्रसाद वितरण किया गया।

संक्षिप्त समाचार

एचपीपीएस अधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री का व्यक्त किया आभार

हिमाचल प्रदेश मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर से आज यहां एचपीपीएस अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस अधीक्षक (सीआईडी) संदीप भारद्वाज के नेतृत्व में भेंट की। प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश सरकार द्वारा वर्दी भत्ते में बढ़ोतरी करने तथा हिमाचल प्रदेश पुलिस सेवाएं अधिकारियों को पदोन्नति सहित विभिन्न लाभ प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार सभी अधिकारी व कर्मचारी वर्गों के कल्याण के लिए कृत संकल्प है और उनके समस्त देय लाभ समय-समय पर प्रदान किए गए हैं। उन्होंने सभी पदोन्नत अधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि वे पूरी जिम्मेवारी एवं लग्न के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस अधिकारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहता है और वे निष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर सभी पदोन्नत हिमाचल प्रदेश पुलिस सेवाएं अधिकारियों को एम्बलम भी प्रदान किए। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने कहा कि पुलिस उप अधीक्षक की पदोन्नति में तकनीकी पहलुओं को हल करते हुए प्रदेश सरकार ने एक साथ 18 अधिकारियों को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के पद पर पदोन्नति दी है। यह संभवतः पहला ऐसा अवसर है जब एक साथ इतनी संख्या में इस कैडर के अधिकारियों को पदोन्नति दी गई है। इस अवसर पर विशेष सचिव, गृह राजेश्वर गोयल सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी उपस्थित थे।

मधौगंज थाना SHO ने परिवार सहित की थाना परिसर मन्दिर की पूजा अर्चना

उत्तर प्रदेश जनपद हरदोई माधौगंज थाना प्रभारी सुब्रत नारायण तिवारी ने परिवार सहित थाना परिसर के अन्दर विधिवत तरीके से पूजा अर्चना की। थाना परिसर का मन्दिर जो बहुत समय से जर्जर हालत पर पहुंच गया था। नागरिकों के सहयोग से थाना प्रभारी सुब्रत नारायण तिवारी ने मन्दिर में टाइल्स पत्थर सहित मरम्मत कार्य करवा कर शंकर, नन्दी, हनुमान, राधा कृष्ण की मूर्तियां स्थापित कर परिवार सहित पूजा अर्चना की। इसके साथ नगर के संभ्रांत लोगों को बुलाकर भंडारे का आयोजन किया आए हुए लोगों को खाना खिलाकर प्रसाद देकर सभी लोगों का धन्यवाद किया

उत्तर प्रदेश फर्रुखाबाद में एक मिठाई की दुकान में नकब लगाकर चोरों ने की चोरी

उत्तर प्रदेश फर्रुखाबाद थाना कोतवाली क्षेत्र स्थित मोहल्ला सलावत खां में शुक्रवार रात अज्ञात चोरों ने मिठाई की दुकान में पीछे की दीवार में नकब लगाकर चोरी की। दुकान संचालक वेदराम सक्सेना ने बताया शनिवार सुबह जब दुकान का शटर खोल कर देखा तो सामान बिखरा हुआ था अंदर पैसे की गोलक गायब थी दुकान के अंदर के हिस्से में जाकर देखा तो पता चला की दीवार में नकब लगाकर चोरी कर ली गई है। दुकान संचालक ने बताया की गोलक में रखें करीब 2500 रुपए गायब है। चोरी की घटना की जानकारी नजदीकी घोड़ा नखास चौकी प्रभारी विद्यासागर तिवारी जी को दी गई। जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची और मामले की जानकारी लेते हुए जांच शुरू कर दी है।

मध्य प्रदेश खरगोन पुलिस कंट्रोल रूम में जश्ने ईद मिलादुन्नबी को लेकर आयोजित हुई आज शांति समिति की बैठक

खरगोन पुलिस कंट्रोल रूम में आज शांति समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें एडिशनल एसपी साहब एसडीओपी साहब एवं थाना प्रभारी ने ली। जश्ने ईद मिलादुन्नबी के जुलूस को लेकर बैठक का उद्देश्य यह था कि त्यौहार को भाईचारा एवं सद्भावना के साथ मनाया जाए, ताकि खरगोन शहर में अमन और शांति बनी रहे। इस बैठक में खरगोन शहर के लोग मौजूद थे, जिसमें सामान्य नागरिक जैनुद्दीन बादशाह, इमरान शेख पीओपी, अलीम शेख, काजिम अली, सैयद डॉक्टर, नौशाद मंसूरी, साकिर भाई, जेलीयर रहमान शेख, खरगोन शहर के एवं शांति समिति के अन्य सदस्य भी मौजूद थे।

मध्य प्रदेश नौरोजाबाद में एक पिकअप और टू व्हीलर में टक्कर, युवक की मौत

उमरिया के नौरोजाबाद पुलिस थाना से 2 किलोमीटर दूर छादा कला सोनाझाटी के पास कल दोपहर 2:00 बजे पिकअप और दो पहिया वाहन में जोरदार आपस में टकराने से दोपहिया चालक की मौके पर ही मौत हो गई और दूसरा सवारी भी गंभीर रूप से चोटिल हो गया। बताया जा रहा है कि, दोपहिया चलाने वाले दोनों छादा कला के निवासी थे। बताया जा रहा है कि, नीलेश यादव पिता हरि लाल यादव उम्र 21 वर्ष दुर्घटना स्थल पर ही मौत हो गई एवं दूसरा व्यक्ति गणेश सिंह पिता शक्ति सिंह निवासी छादा गंभीर रूप से घायल हुआ, जिसे नजदीकी शासकीय हॉस्पिटल भेजा गया। मृत शरीर को नजदीकी हॉस्पिटल पास पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है एवं घायल का उपचार शासकीय हॉस्पिटल नौरोजाबाद में किया जा रहा है। आगे जिला मुख्यालय हॉस्पिटल रेफर कर दिया जाएगा। पुलिस ने अपनी जांच शुरू कर दी है और आगे की कार्रवाई हेतु पिकअप को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद नवांकुर प्रस्फुटन समितियों का दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर प्रारम्भ

इन्द्रमेन मार्को

मध्य प्रदेश सुड़गांव विकास खण्ड मोहगांव मुख्यालय के सभा कक्ष में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के द्वारा नवांकुर प्रस्फुटन योजना अन्तर्गत समितियों का दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर नवीन गठित दस समितियों से दो दो सदस्य उपस्थित रहे। दो दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि जनपद अध्यक्ष जी.एस.भवेदी, जनपद उपाध्यक्ष शिव कुमार मिश्रा, ज्योति मार्को जनपद सदस्य, मुकेश नंदा विकास खण्ड प्रबंधक आजीविका परियोजना, सरपंच बसतिया मरावी के द्वारा भारत माता के चित्र पर तिलक वंदन, कर दीप प्रज्वलित कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। विकास खण्ड समन्वयक द्वारा दो दिवसीय प्रशिक्षण व परिषद द्वारा किए जाने वाले कार्य जानकारी दिया गया। मुख्य अतिथियों अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष द्वारा परिषद के कार्यों की सराहना की गई नशा मुक्ति, शासन की योजनाओं में पात्र हितग्राहियों के बारे में सहयोग करने की बात कही गई। परामर्शदाता, विशेषज्ञता द्वारा व्यक्तित्व विकास, सामुदायिक सहभागिता रजिस्टर संधारण समग्र ग्राम अवधारणा मुकेश नंदा, नेम लाल धुर्वे, उमेश पट्टा, चिरौंजी बंसल उपस्थित हुए।

सीएम ने छात्रों को किया सम्मानित

एनसीआर समाचार

हिमाचल प्रदेश मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने आज यहां आयोजित मेधावी छात्र सम्मान समारोह की अध्यक्षता की। समारोह में हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की दसवीं तथा बारहवीं कक्षा की वार्षिक परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 216 मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। इनमें 10वीं कक्षा के 103 और 12वीं कक्षा के 113 टॉपर्स शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि, आज यहां उपस्थित मेधावी छात्रों को उनकी कड़ी मेहनत का फल प्राप्त हुआ है और हम सभी के जीवन में यह अविस्मरणीय पल होते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षा के उपरांत जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में यह छात्र नई ऊंचाइयां प्राप्त करेंगे और अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर हिमाचल प्रदेश का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने छात्रों को निरंतर परिश्रम करते हुए प्रतिस्पर्धा के इस दौर में लक्षित रहकर केंद्रित प्रयास

करने का भी आह्वान किया ताकि वे एक सफल भविष्य की नींव रख सकें। उन्होंने अभिभावकों से भी आग्रह किया कि वे पूर्ण जिम्मेवारी से बच्चों को कड़ी मेहनत के लिए प्रेरित करें, क्योंकि उनके पहले गुरु माता-पिता ही होते हैं और बच्चों को भी उनका सम्मान करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रौद्योगिकी के इस युग में संस्कारित एवं स्वस्थ वातावरण प्रदान करना बच्चों के भविष्य के लिए आवश्यक है। इसके लिए अभिभावकों और शिक्षकों को सामूहिक प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा कि नशे जैसी कुरीतियों के प्रति सतर्क एवं सजग रहते हुए बच्चों को एक बेहतरीन भविष्य प्रदान करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों को खेलों तथा अन्य गतिविधियों में भी सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित करें, ताकि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास हो सके और वे नशे आदि से दूर रहें। इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए अमर उजाला समूह को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में अपनी अलग पहचान कायम करने वाला यह समूह स्वतंत्र एवं तटस्थ पत्रकारिता के लिए जाना जाता है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता के साथ-साथ अमर उजाला समूह द्वारा छात्रों का उत्साहवर्धन करने का यह पुण्य का कार्य प्रशंसनीय है और इससे विशेष तौर पर ग्रामीण स्तर पर छात्र-छात्राओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का एक मंच उपलब्ध हुआ है और अन्य छात्र भी इससे प्रोत्साहित होते हैं। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा आधुनिक समय की मांग है और हमारी सरकार गुणात्मक शिक्षा मुहैया करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के स्कूलों में मिल रही गुणात्मक शिक्षा से प्रदेश के बच्चों का भविष्य संवर रहा है। जय राम ठाकुर ने कहा कि हिमाचल प्रदेश के अस्तित्व में आने से लेकर अब तक प्रदेश ने शिक्षा के क्षेत्र में आशातीत प्रगति की है। हिमाचल साक्षरता दर में देश के अग्रणी राज्यों में शुमार है। बच्चों की पढ़ाई पर कोई असर न पड़े इसके लिए ऑनलाइन पढ़ाई की व्यवस्था की गई।

शाजापुर पुलिस सार्वजनिक स्थलों पर बढ़ा रही जागरूकता, चलाया जा रहा चेतना अभियान

एनसीआर समाचार

मध्य प्रदेश शाजापुर जिले में चेतना अभियान के तहत पुलिस सभी को जागरूक कर रही है। प्रदर्शनी में पोस्टर लगाकर साइबर क्राइम से बचने की भी जानकारी दी जा रही है। वहीं सांस्कृतिक गरबा महोत्सव स्थल पर भी पुलिस ने प्रदर्शनी लगाई है। एसपी जगदीश डावर ने बताया कि जिले में लोगों को जागरूक करने का अभियान लगातार जारी है। हाल ही में मुख्यमंत्री ने चेतना अभियान शुरू किया था। इस अभियान के तहत पुलिस सभी को जागरूक कर रही है। उन्होंने बताया कि इसी के साथ प्रदर्शनी भी लगाई जा रही है जिसमें पोस्टर लगाकर साइबर क्राइम से बचने की जानकारी दी जा रही है। साथ ही मानव दुर्व्यापार क्या है, इसके बारे में भी बताया जा रहा है। पुलिस लोगों को नशे के दुष्प्रभाव के बारे में भी बताया जा रहा है और अपराधों की रोकथाम को लेकर उन्हें पूरी जानकारी दी जा रही है। जिले में पुलिस ने चेतना अभियान के तहत एसपी जगदीश डावर के निर्देशन में तथा एएसपी टी.एस. बघेल के मार्गदर्शन में महिला सेल के समन्वयक, कोतवाली, लालघाटी, यातायात थानों में चेतना अभियान के तहत प्रशिक्षण, बैठक नुक्कड़ नाटक आदि कार्यक्रम आयोजित किये गये है।

यातायात पुलिस द्वारा स्थानीय बस स्टैण्ड पर बस चालकों, ऑटो चालकों की बैठक आयोजित की गई। नगर के स्थानीय माँ राजराजेश्वरी माता मंदिर प्रांगण में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से व थाना कोतवाली के पिछड़े बस्ती इलाकों में पोस्टर के माध्यम से मानव दुर्व्यापार के अपराधों के संबंध में जागरूक किया गया।

हरियाणा नारनौल में हुआ विश्व पशु कल्याण दिवस शिविर का आयोजन

एनसीआर समाचार

हरियाणा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, नारनौल के अध्यक्ष रजनीश बंसल, जिला एवं सत्र न्यायाधीश नारनौल के दिशा निर्देशानुसार व प्राधिकरण की सचिव अंजली जैन, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी के मार्गदर्शन में विश्व पशु कल्याण दिवस के उपलक्ष्य में नारनौल गौ सेवा मंडल युवा साथी ग्रुप के सहयोग से जागरूकता शिविर व सवामणी का आयोजन अनाथ गौशाला नजदीक हैफेड मिल नारनौल में किया गया। इस अवसर पर पैनल अधिवक्ता अजय कुमार पांडेय ने पशु सेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि, विश्व पशु कल्याण दिवस प्रतिवर्ष 4 अक्टूबर को मनाया जाता है। यह दिन असीसी के सेंट फ्रांसिस का जन्मदिवस भी है, जोकि जानवरों के महान संरक्षक थे। इस दिवस का मूल उद्देश्य विलुप्त हुए प्राणियों की रक्षा करना और मानव से उनके संबंधो को मजबूत करना था। साथ ही पशुओं के कल्याण के संदर्भ विश्व पशु कल्याण दिवस का आयोजन करना था। विश्व पशु कल्याण दिवस का मूल उद्देश्य पशु कल्याण मानकों में सुधार करना और व्यक्तियों, समूह एवम संगठनों का समर्थन प्राप्त करना और जानवरों के प्रति प्यार प्रकट करना ताकि उनका जीवन सक्षम ओर बेहतर हो सके। इस कारण से यह दिवस स्पशु प्रेमी दिवसरके रूप में जाना जाता है। उन्होंने कहा कि, पशु कल्याण के लिए अनेकों कानूनों और अधिनियमो की भी व्यवस्था की गयी है। भारत में पशुओं की सुरक्षा के लिए जानवरों के प्रति क्रुरता की रोकथाम अधिनियम 1966 को लाया गया। अजय कुमार पांडेय ने बताया कि ग्रुप दवारा विभिन्न गौशालाओं में पशुओं के लिए सवामणी का आयोजन किया जाता हैं। आज 111वीं सवामणी का आयोजन ग्रुप के दवारा किया गया है। उन्होंने बताया कि, ग्रुप दवारा अनाथ व बीमार गायों के लिए चारे के साथ उपचार की व्यवस्था की जाती हैं।

उत्तर प्रदेश में दर-दर भटक रहा पीड़ित पत्रकार का परिवार, नहीं हो रही दबंगों की गिरफ़्तारी

एनसीआर समाचार

उत्तर प्रदेश जनपद फतेहपुर के सदर कोतवाली क्षेत्र के सैय्यदवाड़ा का जहां पर 13 सितंबर को दिन में 3 दबंगों ने पत्रकार, पत्रकार की पत्नी और सास को बुरी तरीके से मारापीटा इतना ही नहीं पत्रकार की पत्नी के साथ छेड़खानी व अश्लील हरकतें भी की। मगर सोचने वाली बात तो यह है कि जब प्रशासन एक पत्रकार की सहायता नहीं कर सकता तो आम जनमानस के साथ क्या न्याय करते होंगे। फतेहपुर सदर कोतवाली पुलिस ने दिखावे के लिए मुकदमा पंजीकृत कर मेडिकल करवा दिया और 161 का बयान दर्ज दिया। फिर 164 का बयान माननीय न्यायालय फ़तेहपुर में करवा दिया, लेकिन हमलावर को अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया। हमारे तेज तर्रार कोतवाली प्रभारी अमित मिश्रा के रहमों करम पर चौकी थाने में बैठकर तीनों दबंग जिनके नाम गुड्डू उर्फ रिहान, रिजवान, मोहम्मद नदीम यह तीनों पुराने अपराधी किस्म के माफिया है। रिजवान पुत्र मुनीर खान एक बहुत बड़े तांत्रिक और ढोंगी बाबा है। इनका काम है भोली भाली जनता को अपने जाल में फंसा कर धर्म परिवर्तन करवाना, यह काफी दिनों से करवाता चला रहा है, पर भोली भाली जनता को अपने जाल में फंसा कर उनसे रुपया लेना, इसका पुराना काम है। अगर बात की जाए तो रिजवान बाबा के पास धर्मांतरण का काम होता है। उस धर्मांतरण करवाने में से एक आरोपी रिजवान भी है रिजवान ने काफी भोली भाली जनता को खासतौर महिलाओं को अपनी ढोंग का शिकार बनाया है, पर प्रशासन को इसका ढोंग नहीं दिखता।

जब पीड़ित प्रशासन से अपनी न्याय की मांग करती है तो उसको जवाब कहा जाता है या आपसी मामला है अपने आप खत्म कर लो। थाना कोतवाली पुलिस इनको कोतवाली बुलाकर आराम से ऑफिस में बैठा कर बात करती है, लेकिन उस दबंग के ऊपर अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई या प्रशासन कोई बड़ी दुर्घटना का इंतजार कर रही है। इसे लिए पीड़ित परिवार ने कह दिया है कि अगर उस परिवार के साथ कुछ भी घटना घटित होती है, तो इसके जिम्मेदार कोतवाली पुलिस और चौकी पुलिस होगी। प्रशासन को पीड़ित ने खुलकर बताया कि गुड्डू रिजवान व नदीम वाह गुड्डू रिजवान के अन्य दोस्तों से उनकी परिवार को जान-माल का खतरा है और यह साजिश रचने वाला कोई और नहीं है। यही दोनों भाई हैं गुड्डू और रिजवान और इसके कुछ सफेदपोश दोस्त मिलकर पत्रकार को और पत्रकार के परिवार को जान से मारने की साजिश रच रहे हैं और इन दोनों ने मिलकर कई लोगों के घर बर्बाद किए हैं। गुड्डू इतना बड़ा भूमाफिया है कि कई ग्राम समाज की जमीन कई गरीबों के घर हड़प कर खा लिया। इसकी भूमि की अगर जांच कराई जाए तो इसके कई पुराने काले चिट्ठे निकलेंगे।

बलिया के युवा साहित्यकार आनंद पांडेय का नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में होगा दर्ज

एनसीआर समाचार

उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के रेवती ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले एक छोटे से गांव महा धनपुर के युवा साहित्यकार आनंद पांडे को बुलंदी साहित्यिक सेवा समिति पंजीकृत राष्ट्रीय स्तर संस्था की ओर से आयोजित विश्व के सबसे लंबे चलने वाले अंतर्राष्ट्रीय वर्चुअल कवि सम्मेलन में सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त हुआ, जिसमें इन्होंने 3 सितंबर दिन (शनिवार) को रात्रि 12:00 बजे से 4:00 बजे ब्रम्ह मुहूर्त की पावन बेला में अपनी मधुर

आवाजों से स्वरचित काव्य पाठ किया एवं देश व विदेश के प्रतिभागियों साहित्यकारों से खूब वाहवाही लूटी इन्होंने पूर्व में भी कई साहित्यिक आयोजनों में अपनी सहभागिता प्रदान की और अपने समाज एवं बलिया जिले का नाम रोशन किया है। ये बहुत ही मध्यम वर्गीय परिवार से ताल्लुक रखते है इनके उपलब्धियों पर सगे संबंधियों भारत सहित कनाडा, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया इत्यादि देशों के मशहूर साहित्यकारों ने गीतकार आनंद पांडेय को हार्दिक बधाई एवं अनंत शुभकामनाएं दी हैं। आनंद पांडेय एक साहित्यकार होने के साथ-साथ समाजसेवी और पत्रकारिता में भी अपना समय व्यतीत करते हैं। यह बहुत ही अनुशासित, सिद्धांतवादी, सहयोगी, समाजसेवी एवं बहुत ही मृदुभाषी इंसान हैं। इस वर्चुअल कवि सम्मेलन में भारत सहित नेपाल, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया जर्मनी, अमेरिका, न्यूजीलैंड, सिंगापुर दुबई, मारीशस, सऊदी अरब, ओमान सहित विश्व के 35 देशों के हिंदी भाषी साहित्यकारों को शामिल किया गया है। यह कार्यक्रम 300 घंटे से ज्यादा समय से अनवरत चलता आ रहा है एवं इस अंतरराष्ट्रीय विश्व कवि सम्मेलन का सीधा प्रसारण बुलंदी के यूट्यूब चैनल के साथ-साथ हिंदी टाइम्स मीडिया कनाडा द्वारा साथ ही अमेरिका, कनाडा, न्यूजीलैंड एवं ऑस्ट्रेलिया के स्थानीय चैनलों पर लाइव प्रसारण किया जाएगा।

जालोर में महिलाओं को दी गई अनाथ बच्चों के पालन पोषण व शिक्षा से जुड़ी जानकारी

एनसीआर समाचार

राजीव गांधी युवा मित्र कानाराम सिंघल ने ग्राम पंचायत दयालपुरा के अंतर्गत मादरी गांव में जनसंवाद करते हुए राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं व पालनहार योजनाओं की जानकारी दी सिंघल ने बताया कि, पालनहार योजनाओं में अनाथ बच्चों के पालन पोषण शिक्षा आदि की व्यवस्था संस्थागत नहीं की जाकर समाज के भीतर ही बालक/ बालिका के निकटतम रिश्तेदार/ परिचित/ व्यक्ति/वयस्क भाई अथवा बहन को पालनहार बनाकर उनकी देखभाल एवं पालन पोषण हेतु आर्थिक सहायता दी जाती है। पालनहार योजना 2005 में प्रारम्भ की गई पालनहार परिवार की वार्षिक आय 1.20 लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। पालनहार परिवार आवेदन तिथि से कम से कम 3 वर्ष अधिक से राजस्थान में निवास कर रहा हो एवं बालक /बालिका अधिकतम आयु 18 वर्ष से कम होनी चाहिए। पालनहार योजना में अनाथ श्रेणी 0-6से आयु वर्ग के बच्चों की दिनांक 1अप्रेल 2022 से500 से 1500 रुपये प्रतिमाह अनुदान राशि एवं अनाथ श्रेणी के अतिरिक्त 0-6वर्ग के बच्चों के 500 एवं 6 से 18 वर्ष 1000 रुपये प्रतिमाह अनुदान राशि मिलती है।

उज्जैन में महाकाल लोक का लोकार्पण कार्यक्रम 11 अक्टूबर को प्रधानमंत्री मोदी द्वारा होगा सम्पन्न

एनसीआर समाचार

उज्जैन में "महाकाल लोक" का लोकार्पण कार्यक्रम 11 अक्टूबर को प्रधानमंत्री द्वारा किया जायेगा। इस कार्यक्रम को समारोह के रूप में पूरे प्रदेश में मनाया जायेगा।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देश पर कलेक्टर अविनाश लवानिया द्वारा जिले के प्रमुख मंदिरों के अध्यक्ष एवं पुजारियों के साथ बैठक कर इस कार्यक्रम को समारोह के रूप में मनाने के लिए सभी नागरिकों से सहयोग की अपेक्षा की है। कलेक्टर लवानिया ने जिले के सभी एसडीएम को निर्देश दिए कि अपने अनुभाग में स्थित सभी मंदिरों में महाकाल लोक लोकार्पण कार्यक्रम का प्रसारण करने के लिए स्क्रीन की व्यवस्था की जाए साथ ही मंदिर के पुजारियों, अध्यक्षों और समिति के सदस्यों के साथ बैठकर रूपरेखा तैयार करें और मंदिरों में कार्यक्रम के लिए अपेक्षित सहयोग भी प्रदान करें। बैठक में कलेक्टर लवानिया ने कहा कि, जिले के सभी मंदिरों में महाकाल लोक के लोकार्पण अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। उन्होंने कहा कि प्रमुख मंदिरों में भव्य

कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। लवानिया ने कहा कि मंदिरों की साफ सफाई, रंगाई पुताई और रोशनी भी की जाए। प्रत्येक मंदिरों में वाद्य यंत्र एवं रंगोली सजाई जाए। लवानिया ने कहा कि 11 अक्टूबर को महाकाल लोक के लोकार्पण के अवसर पर घर घर दीप जलाए जायें। उन्होंने कहा कि, समाज के लोगों को प्रेरित किया जाए कि मंदिरों में धार्मिक कार्यक्रम करके अधिक से अधिक लोगों को इस कार्यक्रम से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि, रमहाकाल लोकर का लोकार्पण के अवसर पर शाम 4 बजे से मंदिरों में शंखनांद किया जाये। झंडे, बैनर, से प्रचार प्रसार किया जाये। मंदिरों में भजन मंडलियों की प्रस्तुति, प्रभात फेरी और हवन इत्यादि किए जाएं। उन्होंने कहा कि, एक व्हाट्सएप ग्रुप तैयार किया जायेगा जिसमें मंदिर कार्यक्रम के सभी फोटोग्राफ- वीडियो अपलोड किए जायें। कलेक्टर लवानिया ने जिले के मंदिरों के पुजारियों, अध्यक्षों और समिति सदस्यों से उज्जैन में महाकाल लोक का लोकार्पण कार्यक्रम के अवसर पर जिले में धार्मिक त्यौहार जैसा वातावरण निर्मित करने का अनुरोध किया। बैठक में उपस्थित जिले के प्रमुख मंदिरों के पदाधिकारियों ने कार्यक्रम को भव्य रूप से मनाने की सहमति प्रदान की। बैठक में नगर निगम आयुक्त केवीएस चौधरी कोलसानी, अपर कलेक्टर दिलीप यादव, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ऋतुराज सिंह और जिले के समस्त एसडीएम उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

गोंडा में बढ़ते बाढ़ जलभराव से ग्रामीणों में मचा हाहाकार, घर छोड भाग रहे ग्रामीण

उत्तर प्रदेश गोण्डा जिले के आस पास कई गांव में भारी बारिश के वजह से जल भराव इतना बढ़ गया है कि, गांवों के लोग घर छोड़ कर भागने लगे हैं। गोण्डा जिला के सिसई, माफी, तेली, पुरवा कुर्मी, पुरवा बराइन, पुरवा दुमचीपुर, निगोह, पंडरी, सविता आदि सैकड़ों गांवों में लगातर जल स्तर बढ़ता जा रहा है। गांव के लोगों का कहना है कि, इस बिसहुई नदी में नहर का पानी छोड़ दिया है, जिस कारण इतना जल भराव हुआ है और गांव के लोग घर छोड़ कर भाग रहें है। अगर नहर का पानी बन्द नहीं किया गया, तो ये पूरा गांव बाढ़ में बह जाएगा। प्रशासन इस विषय पर जल्द कार्यवाही करे जिससे जनता को राहत मिल सके।

मध्य प्रदेश बड़झर में मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान के अंतर्गत शिविर का आयोजन

इन्द्रमेन मार्को

मध्य प्रदेश सुड़गांव विकास खण्ड मोहगांव अंतर्गत ग्राम पंचायत बड़झर में लगाए गए शिविर मप्र प्रशासन के निर्देशानुसार 'मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान' अंतर्गत 17 सितंबर से जिले में जन कल्याणकारी कार्यक्रमों के आयोजन प्रारंभ हो गए हैं। इन कार्यक्रमों में मुख्य रूप से हितग्राही मूलक योजनाओं में हितलाभ वितरित किए जाएंगे। प्रथम चरण 18 सितम्बर से 30 सितंबर तक तथा द्वितीय चरण 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक होगा। आज ग्राम पंचायत बड़झर में शिविर आयोजित किया गया जो हितग्रहियों ने अपने अपने आवेदन पत्र जमा किया गया, जोकि शिविर में आज 39 आवेदन प्राप्त किया गया। जन अभियान परिवार से नवांकुर संस्था प्रमुख बृजलाल आर्मो ग्राम पंचायत सरपंच संतु लाल कुलस्ते, उपसरपंच सरिता सरोते, मोबिलाइजर कुमारी कला भवेदी पंचायत सचिव मनीराम मार्को, रोजगार सहायक भजन लाल परते एवं समस्त ग्रामवासियो ने शिविर में उपस्थित हुए।

उत्तर प्रदेश के बुलन्दशहर SP श्लोक कुमार द्वारा जवानों से कराई गई परेड

उत्तर प्रदेश बुलन्दशहर पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने 7 अक्टूबर को पुलिस लाइन ग्राउंड पर सभी पुलिस कर्मियों की परेड करा कर सलामी ली। उसके बाद कर्मचारियों का टर्न आउट चेक करके परेड में शामिल सभी गाड़ियों का निरीक्षण किया। गाड़ियों पर तैनात पुलिस कर्मियों को सजगता एवं जनता से सद् व्यवहार करने हेतु निर्देश दिया। साथ ही वाहनों को समय समय पर चेकिंग करने को कहा। पुलिस लाइन की समस्त शाखाओं मैस, वस्तु भण्डार, आर्मरी, कैंटीन, जीडी कार्यालय, परिवहन शाखा, आदि सहित आवासीय परिसर का निरीक्षण कर पुलिस लाइन परिसर को स्वच्छ रखने पर ज़ोर दिया।

जोधपुर की बेटी पूरे देश में मचा रही धमाल, 10 हजार से ज्यादा सांग्स हो चुके हैं पूरे

राजस्थानी और हिंदी फिल्मों की अभिनेत्री रेखा मेवाड़ा जो अभी नागौर हरियाणा, बिलाड़ा, जोधपुर, दिल्ली, हिसार और भटिंडा में अपने नृत्य का धूम मचा रही हैं और इसका वीडियो वायरल हो गया है। वायरल हुए सॉन्ग अभी धूम मचा रहे हैं। सॉन्ग का नाम हमारे अन्नू धोको देगी रे यह सॉन्ग इंस्टाग्राम युटुब फेसबुक पर और बड़े-बड़े प्रोग्रामों में धूम मचा रहा है, ले ले ले फोटो, तेरे मंदरिया में या बोले कोयलड़ी रेखा मेवाड़ा नाम इनका 10,000 एल्बम बना चुकी हैं और अब यह गोरी नागोरी को टक्कर देने वाली हैं। एक मेवाड़ा राजस्थानी और साउथ फिल्मों की एक्टर जाने-माने अभी हरियाणा और राजस्थान में धूम मचा रही है। बड़े से बड़े स्टेज पर बहुत जल्दी दिखने वाली हैं। राजस्थान की अभिनेत्री और जोधपुर की लाडली पर लोगों का प्यार इसी तरह बना रहे और सपोर्ट बना रहे। उसके साथ उसकी मम्मी उर्मिला मेवाड़ा का पूरा सपोर्ट है।

लखीमपुर एसपी संजीव ने फ़र्ज़ी नियुक्ति हुए सिपाहियों को किया सेवा मुक्त

उत्तर प्रदेश लखीमपुर खीरी पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन ने थाना क्षेत्र गोला में तैनात दो सिपाही संदीप और नीरज को निलम्बित कर दिया है। भगनपुर थाना मुंशीगंज जनपद अमेठी के रहने वाले नीरज और संदीप ने पुलिस विभाग में भर्ती होने के उद्देश्य से आयु कम कराकर कूटरचित अभिलेखों के आधार पर हाईस्कूल व इण्टरमीडिएट पुनः परीक्षा उत्तीर्ण करी इन्ही अभिलेखों के आधार पर दोनों सिपाहियों को भर्ती होने का दोषी पाया गया। पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन ने बताया दोनों के विरूद्ध शिकायत प्राप्त होने पर जांच करवाई गई थी।

सागर में पेट्रोल पंप संचालक एंव वाहन विक्रेताओं की हुई मीटिंग

मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के निर्देशों का पालन करवाने हेतु पुलिस प्रशासन द्वारा बिना हेलमेट वाहन चालकों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही करने हेतु कार्य योजना तैयार की गई है। इसी तारतम्य में पुलिस कंट्रोल रूम सागर में आरटीओ गौतम डीएसपी ट्रैफिक, मयंक सिंह चौहान के साथ पुलिस अधीक्षक तरुण नायक के निर्देशानुसार जिले के पेट्रोल पंप संचालक एवं दोपहिया वाहन विक्रेताओं के साथ मीटिंग की गई है, जिसमें निर्णय लिया गया है कि सभी पेट्रोल पंप संचालक बिना हेलमेट किसी भी दो पहिया वाहन में पेट्रोल नहीं देंगे व दोपहिया वाहन विक्रेता वाहन विक्रय के समय आवश्यक रूप से हेलमेट भी साथ में विक्रय करेंगे। हेलमेट लगाने की अपील भी वाहन विक्रेताओं से करेंगे ज्ञात हो कि उच्च न्यायालय द्वारा दो पहिया वाहन चालक एवं यदि कोई दूसरा व्यक्ति बैठता है। उसको भी हेलमेट लगाना अनिवार्य किया गया है।

मध्य प्रदेश में भव्यता के साथ निकाला गया मां बिरासिनी का ऐतिहासिक जवारा जुलूस

कलचुरी कालीन माता बिरासनी मंदिर का आज नवमी मनाई गई, जिसमें बड़ी भव्यता के साथ लाखों हजारों की संख्या में श्रद्धालु भक्तों ने माता बिरासनी के दर्शन पूजन अर्चन करते हुए अपनी अपनी मनोकामनाओं के लिए मन्नत मांगी, तो वहीं जिले के कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव ने बिरासिनी मंदिर के जवारा जुलूस निकलने के पहले शाम 4:00 बजे माता महाकाली के वैदिक मंत्र उपचार के साथ पूजन अर्चन एवं कन्या भोज करा कर माता बिरासनी का जवारा जुलूस भव्यता के साथ बिरासिनी मंदिर प्रांगण से निकाला गया। जोकि पाली नगर के प्रकाश चौराहा, बस स्टैंड से होते हुए पाली नगर का भ्रमण कर के साईं मंदिर से घूम कर बाबू लाइन से होते हुए पाली के सगरा तालाब में विसर्जन किया गया।

विधायक ने मुस्तफाबाद विस.का किया दौरा

सलमान थानवी

उत्तर पूर्वी दिल्ली के मुस्तफाबाद विधानसभा में आम आदमी पार्टी के क्षेत्रीय विधायक हाजी युनुस ने दौरा कर क्षेत्र के हालात का जायजा लिया और नगर निगम प्रशासन और केंद्र कि शासित एमसीडी भाजपा पर काफी आलोचना कर प्रतय आरोप लगाए और सफाई व्यवस्था को लेकर काफी चिंतित हुए, जिससे क्षेत्र में काफी गंदगी फैली हुई हैं। आने जाने वालों को कड़ी मश्कतों का सामना करना पड रहा हैं, जिससे क्षेत्र काफी गंभीर बीमारियों से प्रभावित हो रहा हैं। परिवार में काफी लोग बीमार पड़ रहे हैं और केंद्र कि एमसीडी शासित नगर निगम भाजपा सरकार कोई कारवाहाई नही कर रही हैं। आगे उन्होंने कहा है कि स्वच्छता सर्वेक्षण देखते हुए और शहर में सफाई-व्यवस्था बदहाल है। लगातार सर्वेक्षण में मुस्तफाबाद का प्रदर्शन खराब ही हुआ है, लेकिन इसके बाद भी कोई सबक नहीं लिया

है। जगह-जगह गंदगी अम्बार लगे हैं, नाले-नालियों में भी गंदगी हैं और सार्वजनिक-सामुदायिक शौचालय का हाल भी बुरा है। ऐसे में सवाल है कि कैसे सर्वेक्षण में हमारा क्षेत्र अच्छा प्रदर्शन प्राप्त करेगा। आगे उन्होंने कहा कि, डेंगू चिकनगुनिया वायरस जैसी बीमारियों का खतरा काफी हद तक क्षेत्र में मंडरा रहा हैं, क्योंकि सफाई व्यवस्था दुरुस्त होने के कारण काफी गलियों एवं नालियों में कूड़े के कारण पानी रुख गया हैं, जिससे क्षेत्र में साफ दिख रहा हैं की बिमारी का फैलना और भी जायदा हो गया हैं। मुस्तफाबाद विधानसभा के आम आदमी पार्टी विधायक हाजी युनुस ने कहा है, घर के आसपास जमा पानी जहां मच्छरों की बस्तियां बसने के लिए योग्य स्थान होता है। वहीं घर में रखा कूलर भी मच्छरों को पनपने में मदद करता है। मच्छरों से बचने का एकमात्र उपाय है मच्छरदानी में सोना और घर के आसपास फालतू पानी जमा न होने देना। आप और हमारी जिम्मेवारी है की सफ़ाई व्यवस्था का खयाल रखें और घर का कूड़ा नजदीकी कूड़े घर में डाले और सफाई व्यवस्था अभियान का हिस्सा बने और सफाई व्यवस्था को लेकर हम लोग प्रयास करते रहेंगे और नगर निगम को क्षेत्र के हालात का मुआयना कराते रहेंगे और नगर निगम से फोंगिंग और वायरस को खत्म करने वाली दवाई का भी क्षेत्र में प्रयोग कराएंगे। इसके लिए आम जनता ने उनका आभार व्यक्त किया और उनसे क्षेत्र की सफाई व्यवस्था लेकर जल्द से जल्द निपटारा हो और हमारा परिवार सुरक्षित जीवन का आनंद ले सके इस मांग को विधायक जी के आगे रखा। इस पर विधायक जी ने आम जनता को अस्वास्न दिया जल्द ही समस्याओं का हल होगा। आगे उन्होंने महात्मा गांधी जी के विचार को रखा हैं स्वच्छ और हरित भारत स्वच्छ भारत अभियान- बाहरी जो एक नई विंडो में खुलती है का उद्देश्य केवल आसपास की सफाई करना ही नहीं है अपितु नागरिकों की सहभागिता से अधिक-से अधिक पेड़ लगाना, कचरा मुक्त वातावरण बनाना, शौचालय की सुविधा उपलब्ध कराकर एक स्वच्छ भारत का निर्माण करना है। देश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए स्वच्छ भारत का निर्माण करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। अस्वच्छ भारत की तस्वीरें भारतीयों के लिए अक्सर शर्मिंदगी की वजह बन जाती है इसलिए स्वच्छ भारत के निर्माण एवं देश की छवि सुधारने का यह सही समय एवं अवसर है। यह अभियान न केवल नागरिकों को स्वच्छता संबंधी आदतें अपनाने बल्कि हमारे देश की छवि स्वच्छता के लिए तत्परता से काम कर रहे देश के रूप में बनाने में भी मदद करेगा। आप लोग संघर्ष करते रहो सफ़ाई व्यवस्था अभियान को लेकर युवाओं को जागरूक करो और अपने क्षेत्र कि सफ़ाई व्यवस्था को उजागर करो और आगे उन्होंने कहा है कि भारत को साफ-सुथरा देखना महात्मा गांधी का सपना था। गांधी जी हमेशा लोगों को अपने आस-पास साफ-सफाई रखने को बोलते थे। जो आज हम सब इस को मिलकर साकार करेंगे।

जिलाधिकारी ने की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों की समीक्षा

एनसीआर समाचार

उत्तर प्रदेश औरैया जिलाधिकारी प्रकाश चन्द्र श्रीवास्तव ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक कर अधिकारियों से जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों को दिलाये और छूटे हुए पात्र लाभार्थियों का चयन कर उन्हें भी लाभान्वित कराये। उन्होंने कहा कि जन कल्याणकारी योजना के लाभ से कोई भी पात्र व्यक्ति वंचित न रहने पाए। उन्होंने कहा कि, सरकार की मंशानुरूप योजनाओं का लाभ प्रत्येक जरूरतमंद पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाए, जिससे योजनाओं का उद्देश्य पूर्ण हो और जरूरतमंदों को उसका लाभ मिल सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार की योजनाओं को मात्र कागजी न बनाया जाए, बल्कि उनको

धरातल पर संचालित करें। इसके लिए किसी भी स्तर पर बरती गई लापरवाही/शिथिलता के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों की जिम्मेदारी निर्धारित करते हुए उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। बैठक में पुलिस अधीक्षक चारू निगम, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रेखा एस चौहान, मुख्य विकास अधिकारी अनिल कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी न्यायिक अब्दुल बासित, अपर पुलिस अधीक्षक शिष्य पाल, उप जिलाधिकारी सदर मनोज कुमार, उप जिलाधिकारी उपस्थित रहे।

हिमाचल प्रदेश राज्यपाल ने ताबो में सेव दिवस एवं किसान मेले में किसानों से किया संवाद

एनसीआर समाचार

हिमाचल प्रदेश राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने आज लाहौल-स्पीति जिला के ताबो स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र में 'सेब दिवस एवं किसान मेले में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की तथा किसानों के साथ सीधा संवाद किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यहां के किसानों ने परम्परागत कृषि पद्धति को अभी भी संरक्षित रखा है जो हम सभी के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि, कुल्लू दशहरे के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनसे प्रदेश में प्राकृतिक खेती के बारे में जानकारी ली है। राज्यपाल ने बताया कि प्रधानमंत्री ने उनसे इस दिशा में विशेष प्रयास करने को कहा ताकि हिमाचल प्रदेश प्राकृतिक खेती में देश के अग्रणी राज्य के रूप में उभर

सके। उन्होंने किसानों से इस दिशा में आगे आने और आने वाली पीढ़ियों को भी प्रेरित करने का आह्वान किया। राज्यपाल ने कहा कि जनजातीय जिलों में प्राकृतिक खेती कर रहे किसानों के अनुभवों से अन्य लोगों को भी प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती अपनाने वाले किसानों को सरकार और प्रशासन की ओर से हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी। इस अवसर पर राज्यपाल ने 40 लाख रुपये की लागत से निर्मित आदर्श खाद्य प्रसंस्करण इकाई का लोकार्पण भी किया। इस इकाई में सेब और अन्य स्थानीय फसलों के उत्पाद तैयार किए जाएंगे। इस इकाई के माध्यम से किसानों और स्वयं सहायता समूहों को काफी लाभ मिलेगा। इससे किसान बेहतर उत्पाद बनाने और इन्हें कम से कम समय में बाजार तक पहुंचाने में सक्षम होंगे। राज्यपाल ने केंद्र के परिसर का भी निरीक्षण किया और सेब की फसल की जानकारी हासिल की। उन्होंने 'पिति शिंगपा' पुस्तक का विमोचन भी किया। इससे पहले डॉ. यशवंत सिंह परमार औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेश्वर चंदेल ने राज्यपाल का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि फसलों में इस्तेमाल होने वाले कीटनाशकों का स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है। उन्होंने किसानों से प्राकृतिक कृषि पद्धतियों को ही अपनाने का आग्रह किया और कहा कि इससे पर्यावरण को भी बचाया जा सकता है। इस अवसर पर क्षेत्र के किसानों ने राज्यपाल के साथ अपने अनुभव भी साझा किए। राज्यपाल ने कार्यक्रम में प्रगतिशील किसानों को सम्मानित भी किया।

मोहगांव में दो दिवसीय जनजातिय सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

इन्द्रमेन मार्को

मध्य प्रदेश सुड़गांव शासन मंडला जिले के विकासखंड मोहगांव मुख्यालय में आयोजित हुई सांस्कृति विभाग एवं जनजातीय लोक एवं कला एवं बोली विकास अकादमी मध्य प्रदेश संस्कृति परिषद के निर्देशानुसार जनपद पंचायत मोहगांव में वनवासी चरित्रों पर आधारित दो विशिष्ट लीलाओं पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। गुरुवार को सायं 6 बजे से भक्तिमती शबरी लीला आर. एस. भगत विकासखंड शिक्षा अधिकारी मोहगांव आर. एस. कुशवाहा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत

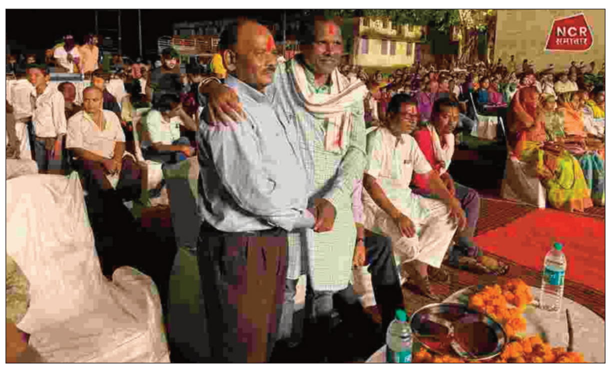

मोहगांव की बड़ी ही लापरवाही प्रशासन की वनवासी लीला में शिक्षा विभाग एवं जनपद विभाग अधिकारी के द्वारा मुख्य अतिथि को आमंत्रण कर के किया गया शर्मिंदा किया गया। जनता के लिए नहीं की गई पानी की व्यवस्था। शासकीय उत्कृष्ट उच्च माध्यमिक विद्यालय मोहगांव में राम वनवास, सीता हरण, राम केवट संवाद व भरत मिलाप की लीला का मंचन हुआ। जनपद पंचायत मोहगांव अध्यक्ष गत सिंह भवेदी, उपाध्यक्ष शिव कुमार मिश्रा, जिला पंचायत सदस्य शिव पुशाम, जनपद सदस्य बोध सिंह मरकाम, महेंद्र मरकाम, हल्कू सिंह परस्ते, ज्योति मार्को, प्रेमलता उइके, गोंदिया बाई परस्ते समस्त जनपद सदस्य हसीब खान, रूपेंद्र खडगरे भाजपा मंडल अध्यक्ष, राजाराम चक्रवर्ती अनुज कछवाहा आकाश चक्रवर्ती सुजीत कछवाहा, देवराज कछवाहा दुर्गा अग्रवाल सरपंच कमलेश कोकाड़िया, रम्मू कुलस्ते रामकिशोर, मोहगांव प्राचार्य नारायण भवेदी एवं जनप्रतिनिधि इस मौके पर एस एल मरकाम थाना प्रभारी मोहगांव पुलिस प्रशासन भी ग्रामीण क्षेत्रों की जानता भी मौजूद रहे।

महाराजगंज कोयला डार बांध दे रहा खतरे का संकेत, बारिश ने ढाया कहर

एनसीआर समाचार

उत्तर प्रदेश महाराजगंज धानी ब्लाक के नगवा और कोयला डार बांधो में ग्राम कमनहा टोला तेलियाडिह बांधा पूर्णत छत्र ग्रस्त हो गए हैं। बड़े बड़े होल हो गए हैं और बड़े बड़े गड्ढे अभी तक कोई किसी प्रकार का मिट्टी से नहीं पटा गया है। इसके जिम्मेदार सिंचाई विभाग हैं। बारिश में हुएं बड़े बड़े गड्ढे की सुधि सिंचाई विभाग नहीं ले रहा हैं, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं हो सकता है। आवागमन में भी लोगों को काफी परेशानी हो रही हैं, इसी बंधो नगवा, कमन्हा तेलियाडीहा से भी अपने

विद्यालय कमन्हा में बच्चे स्कूल अपने स्कूल अपने साधन से जाते है जिससे उन्हें भी जान जोखिम में डालकर जाना पड़ता है। गड्ढे इतने बड़े हैं कि अगर उसमें कोई भी व्यक्ति गिरता है, तो गम्भीर रूप से चोटिल या जान भी जा सकतीं हैं। इस ना तो गम्भीरता से ग्राम प्रधान और ना ही कोई और जनप्रतिनिधि और ना ही सम्बन्धित अधिकारी ही सुधि ले रहे हैं।

8 अक्टूबर को अजमेर में किया जाएगा पैलेस ऑन व्हील का ट्रायल टूर

एनसीआर समाचार

विश्व की शाही रेल गाड़ियों में सम्मिलत पैलेस ऑन व्हील का शनिवार 8 अक्टूबर को ट्रायल दूर से शुभारंभ किया जाएगा। आरटीडीसी के सचिव मनीष फौजदार ने बताया कि आरटीडीसी द्वारा संचालित पैलेस ऑन व्हील्स के ट्रायल टूर का राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जयपुर से हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ करेंगे। पैलेस ऑन व्हील 8 अक्टूबर को सायं 6 बजे अजमेर रेलवे स्टेशन पहुंचेगी। रेलवे स्टेशन अजमेर पर राजस्थान पर्यटन निगम विकास निगम के अध्यक्ष एवं राज्यमंत्री श्री धमेर्ंद्र राठौड़, जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं समाजसेवी कार्यकर्ताओं द्वारा ट्रेन का भव्य स्वागत कर गरिमा पूर्ण विदाई दी जाएगी। उन्होंने बताया कि, शाही रेलगाड़ी पैलेस ऑन व्हील 8 अक्टूबर को अजमेर से उदयपुर के लिए रवाना होगी। उदयपुर से सवाई माधोपुर पहुंचेगी। पैलेस ऑन व्हील का नियमित टूर 12 अक्टूबर को दिल्ली से प्रारंभ होगा। पैलेस ऑन व्हील मेंपर्यटकों के लिए सुंदर सजावट और राजपूताना संस्कृति से सुसज्जित 14 डिब्बे है। इसमें लगभग 82 मेहमानों को भ्रमण कराया जा सकता है। यूनेस्को की सूची में शामिल विश्व धरोहर स्थलों एवं अन्य स्मारकीय संरचनाओं का भ्रमण कराया जाएगा। पैलेस ऑन व्हील दिल्ली से प्रारंभ होकर जयपुर, अजमेर, जोधपुर, जैसलमेर, चित्तौड़गढ, रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान, उदयपुर, भरतपुर पक्षी अभयारण्य एवं आगरा जैसे स्थानों को कवर करते हुए एक शाही यात्रा 8 दिन एवं 7 रात का कार्यक्रम प्रदान करेगी। इसके लिए देशी एवं विदेशी पर्यटकों में भारी उत्साह देखा जा रहा है।

सीएम ने 6.45 करोड़ से निर्मित राज्य कृषि विपणन बोर्ड कांप्लेक्स का किया लोकार्पण

एनसीआर समाचार

हिमाचल प्रदेश मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने आज यहां खलीणी में 6 करोड़ 45 लाख रुपये की लागत से निर्मित हिमाचल प्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड के कांप्लेक्स का लोकार्पण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि, इस भवन की आधारशिला वर्तमान प्रदेश सरकार के कार्यकाल में उनके द्वारा ही वर्ष 2020 में रखी गई थी और आज यह भवन पूरी तरह बनकर तैयार हो गया है। उन्होंने कहा कि, प्रदेश सरकार किसानों और बागवानों के उत्थान तथा उनकी फसल उत्पादकता को बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है, ताकि उनकी आर्थिकी को सुदृढ़ किया जा सके। उन्होंने कहा कि, प्रदेश के किसानों और बागवानों को उनकी

उपज का उचित मूल्य दिलवाने के लिए राज्य कृषि विपणन बोर्ड सराहनीय कार्य कर रहा है। प्रदेश सरकार कृषि विपणन बोर्ड के माध्यम से किसानों-बागवानों को उनकी उपज को बेचने के लिए आधारभूत सुविधाएं एवं सेवाएं उपलब्ध करवा रही है। उन्होंने कहा कि, राज्य सरकार ने लगभग 242 करोड़ रुपये की लागत से प्रदेश में नई सब्जी मंडियों का निर्माण और पुरानी मंडियों का विस्तार किया है। उन्होंने कहा कि, प्रदेश में कोल्ड स्टोर बनाने पर विशेष बल दिया जा रहा है। कोल्ड स्टोर्स के माध्यम से भी किसानों-बागवानों को लाभ पहुंचाया जा रहा है। जय राम ठाकुर ने कहा कि किसानों को उनकी उपज के उचित दाम मिले और फसल बेचने के लिए अपने क्षेत्र के नजदीक ही सुविधा मिल सके, इस दिशा में सरकार ने प्रभावी कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि, अनेक स्थानों पर छोटे सब्जी संग्रहण केंद्र और मार्केट यार्ड बनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि, कृषि विपणन बोर्ड के अन्तर्गत जिला स्तर पर कुल 10 मंडियां क्रियाशील हैं और उपमंडियों के माध्यम से भी किसानों को विपणन सुविधा प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि कृषक कल्याण को सर्वोच्च अधिमान देते हुए राज्य सरकार कृषि को प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए खाद, उपकरण और बीज खरीदने पर उपदान दे रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में कृषकों के उत्थान के लिए कृषि से सम्पन्नता योजना, कृषि उत्पादन संरक्षण योजना, मुख्यमंत्री ग्रीन हाउस नवीकरण योजना जैसी योजनाएं भी चलाई की जा रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

धूम धाम से मनाया गया दशहरा, शोरती में 30 फीट लंबे रावण के पुतले का हुआ दहन

राजस्थान मनोहर थाना क्षेत्र के शोरती में कोरोना के दो साल बाद दशहरे पर रावण के पुतले का दहन देखने सैकड़ों की तादात में ग्रामीण लंका मैदान पहुंचे। करीब 30 फीट के रावण के पुतले का दहन किया गया। आपको बता दे कि, पुलिस प्रशासन की ओर से भी लंका मैदान पर खासे इंतजाम देखने को मिले सूर्यास्त होते होते रावण के पुतले का दहन होने के साथ ही राम की जय और रावण का नाश हो के गगन भेदी जयकारे लगाए जाने लगे। लंका मैदान पटाखों की आवाज से गूंज उठा और दहन के बाद इस बार आकाशीय आतिशबाजी का भव्य नजारा देखने को मिला। वहीं बंजरंग दल के कार्यकर्ताओं द्वारा अलग अलग तरीके के अखाड़ा करतब दिखाए गए। रावण बनाने वाले कलाकार सत्यनारायण प्रजापति ने बताया कि, मैं सन 2005 से रावण बना रहा हूँ, ये 19वां रावण है। पहला रावण मैंने मिट्टी का बनाया था उस समय रावण की लंबाई 10 फीट थी, इस साल रावण की लंबाई 30 फीट की है।

गोरखपुर प्राणी उद्यान का निरीक्षण करने पहुंचे सीएम योगी आदित्यनाथ

उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को गोरखपुर स्थित शहीद अशफ़ाक उल्ला (प्राणी उद्यान) का औचक निरीक्षण करने गए। वहां मौजूद कर्मचारियों से सभी जीव जंतुओं के स्वास्थ्य संबंधित जानकारी ली। उसके बाद उन्होंने मेरठ के ग्राम भगवानपुर बांगर के जंगल से रेस्क्यू कर लाई गई मादा शावक और बिजनौर के जंगल से रेस्क्यू कर लाई गई दूसरी मादा शावक को अपने हाथ से दूध पिलाया एवं उनका नाम चंडी और भवानी रखकर प्राणी उद्यान डाक्टरों से उन शावकों को ध्यान रखने हेतु निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने सभी आए हुए लोगों से जीव जंतुओं के संरक्षण हेतु योगदान की अपील की।

उत्तर प्रदेश दिबियापुर में धूमधाम से हुआ मां दुर्गा का विषर्जन एवं विशाल भंडारा

उत्तर प्रदेश दुर्गा पूजा के आखिरी दिन बुधवार को दिबियापुर के पांडालों में स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमा को विसर्जन के लिए विदा किया गया। सिंदूर खेला और भव्य आरती के साथ दुर्गा पूजा का समापन हुआ। शोभायात्रा निकालकर मां के जयकारे लगाए। वहीं कई लोग भावुक भी दिखे। दिबियापुर के बड़ी सब्जी मंडी में दुर्गा मंदिर में महामाई सेवा समिति द्वारा आयोजित दुर्गा पूजा के मौके पर आज सुबह 11 बजे विसर्जन पूजा की गई, जिसमें भक्तों ने एक दूसरे पर गुलाल लगाया सभी भक्तों द्वारा विसर्जन पूजा की गई। इसके बाद सुबह 11:00 बजे शोभायात्रा निकाली गई। विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया। इस मौके पर गौरव गुप्ता महेश कुशवाहा सोनू गुप्ता अर्जित पोरवाल ऋषि शर्मा छोटे सोनी अनमोल पोरवाल मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश के अनूपशहर में दशहरा के त्यौहार पर निकाली गई भव्य शोभा यात्रा

उत्तर प्रदेश अनूपशहर विजयदशमी पर्व के उपलक्ष में काली मां और खाटू श्याम की भव्य शोभा यात्रा का आयोजन हुआ। अच्छाई की जीत बुराई का अंत हुआ छोटीकाशी अनूपशहर में नर्दिश्वर महादेव अखाड़ा के संरक्षक अवधेश गर्ग खलीफा के नेतृत्व में खाटू श्याम शोभा यात्रा रॉबिन भारद्वाज, शुभम गुप्ता, राजू सैनी के नेतृत्व में भव्य शोभायात्रा का आयोजन हुआ। शोभा यात्रा बांकेलाल ताल काली मां मठ से तैयार होकर नगर के मुख्य मार्गो से होकर चामुंडा मंदिर पर संपन्न हुई। दूसरी तरफ नगर के मोहल्ला आहार गेट स्थित चामुंडा रेती में राम लक्ष्मण हनुमान ने अहंकारी रावण का वध करके समाज को संदेश दिया है। इस कार्यक्रम की शांति सुरक्षा के लिए बीके गुप्ता उप जिलाधिकारी अनविता उपाध्याय पुलिस क्षेत्राधिकारी यद्दत शर्मा पुलिस प्रभारी निरीक्षक महावीर सिंह, गौतम पुलिस क्राइम इंस्पेक्टर संदीप कुमार एसएसआई प्रवीण कुमार, एसआई भारी पुलिस के साथ मौजूद रहे कार्यक्रम की व्यवस्था में सौरव वार्ष्णेय, विकास गर्ग, शुभम गुप्ता, भूरा आदि ने सहयोग किया।

दिबियापुर दुष्कर्म मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने किया बड़ा खुलासा, हत्या की पुष्टि

उत्तर प्रदेश के दिबियापुर में बीते सोमवार की सुबह थाना दिबियापुर क्षेत्र के अंतर्गत शौच के लिए गई एक गांव निवासी नाबालिग किशोरी की बाजरा के खेतों में लाश मिलने के मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने यह स्पष्ट किया है कि मृत किशोरी के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम नहीं दिया गया, बल्कि उसकी हत्या ही हुई है। अब सवाल यह उठता है कि किशोरी की हत्या आखिर किसने और क्यों की ? इसके लिए पुलिस की अलग-अलग कई टीमें लगातार घटना के खुलासे में जी जान से जुटी हुई हैं। वहीं मंगलवार को प्रशासनिक अधिकारी व भारी पुलिस फोर्स की मौजूदगी में गमगीन माहौल में किशोरी का अंतिम संस्कार कर दिया गया। वहीं कांग्रेस के जिलाध्यक्ष शिववीर दुबे, संतोष भदौरिया, एहसान मोहम्मद, शोभित त्रिपाठी आदि कांग्रेसियों संग मृत किशोरी के संस्कार में पहुंचे। उन्होंने प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों से बातचीत करते हुए मामले के निष्पक्ष एवं शीघ्र खुलासे की बात कही तो वहीं पीड़ित परिवार के प्रति संवेदनायें व्यक्त करते हुए उन्हें हर संभव मदद का आश्वासन दिया। इस दौरान एसडीएम बिधूना लवगीर कौर, सीओ सिटी सुरेंद्र नाथ आदि अधिकारियों समेत भारी पुलिसबल व सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश खीरी में प्रसाशन द्वारा चलाया जा रहे ट्रैक्टर-ट्राली चेकिंग अभियान के तहत ट्रैक्टर चालक का कटा चालान

उत्तर प्रदेश थाना हैदराबाद पुलिस द्वारा संजीव सुमन के निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक महोदय के निकट पर्यवेक्षण में संपूर्ण जनपद में चलाए जा रहे, ट्रैक्टर-ट्राली चेकिंग अभियान के अंतर्गत थाना हैदराबाद पुलिस द्वारा ग्राम तकिया में रोड पर एक ट्रैक्टर चालक पृथ्वीपाल पुत्र कुंवर निवासी ग्राम हिकमतनगर थाना गोला जनपद खीरी को टेढेनाथ से मुण्डन संस्कार कराकर ट्राली में पुरुष, महिलाओं एवं छोटे बच्चों सहित कुल 93 सवारियों को बैठाकर वापस अपने गाँव हिकमतनगर लाते समय चेकिंग के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर व चालक द्वारा मौके पर ट्रैक्टर-ट्राली से सम्बन्धित कोई प्रपत्र प्रस्तुत न करने पर ट्रैक्टर-ट्राली को धारा 207 एमवी एक्ट के अंतर्गत सीज किया गया है। साथ ही पुलिस द्वारा ट्राली में बैठे व्यक्तियों की सुरक्षा के दृष्टिगत सभी सवारियों को उतरवाकर भविष्य में ट्रैक्टर-ट्राली में बैठकर सफर न करने की हिदायत देते हुए उचित साधन की व्यवस्था करवाकर सभी को उनके गंतव्य स्थान पर भिजवाया गया।

सीएम जय राम ठाकुर की अध्यक्षता में मंत्रिमण्डल की बैठक संपन्न

एनसीआर समाचार

हिमाचल प्रदेश मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर की अध्यक्षता में आज यहां प्रदेश मंत्रिमण्डल की बैठक आयोजित की गई। मंत्रिमंडल ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) को चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान के लिए शीर्ष संस्थान के रूप में कार्य करने, स्पेशियलिटी एवं सुपर स्पेशियलिटी स्तर की चिकित्सा सेवाओं में नोडल संस्थान के रूप में कार्य करने और चिकित्सकों, नर्सों तथा स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के प्रशिक्षण के लिए प्रशिक्षण केंद्र के रूप में कार्य करने तथा अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन आयोजित करने और चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए सुविधाएं प्रदान करने के लिए राज्य सरकार और केंद्र सरकार के बीच समझौता ज्ञापन के

प्रारूप को मंजूरी प्रदान की। बैठक में कांगड़ा जिला के राजकीय उच्च विद्यालय खोली, ठाकुरद्वारा और बांदल और कुल्लू जिला के राजकीय उच्च विद्यालय चौंग और शाट को राजकीय वरिष्ठ वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला और कुल्लू जिला की राजकीय माध्यमिक पाठशाला तांदी, पाशी, टिंडर और माशना, कांगड़ा जिला की राजकीय माध्यमिक पाठशाला धमेड़ तथा मण्डी जिला की राजकीय माध्यमिक पाठशाला देवीदड़ को राजकीय उच्च पाठशालाओं में स्तरोन्नत करने का निर्णय लिया। बैठक में मंडी जिला की राजकीय प्राथमिक पाठशाला ओखली, टिक्की और भरेचीनाल को राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में स्तरोन्नत करने तथा आवश्यक पदों को सृजित कर भरने का निर्णय लिया गया। मंत्रिमण्डल ने कांगड़ा जिला की राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला बीरता और बौहड़ क्वालू में विज्ञान और वाणिज्य की कक्षाएं शुरू करने तथा आवश्यक पदों को सृजित कर भरने को स्वीकृति प्रदान की। बैठक में कुल्लू जिला की राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला शियाह में वाणिज्य एवं गणित की कक्षाएं आरंभ करने तथा आवश्यक पदों को सृजित कर भरने को भी स्वीकृति प्रदान की। मंत्रिमण्डल ने मण्डी जिले के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला भाटकीधार में विज्ञान की कक्षाएं आरंभ करने तथा आवश्यक पदों को सृजित कर भरने का निर्णय लिया। बैठक में कुल्लू जिला की राजकीय प्राथमिक पाठशाला घोड़ीगाड़ को राजकीय माध्यमिक पाठशाला और राजकीय माध्यमिक पाठशाला नलहाच को राजकीय उच्च पाठशाला में स्तरोन्नत कर आवश्यक पदों को सृजित कर भरने को स्वीकृति प्रदान की।

शाहदरा में नगर निगम ने दिल्ली को प्रदूषण से बचाने के लिए किया कार्य

सलमान थानवी

उत्तर पूर्वी दिल्ली के जिला शाहदरा में नगर निगम एमसीडी प्रशासन एवं गण मान्य अधिकारी और कर्मचारी गण ने मिलकर सराहनीय कार्य किया, जिससे आम जनता को प्रेरित किया है कि हम सब का परिवार मिलकर किस तरह से वातावरण को प्रदूषित होने से बचाया जा सकता है। हम लोग किस तरह से शुद्ध वातावरण का आनंद ले सकते हैं और हम समाज को होने वाली नुकसान दायक सामग्री को सही जगह पर रखेंगे तो हमारा जीवन कई वर्ष आगे बढ़ जाएगा और हम एक अच्छे विकल्प से समाज को बुराई से बचा पाएंगे। अधिकारियों ने कहा है कि पौधा लगाने से पहले वहां जगह तैयार करना आवश्यक है जहां वह विकसित होगा। किसी प्रकार का प्रदूषण से बचने के लिए यदि थोड़ा सा भी उचित दिशा में प्रयास करें तो वातावरण को पर्यावरण से बचाया जा सकता है। सर्वप्रथम हमें जनाधिक्य को नियंत्रित करना होगा। जिला शाहदरा नगर निगम प्रशासन के अधिकारियों ने कहा है कि नदियों को स्वच्छ रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। नदियां हमारी प्यास बुझाती हैं, नदियों को हम पूजते हैं। इसलिए नदियों को स्वच्छ रखना हमारी जिम्मेदारी बनती है।

नदियों को प्रदूषण मुक्त रखने के लिए हमें प्लास्टिक की थैलियां, बोतल या अन्य सामग्री नदियों में या उनके किनारे नहीं फेंकना चाहिए। इससे कचरा उड़कर नदियों में चला जाता है। नदियों को साफ रखना चाहिए। नदियों में सिर्फ मिट्टी की ही मूर्तियां विसर्जित करनी चाहिए। मूर्तियों में प्राकृतिक रंगों का प्रयोग करें। उद्योगों का रसायन मिला पानी, सीवरेज का पानी नदियों में नहीं जाना चाहिए। मान्यता है कि गंगा पापों को धो देती है। इसलिए लोग शवों को नदी में बहा देते हैं। इससे नदी प्रदूषित हो जाती है। नदियों को प्रदूषण मुक्त रखने के लिए सभी को जागरूक होना है।

नौरोजाबाद में भव्यता के साथ निकाला मां दुर्गा का ऐतिहासिक विसर्जन जुलूस

एनसीआर समाचार

मध्य प्रदेश उमरिया जिले के नौरोजाबाद में ऐतिहासिक दुर्गा विसर्जन बड़ी धूमधाम से मनाया गया, जिसमें नौरोजाबाद के 30 दुर्गा पंडालों में उत्साह के साथ विसर्जन हेतु नौरोजाबाद के मुख्य मार्गो से होते हुए, रामलीला ग्राउंड बस स्टैंड पीपल चौक साईं मंदिर, हनुमान मंदिर, पांच नंबर होते हुए मुख्य मार्गो से मां दुर्गा का ऐतिहासिक विसर्जन जुलूस निकाला गया। बड़ी संख्या में लोग मां दुर्गा की अंतिम दर्शन के लिए रोड के किनारे एकत्र हुए एवं प्रसाद ग्रहण करके मां को नमन किया है। आपको बता दें कि, उमरिया जिले में नौरोजाबाद की दुर्गा पंडाल सबसे

ऐतिहासिक मानी जाती है एवं यहां दूरदराज से लोग आकर मां दुर्गा के इस 9 दिन में दर्शन एवं ऐतिहासिक दशहरे के दिन विसर्जन हेतु मां को नमन करते हुए मां की छवि अपने आंखों में बसा लेते हैं।

विसर्जन के पश्चात राम लीला ग्राउंड में नौरोजाबाद की सबसे मूर्ति डेकोरेशन चल समारोह एवं अन्य भागों में प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान दिया जाता है।

अजमेर के शिया समुदाय ने नवासा-ए-रसूल की याद में मनाया अलविदाई मातम

एनसीआर समाचार

अजमेर में निकटवर्ती ग्राम दौराई में बुधवार को शिया समुदाय के लोगों ने नवासा-ए-रसूल की याद में अलविदाई मातम मनाया।

मातम के दौरान अकीदतमंद इमाम हुसैन की याद में दहकते हुए अंगारों पर चले और जंजीर, कमा, ब्लेड से खूनी मातम किया। कार्यक्रम की पहली मजलिस सुबह आठ बजे दरगाह हजरत अब्बास पर शुरु हुई, जिसे मौलाना आबिद हुसैन साहब ने खिताब फरमाया। इसके बाद बनी असद का मंजर पेश किया गया। दूसरी मजलिस रोजा ए ईमाम हुसैन

(अन्दर वाली मस्जिद) में सुबह 10 बजे शुरु हुई, मौलाना गजन्फर अब्बास साहब की तकरीर के बाद शबीहे ताबूत 18 बनी हाशिम की जियारत करवाई गई। हुसैनिया बाबुल मुराद में मौलाना मेंहदी जैदी साहब कि तकरीर के बाद अंतिम मजलिस मे कर्बला से मदीने के सफर का मंजर पेश करते हुए अमारी का जुलूस निकाला गया।

शाम 5 बजे तक सैकड़ों की संख्या में बच्चे, बड़े, बुजुर्गों ने नवासा-ए-रसूल की याद में दहकते हुए अंगारों पर चलकर मातम किया। इसके बाद जंजीर, कमा, ब्लैड से शरीर को लहुलुहान करते हुए खिराजे अकीदत पेश की गई। कार्यक्रम के अंत में अकीदतमंदों को लंगर तकसीम किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन अंजुमने शहीदाने फुरात, अंजुमने जाफरिया विकास समिति व अंजुमने फाताहे फुरात के तत्वावधान में आयोजित किया गया। इस मौके हजारों की संख्या में अकीदतमंद मौजूद थे। देर रात 8 बजे ग्राम स्थित हुसैनीया मशहदी मस्जिद में अन्जुमने जाफरया विकास समिति के तत्वावधान में जश्ने ईद-ए-जेहरा का कार्यक्रम शुरु हुआ।

मिलादुन्नबी के जुलूस में 500 वालंटियर देंगे सेवाएं

एनसीआर समाचार

अजमेर जश्ने ईद मिलादुन्नबी के मौके पर निकलने वाले जुलूस की व्यवस्था में 500 वॉलंटियर अपनी सेवाएं देंगे। इसके लिए सुफी इंटरनेशनल द्वारा सभी स्वयंसेवकों को आईडी कार्ड उपलब्ध कराए जा रहे है। सूफी इंटरनेशनल के सचिव नवाब हिदायत उल्ला ने बताया कि, रविवार को प्रातः 10:00 प्रारंभ होने वाले जुलूस में हजारों अकीदतमंद शामिल होंगे जुलूस में सभी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित रहें। इसके लिए समाज के युवाओं को जोड़ा गया है जुलूस के दौरान यातायात, लंगर, पार्किंग, तथा जुलूस मार्ग को सुचारू रखने के लिए वॉलिंटियर की टीमों का गठन किया गया है। इसके लिए लगभग 500 युवाओं ने व्यवस्था करने की जिम्मेदारी ली है। सभी वॉलिंटियर्स को आईडी कार्ड शुक्रवार रात्रि 9:00 बजे मोइनिया हॉल घसेटी बाजार में वितरित किए जाएंगे। साथ ही अलग-अलग दलों का गठन कर सबको जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी। जुलूस में किसी प्रकार का व्यवधान ना हो इसके लिए वीडियोग्राफी कराई जाएगी। साथ ही ड्रोन से भी जुलूस पर नजर रखी जाएगी जिससे किसी अनहोनी से बचा जा सके। शहर काजी मौलाना तौसीफ अहमद सिद्दीकी ने कहा कि, मोहम्मद साहब ने अपने जीवन काल में सभी को मोहब्बत और इंसानियत का पैगाम दिया यही वजह है कि आज पूरी दुनिया में सभी धर्मों के लोग

उनकी शिक्षाओं की रोशनी में अपनी जिंदगी में उतार कर अपने देश और समाज का विकास कर रहे हैं। हमें भी यही नियम अपने जीवन में उतारना चाहिए और अपने पड़ोसियों का ख्याल रखते हुए उनके हर दुख दर्द में काम आना चाहिए। उन्होंने कहा कि, जिस प्रकार से जुलूस का आयोजन किया जा रहा है उसमें भी इंसानियत का पैगाम दिया जाएगा और सभी से मोहब्बत से पेश आने की शिक्षा दी जाएगी। उन्होंने सभी से अपील की है कि ईद मिलादुन्नबी के जुलूस में शिरकत करें और मोहम्मद साहब की बताई हुई बातों पर अमल करते हुए एकता का परिचय दें ऐसी कोई बात ना किजाए जो इन्सानियत के विरुद्ध हो।

ओडिशा में दुर्गा पूजा समिति की ओर से किया गया मां दुर्गा पंडाल का आयोजन

एनसीआर समाचार

दुर्गा पूजा समिति डेलांग की ओर से इस बार डेलांग हाट बाजार पूजा घर में पंडाल निर्माण किया गया। इस वार विराजमान मुर्ति की तर्ज पर मां दुर्गा व अन्य प्रतिमाएं तैयार हुआ था। शारदीय नवरात्र के चार दिन शक्ति की अधिष्ठात्री देवी जगदंबा परांबा मां दुर्गा के दर्शन-पूजन के लिए कतार लगी। मइया की जयकार से डेलांग इलाका गूंजता रहा। दिन में तो श्रद्धालुओं ने देवी मां की दर्शन-पूजन के लिए आते रहे परंतु शाम से लेकर देर रात तक महिलाओं और किशोरीओं के जुटान क्रम भारी मात्रा में जारी रहा। शास्त्रीय मान्यता है कि जब पाप के प्रतीक महिषासुर के घोर अत्याचार से नर, मुनि और देव त्राहि त्राहि पुकारे तब देवी सबके संताप नाशने हेतु दुर्गा मां के स्वरुप में अवतार ली। देवी मां के दर्शन से पाप एवं दुखों से छुटकारा मिल जाता है यह विश्वास लेकर मां के दर्शन-पूजन करने के लिए श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से पधारे। पूजा पंडाल से आसपास के क्षेत्र में मेला सा दृश्य देखने को मिला। खासकर पूजन सामग्री की दुकानदारों के कारोबार अच्छा रहा। महिलाओं एवं किशोरिओं के घेरे में चाट और गोलगप्पे बेचनेवालों को फुर्सत नहीं मिली। पुरी जिला के अन्य प्रान्त में भी दुर्गा पूजा हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। पुरी सहरी इलाका सहित चंदनपुर, साक्षीगोपालऔर कोणार्क बाजार में दुर्गा पूजा को लेकर उत्साह रहा।

नारायण सेवा संस्था द्वारा भव्य रामलीला का आयोजन

एनसीआर समाचार

भगवान नारायण सेवा संस्था द्वारा श्रीकृष्णा ड्रामेटिक क्लब अनाज मंडी के द्वारा आदर्श सनातन धर्म ड्रामेटिक क्लब के तत्वाधान में भगवान राम का विजय जुलूस शहर के प्रमुख मार्गो से होता हुआ शोभा सागर तालाब पहुंचा। रामलीला के प्रधान वासुदेव सिंघल ने बताया कि, रास्ते में कई भक्तों ने भगवान राम के तिलक करके तथा उनकी आरती करके भगवान का स्वागत किया। आजाद चौक में सभी भक्तों द्वारा फूलों की बारिश करके भगवान राम की सवारी का स्वागत किया। ऐसा लगता है कि मानो सभी देवता भगवान राम का स्वागत कर रहे हो। उसके बाद चामुंडा देवी मंदिर ट्रस्ट द्वारा भगवान राम की सवारी का भव्य आरती के साथ स्वागत किया जाता है। ऐसा लगता है मानो स्वयं जगदंबा मां प्रभु राम जी का स्वागत

कर रही हो। भगवान परशुराम सेवा समिति द्वारा किला रोड पर भगवान राम की आरती उतारी तथा प्रसाद वितरण किया। विजय जुलूस शोभा सागर पहुंचा जहां पर लीला का बड़ा सुंदर मंचन हुआ लक्ष्मण राम जी से आज्ञा लेकर रावण से युद्ध करने जाता है। लक्ष्मण और रावण में भयंकर संवाद और युद्ध होता है, रावण लक्ष्मण को मूर्छित कर देता है, तब राम जी खुद की सौगंध रखकर लक्ष्मण को कहते हैं कि, लक्ष्मण पहले तो हनुमान जी बूटी ले आए थे तब तुम्हारे प्राण बच गए थे अब मैं क्या करूंगा, तुम्हें मेरी कसम है तब लक्ष्मण एकदम से खड़े हो जाते हैं, फिर राम और रावण में भयंकर युद्ध होता है। अंत में रामलीला के पात्र रावण कहते हैं कि हे प्रभु मैं तो एक पात्र हूं असली रावण तो वहां पर है तब चारों तरफ आतिशबाजी होती है और हजारों लोग लीला को देखने के लिए खड़े होते हैं और फिर रावण का पुतला जलाया जाता है। चारों तरफ जय श्रीराम के नारे लगते हैं और अधर्म पर धर्म की तथा बुराई पर अच्छाई की विजय होती है। वहां से भगवान राम की सवारी वापिस स्टेज पर आती है और वहां पर भी रामलीला के कलाकारों द्वारा रावण मारने की लीला का मंचन किया जाता है लीला को नहीं विराम दिया जाता है, राम-नवीन सिंघल, लक्ष्मण-भारत भूषण गर्ग, हनुमान- योगेश कौशिक, सुग्रीव- ध्रुव वर्मा, रावण- सोनू शर्मा, राज कमंडल- पप्पी छक्कड़, सूर्यनारायण -मनोज निर्मल, नल- पार्थ कंछल, नील- कनिष्क कोहली, अंगद- अरविंद सैनी, जामवंत- बालवीर, विभीषण- विकास बडेसरा, स्टेज डांसर- सतीश बेदी, मंच संचालक- भारत भूषण तायल, फोटोग्राफर- मुकेश आदि कलाकारों ने अपनी कला से सबका मन मोह लिया संजय गौड़, दीपक सेन, राहुल वर्मा ने सभी पात्रों का बड़ा ही मनमोहक मेकअप किया ऐसा लग रहा था मानो भगवान साक्षात रामलीला स्टेज पर आ गए हो रामलीला मंचन में प्रधान -वासुदेव सिंघल सचिव -मनोज निर्मल, कोषाध्यक्ष -विजय जैन, फोन संयोजक- अशोक भाटा, अनूप भाटा, विकास कटारिया, सुशील चौटाला, जोगिंदर शर्मा, संजय वर्मा, संजय दुलगच, विष्णु, योगेश कौशिक, होशियार, अरविंद सैनी, मुकेश शर्मा, संजय गौड़, सिंघल, तायल, भारत भूषण कंछल, वासुदेव, गौरव सिंघल, महावीर, ईशान मित्तल, पप्पी छक्कड़, मुलायम, जगदीश बिल्ला, सत्यनारायण भगत, बीरन आदि सभी रामलीला परिवार के सदस्यों का सहयोग रहा।

संक्षिप्त समाचार

सीतापुर में पैसे की वसूली पर निकले व्यक्ति की हत्या से परिवार गहरे सदमे में

सुभाष चंद्र

उत्तर प्रदेश के जिला सीतापुर थाना पिसावा के बकाया पैसा वसूलने निकले अधेड़ का नदी में तैरता मिला शव। परिजनों ने युवा पर लगाया हत्या का आरोप थाना कुल्हा गोमती नदी में तैरता हुआ मिला। मृतक के परिजनों ने एक युवक पर हत्या की आकांक्षा जताई है। पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेज दिया है बताते चले कि पिसावा थाना क्षेत्र के ग्राम कोतोअपुर निवासी सिकंदर उम्र 45 वर्ष पुत्र माथऊरी काशी गोमती नदी में तैरता मिला। खबर लगते ही मौके पर पहुंची सिकंदर की पत्नी आरती व साली शशि ने बताया कि, एक हफ्ता पहले सिकंदर ने अपनी कुछ जमीन संजय पुत्र बदले निवासी कुल्हा के हाथ भेजी थी, जिसका रुपया बकाया था गुरुवार की सुबह संजय घर आकर सिकंदर को रुपए देने की बात कहते हुए अपनी बाइक से लेकर चला गया। देर शाम तक घर वापस नहीं आया तब संजय की तलाश की गई, लेकिन उसका पता नहीं चला परिजनों ने इसकी लिखित शिकायत थाने पर कि शुक्रवार को सिकंदर का शव मिलने के बाद परिजनों ने हत्या की आशंका जताई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया है।

मध्य प्रदेश के सुड़गांव में सामाजिक सम्मेलन कार्यक्रम का हुआ आयोजन

इन्द्रमेन मार्को

मध्य प्रदेश सुड़गांव गढ़ा मंडला जिले के विकास खण्ड मोहगांव ग्राम आमाटोला (सुडगांव)के फड़ापेन ठाना में कलश स्थापना के उपलक्ष्य में गोंडवाना महासभा ब्लॉक शाखा मोहगांव के तत्वावधान में सामायिक सांस्कृतिक शैक्षणिक बौद्धिक भाषा रीति नीति और आर्थिक उद्देश्यों को लेकर सामाजिक सम्मेलन का कार्यक्रम सम्पन्न किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि तिरु बोधसिंह मरकाम जनपद सदस्य विशिष्ठ अतिथि तिरु गुलजार, पदम पूर्व जनपद अध्यक्ष एव रम्मू कुलस्ते, अध्यक्ष सरपंच संघ हल्कू सिंह, परस्ते जनपद सदस्य सुखदीन मलगाम, पूर्व सरपंच ग्राम पंचायत सुड़गांव एव आयोजक दल नर्मदा सर्व सहायता समिति आमाटोला के द्वारा आयोजन किया गया, जिसमें बालिकाओं के द्वारा गोंडी गीतों पर शानदार नृत्य प्रस्तुत किया गया, जिसका ग्रामवासी मातृ पितृशक्तियों एव ने भरपूर आनंद लिया। जिसमें वक्ताओं द्वारा अपने उद्बोधन में समाज को शैक्षणिक आर्थिक सामाजिक जैसे तमाम विषयों पर प्रकाश डाला गया।

सुसनेर जिला में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा निकाला गया पथ संचलन

मध्य प्रदेश सुसनेर जिला आगर मालवा में 5 अक्टूबर को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सेवको द्वारा प्रतिवर्ष विजयादशमी के पावन पर्व पर पथ संचलन निकाला जाता है जो सुसनेर नगर के मुख्य मार्गो से होते हुए इस वर्ष भी निकाला गया तथा नगर वासियो द्वारा जगह जगह पथ संचलन का स्वागत किया गया। अधर्म पर धर्म की विजय के इस पर्व पर राष्ट्र प्रेंम एवं राष्ट्र सेवा का संकल्प लिया गया औऱ सरस्वती शिशु विद्या मंदिर स्कूल में कार्यक्रम का समापन हुआ।

हरदोई शाहाबाद DSP हेमन्त उपाध्याय ने प्रभु श्रीराम बारात का किया स्वागत

उत्तर प्रदेश हरदोई थाना क्षेत्र पाली नगर में शारदीय नवरात्रि पर्व पर रात्रि को नगर में प्रभु श्रीराम बारात निकाली गई। इस भव्य शोभा यात्रा में नगर के हजारों लोग शामिल होकर पुण्य के भागी बने शारदीय नवरात्रि अश्विन के चंद्र माह में मनाई जाती है। इस मौके पर भक्त नौ दिन तक उपवास भी रखते हैं। माँ दुर्गा के नौ रूपों की नौ दिन तक पूजा होती है। नगर की शोभा बढ़ा रही बारात रीति रिवाज से चल रही थी सुरक्षा में तैनात पुलिस टीम का निरीक्षण करने गए शाहाबाद DSP हेमन्त उपाध्याय ने पुष्प माला पहनाकर प्रभु श्रीराम बारात का स्नेह पूर्वक स्वागत किया।

भारतीय सेना का चीता हेलीकॉप्टर तवांग में हुआ दुर्घटनाग्रस्त

एक रक्षा प्रवक्ता से मिली तजा जानकारी के मुताबिक भारतीय सेना का एक चीता हेलीकॉप्टर बुधवार यानी आज सुबह चीन की सीमा के पास अरुणाचल प्रदेश के तवांग जिले में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें एक पायलट की मौत हो गई। आपको बता दें, रक्षा प्रवक्ता कर्नल एएस वालिया के कहे मुताबिक यह घटना सुबह करीब 10 बजे एक अग्रिम क्षेत्र में नियमित उड़ान के दौरान घटित हुई। उन्होंने बताया कि, विमान में सवार दो पायलटों को उपचार के लिए नजदीकी सैन्य अस्पताल ले जाया गया है। उन्होंने बताया कि, गंभीर रूप से घायल एक पायलट ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। कर्नल वालिया ने बताया कि दूसरे पायलट का इलाज चल जारी है।

उत्तर प्रदेश तुरैहा कश्यप विकास समिति अंबेडकर पार्क में दशहरा पर्व पर शस्त्र पूजन किया गया

उत्तर प्रदेश जिले के मुरादाबाद में दशहरा पर्व पर शस्त्र पूजन किया गया इस अवसर पर समिति के प्रदेश अध्यक्ष डॉ रामेश्वर दयाल तुरेहा ने कहा कि आज हमारे देश की सीमाओं को चारों ओर से दुश्मन देशों से खतरा है। चीन कई किलोमीटर तक हमारे देश में घुस आया है। ऐसे में हमारे देश की सरकार को चाहिए कि, वह अपने देश की रक्षा हेतु अधिक से अधिक शस्त्र भंडारण करें सीमा सुरक्षा बल व सेना आदि को मजबूत करें। शस्त्र पूजन कार्यक्रम में योगेश तुरेहा, रामचंद्र मेहरा, प्रदीप कश्यप राजपूत, मास्टर दिग्विजय सिंह कश्यप, डॉक्टर यशवीर सिंह, डॉक्टर राजकुमार कश्यप टीटू कश्यप, संजीव कश्यप, डॉ मुकेश कश्यप, राजकुमार तुरैहा आदि मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश गोंडा में भारतीय जागृती मिशन द्वारा चलाया गया सर्व शिक्षा अभियान

आओ शिक्षा का अलख जगाएं, हर हाथों में कॉपी कलम थमाए, जिससे कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहने पाए। ये कहना है भारतीय जागृती मिशन के कोषाध्यक्ष डॉ चिन्तामणि साहू का जो पिछले चार वर्षो से ग्रामीण बच्चों को लगातार शिक्षा के लिये प्रोत्साहित करते आ रहे हैं और समय समय बच्चों में आवश्यक पाठन समाग्री भी बांटते आ रहे है, जैसे कॉपी कलम पेन्सिल रबड़ कटर आदि। डॉ साहू का हमेशा से ही शिक्षा पर अधिक ध्यान रहा है। आपको बता दें कि, हर नवरात्रि में डॉ साहू के द्वारा ये कार्यक्रम करते आ रहे हैं।

भिनाय में दलित की हत्या को लेकर गुस्साई भीड़ ने किया धरना प्रदर्शन

एनसीआर समाचार

राजस्थान भिनाय उपखंड की ग्राम पंचायत गुढाखुर्द के ग्राम बगराई स्थित चरागाह में रविवार प्रातः ग्राम अमरपुरा निवासी दलित दुर्गालाल बैरवा के जघन्य हत्याकाण्ड मामले को लेकर मंगलवार को गुस्साएं दलित समाज के लोगों ने कस्बे के वीर बगडावत बस स्टैण्ड के सामने अम्बेडकर सर्किल पर रास्ता जाम कर दिया। जिससे मार्ग के दोनों और जाम लग गया। घटना की जानकारी मिलते ही उपखण्ड अधिकारी प्रभात त्रिपाठी, तहसीलदार श्यामलाल आमेटा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक घनश्याम शर्मा, थानाधिकारी महावीर प्रसाद मीणा व जांच अधिकारी पुलिस उप अधीक्षक रामावतार, नायब तहसीलदार देवलिया कला रमेश सोनी, नायब तहसीलदार बान्दनवाडा राकेश पारीक मय पुलिस जाप्ता के मौके पर पहुंचे। इस दौरान उपखण्ड अधिकारी प्रभात त्रिपाठी व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक घनश्याम शर्मा ने लोगों से समझाईस कर जाम हटाने व मृतक का पोस्टमार्टम करवाने के लिये समझाईश की, लेकिन ग्रामीण नहीं माने। बाद मे भीम आर्मी के गोपीकिशन की समझाईश से लोगों ने रास्ता खुलासा किया, लेकिन थोडी देर में गुस्साएं ग्रामीणों रास्ता पुनः बन्द कर दिया। इस दौरान गुस्साए लोग

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, सचिन पायलट, विधायक राकेश पारीक व कांग्रेस नेता संग्राम सिंह के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे। मामले की नजाकत को देखते हुए मौके पर पुलिस थाना भिनाय, पुलिस थाना सराणा व पुलिस थाना बिजयनगर का अतिरिक्त जाप्ता मंगवाया गया। बाद में दिन में लगभग पौने 3 बजे पुलिस प्रशासन द्वारा ग्रामीणों से सख्ती के साथ समझाईश करने लोगों ने रास्ता खोल दिया, लेकिन अपनी मांगों को लेकर वीर बगडावत बस स्टैण्ड पर धरना प्रारम्भ कर दिया। धरना स्थल पर पहुंचे उपखण्ड अधिकारी प्रभात त्रिपाठी ने जिला कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक चूनाराम जाट के पुलिस थाना भिनाय पहुंचने की जानकारी देते हुए धरने पर बैठे लोगों को 5 लोगों का प्रतिनिधि मण्डल बनाकर जिला कलेक्टर व एसपी से वार्ता करने का न्यौता दिया, लेकिन ग्रामीण दोनों अधिकारियों को धरना स्थल पर ही वार्ता करने के लिये बुलाने पर अडे रहे। बाद में उपखण्ड अधिकारी, नायब तहसीलदार राकेश पारीक द्वारा ग्रामीणों से दोबारा प्रतिनिधि मण्डल भेजने की बात कही। फिर भी ग्रामीण अपनी बात पर अडे रहे। सांय लगभग 4 बजे जयपुर व अजमेर से आए भीमसेना के पदाधिकारियों द्वारा समझाईश करने पर 11 व्यक्तियों के प्रतिनिधि मण्डल द्वारा स्थानीय पुलिस थाना में जिला कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक से समझौता वाता करने की चूनाराम जाट के समक्ष प्रतिनिधि मण्डल ने आर्थिक सहायता दिलाने, परिवार से 1 व्यक्ति को सरकारी नौकरी, मृतक के परिवार को पुलिस सुरक्षा प्रदान करने, मामले को लेकर हुए धरना प्रदर्शन रास्ता जाम में समाज के किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कानूनी व विभागीय कार्यवाही नहीं करने व फास्ट ट्रेक अदालत में मामला चलाकर हत्यारों को शीघ्र सजा दिलाने की मांग की गई।

लम्पी से निजात दिलाने के लिए जय श्री राम चेरीटेबल ट्रस्ट लगातार कार्यरत

एनसीआर समाचार

इस समय भारत में हमारी गायों पर एक लम्पी नाम का बहुत बडा संकट आ चुका है। इस रोग से हमारी गायों को बडी असहनीय पीडा हो रही है। हमारे देश के बडे बडे वैज्ञानिक वैध अनेक महापुरुष इस संकट से गायों को राहत दिलाने के लिये दिन रात लगे हुये है। इस आपदा से गायों की रक्षा करने को जय श्री राम चेरीटेबल ट्रस्ट राता भी दिन रात कार्यरत है। आपको बता दें कि गांव के युवाओं द्वारा व बडे बुजुर्गो के मार्ग दर्शन से जय श्री राम चेरीटेबल ट्रस्ट गठन किया गया और इसे रजिस्ट्रड करवाया गया। जय श्री राम चेरीटेबल ट्रस्ट द्वारा एक दिव्य महापुरुष के मार्गदर्शन में आर्यूवेदिक जडी बूटी द्वारा दवा बनाई जा रही है। यह दवा मल्हम जैसी है लिम्पी के कारण गऊ माता के शरीर पर गांठे हो जाती है और वह गांठे फूट कर घाव का रुप धारण कर लेती, जिसमें कि ध्यान ना दिया जाये तो कीडे भी पड जाते है। जय श्री राम चेरीटेबल ट्रस्ट रात्ता द्वारा यह दवा निःशुल्क दी जाती है। यह दवा घावों पर लगाई जाती है। यह इतनी असर कारक है कि 24 से 48 घण्टे मे घाव को ठीक कर देती है। इस दवा को अब तक 1500 से अधिक गायों पर लगाया जा चुका है, जिसके फलस्वरूप 1329 गाय माता के घाव पूर्ण रूप से ठीक हो चुकी है। आस पास के क्षेत्र जैसे महेन्द्रगढ, नारनौल, नांगल चौधरी, रेवाडी, अलवर, सीकर कॉपर आदि अनेक जगहो के गऊ पशुपालकों को यह दवा दी गई।

नगर निकाय चुनाव अगले आदेश तक स्थगित

एनसीआर समाचार

बिहार में होने वाले नगर निकाय चुनाव को लेकर पटना हाई कोर्ट से जारी आदेश के बाद राज निर्वाचन आयोग ने बड़ा कदम उठाया राज निर्वाचन आयोग ने 10 और 20 अक्टूबर को होने वाले नगर निकाय चुनाव को स्थगित कर दिया है।

राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से कहा गया है कि, दूसरी डेट बाद में जारी की जाएगी हाई कोर्ट के फैसले के बाद आयोग ने देर रात चुनाव स्थगित करने का निर्देश जारी किया है। इसके पहले पटना हाई कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करते हुए यह कहा कि, अति पिछड़ा वर्ग ईबीसी के लिए 20% आरक्षित सीटों को जनरल कर नए सिरे से नोटिफिकेशन जारी करें। पटना हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजय करोल

और एस कुमार के बेंच ने अपने फैसले यह भी कहा था कि, राज्य निर्वाचन आयोग मतदान की तारीख आगे बढ़ाना चाहे तो वह बढा सकते हैं। हाईकोर्ट के फैसले के बाद देर रात राज निर्वाचन आयोग ने निर्देश जारी कर दिया साथ 10 और 20 अक्टूबर को होने वाली नगर निकाय चुनाव को स्थगित कर दिया। पटना हाईकोर्ट की ओर से नगर निकाय चुनाव में ओबीसी आरक्षण पर रोक लगाने की जडीयू ने बीजेपी को साजिश करार दिया था। जदयू नेता उपेंद्र कुशवाहा ने कहा हाई कोर्ट का निर्णय केंद्र सरकार और भाजपा का गहरा साजिश का परिणाम। उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि, अगर केंद्र की नरेंद्र मोदी की सरकार ने समय पर जाति जनगणना करा ली होती तो आज नौबत नहीं आती। वहीं सुशील मोदी ने पटना हाईकोर्ट की आदेश पर कहा कि यह नीतीश कुमार की ज़िद का नतीजा है, जो नगर निकाय चुनाव में EBC आरक्षण रोकने का आदेश हुआ। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का तीन ट्रिपल टेस्ट के निर्देश को नीतीश कुमार ने नकार दिया।

मध्य प्रदेश में नवप्रयास गरबा महोत्सव में कलाकारों ने बिखेरे आस्था संगीत एवं संस्कृति के विविध रंग

एनसीआर समाचार

मध्य प्रदेश मैहर नगर की सांस्कृतिक संस्था नवप्रयास के तत्वाधान में चतुर्थ गरबा महोत्सव,का आयोजन किया गया। स्थानीय सरना पैलेस में आयोजित इस कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने मां मां शारदा के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर श्रीकांत चतुर्वेदी, नगर पालिका अध्यक्ष गीता सोनी, धर्मेश घई, देवदत्त सोनी, संतोष सोनी, दिनेश मिश्रा एवं डी रस्तोगी विशेष रूप से उपस्थित रहे। संस्था की ओर से कार्यक्रम संयोजक शशांक श्रीवास्तव, राजेश बढ़ोलिया, अजय नामदेव, प्रबोध जैन, आरिफ

मंसूरी, आनंद श्रीवास्तव, भावना श्रीवास्तव, मधु निगम, शिप्रा खरे, शैलजा चौरसिया, मृणाल निगम, सुनीला जैन, प्रतीक्षा जैन एवं विनीता बढ़ोलिया ने उपस्थित अतिथियों का तिलक लगाकर स्वागत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर की उभरती कलाकार अदिति सिंह एवं संस्कृति सोनी ने अपने भक्ति गीतों से किया। तत्पश्चात जबलपुर से पधारी कथक नृत्यांगना अंशिका विश्वकर्मा ने अपनी शानदार नृत्य कला से सजी प्रस्तुतियों से लोगों को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम में उपस्थित निर्णायक निरंजना पटेल एवं कविषा पटेल द्वारा घोषित परिणामों के आधार पर गरबा प्रतियोगिता के विजई प्रतिभागियों को माई की रसोई के संचालक पंडित धीरज पांडे के करकमलों से पुरस्कृत किया गया। इस दौरान अपने कार्य क्षेत्र में नगर एवं समाज को नवीन दिशा प्रदान करने के लिए गुरुकुल अबेकस अकादमी की डायरेक्टर रेखा दुबे एवं मेकअप आर्टिस्ट संज्ञा सिंह को संस्था की ओर से शक्ति सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम के मध्य में विंध्याचल सांस्कृतिक समूह सतना के अमर गुप्ता एवं साथियों की प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रही वहीं दूसरी ओर नवप्रयास द्वारा आयोजित 10 दिवसीय शिविर से प्रशिक्षण प्राप्त कलाकारों ने गरबा रास डांडिया के माध्यम से भारतीय संस्कृति की छटा बिखेर दी।

कन्याकुमारी से कश्मीर तक 'भारत जोड़ो' यात्रा को नहीं मिल रही मिडिया कवरेज

एनसीआर समाचार

मेनस्ट्रीम व प्रिंट यानी समाचार पत्र एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एंड टीवी में राहुल गांधी के कन्याकुमारी से कश्मीर तक 3750 किलोमीटर भारत जोड़ो यात्रा गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई, गिरती अर्थव्यवस्था आदि मांगों को लेकर 1 महीने से की जा रही है, लेकिन उनको एवं यात्रा को कवरेज सत्ता के दबाव में न देना लोकतंत्र के चतुर्थ स्तंभ यानी प्रेस पत्रकार का अपने पत्रकारिता के कर्तव्य से विमुख होना है। ये भारत के लोकतंत्र के लिए घातक है मीडिया को पक्ष एवं विपक्ष के कार्यों को समान रूप से दिखाना चाहिए कर्नाटक में प्रवेश करते हुए भारत जोड़ो यात्रा में 2,00,000 से अधिक लोग भयंकर बारिश में भीगते हुए भाषण सुन रहे थे, लेकिन उसको मीडिया में जगह नहीं दिया गया। मीडिया मेंडेंट बनाने में बड़ी भूमिका होती है। मीडिया जगत को आजादी के समय के पत्रकार स्वर्गी गणेश शंकर विद्यार्थी ब्रिज के आर के करन जिया इंडियन एक्सप्रेस के अनाराम रामनाथ गोयंका सुचित्रा सुब्रमण्यम मैगसेसे पुरस्कार विजेता रवीश कुमार पांडे एवं पुण्य प्रसून बाजपेई अभिसार शर्मा के पद चिन्हों पर चलने के लिए सोचना चाहिए। एक समय था जब इंडियन एक्सप्रेस के प्रबंध निदेशक स्वर्गीय रामनाथ गोयनका ने स्वर्गीय एवं तत्कालीन पीएम माननीय राजीव गांधी को अपने कलम के बदौलत झुका दिया था, लेकिन स्वर्गीय राजीव भी बड़े ही उच्च विचार के थे।

अजमेर ईद मिलादुन्नबी के जुलूस से पहले सभी तैयारियां करें पूर्ण, एडीएम सिटी भावना गर्ग ने की प्रशासनिक बैठक

एनसीआर समाचार

अजमेर इस्लाम धर्म के पैगंबर मोहम्मद साहब के जन्म दिवस के रूप में मनाए जाने वाले जश्ने ईद मिलादुन्नबी के जुलूस को लेकर मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में एडीएम सिटी भावना गर्ग की अध्यक्षता में प्रशासनिक विभागों की बैठक आयोजित की गई बैठक में मुस्लिम प्रतिनिधि भी शामिल हुए। जश्ने ईद मिलादुन्नबी के जुलूस को लेकर एडीएम सिटी गर्ग ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि वे 9 अक्टूबर से पूर्व सभी तैयारियां पूर्ण करें ताकि जुलूस मार्ग पर कोई व्यवधान नर है। उन्होंने कहा कि, अंदर कोर्ट से प्रारंभ होने वाला जुलूस ख्वाजा साहब की दरगाह के सामने से होता हुआ दिल्ली गेट, गंज व फव्वारा चौराहा होता हुआ ऋषि घाटी बाईपास स्थित कुतुब साहब का चिल्ला पहुंचेगा यहां परंपरा के अनुसार सलातो सलाम पेश किया जाएगा। उन्होंने कहा कि, जुलूस के दौरान सभी प्रशासनिक व्यवस्थाएं चाक-चौबंद रहनी चाहिए। जुलूस मार्ग पर लाइट वेट टेलिफोन केबल का दुरस्ति करण किया जाए। दादा पीडब्ल्यूडी नगर निगम अजमेर विकास प्राधिकरण अपने अपने क्षेत्र की सड़कों का पेवरी करण समय रहते करा लें। उन्होंने कहा कि, यातायात व्यवस्था के लिए ट्रैफिक से जुड़े अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं, ताकि उस दिन जुलूस के समय

आमजन को कोई तकलीफ ना पहुंचे और सभी अपने गंतव्य स्थानों पर आसानी से पहुंच सके। इसके लिए ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू किया जाए। सूफी इंटरनेशनल के सचिव नवाब हिदायत उल्ला ने बताया कि जुलूस मैं सभी धर्मों के लोग शामिल होते हैं और इसका स्वागत जगह-जगह किया जाता है। 2 वर्ष के बाद जुलूस निकलने की वजह से लोगों में उत्साह है इसलिए अधिक संख्या में लोगों के शामिल होने की संभावना है इसको लेकर उसके अनुरूप ही प्रशासनिक इंतजाम होने चाहिए। बैठक में दरगाह कमेटी के सहायक नाजिम शादाब अहमद, अंजुमन यादगार के अध्यक्ष सुभान चिश्ती, सूफी इंटरनेशनल के अध्यक्ष हाजी सरवर सिद्दीकी काजी मुनव्वर अली अब्दुल नईम खान, दरगाह सरवाड़ के मुतवल्ली यूसुफ खान,अंजुमन सैयद जादगान के नातिक चिश्ती, सैयद फैजले हसन, गुलज़ार चिश्ती, पार्षद मोहम्मद शाकिर आरिफ खान , हमीद चीता, एहसान मिर्जा, अंदरकोट पंचायत के सचिव शेख निसार मोहम्मद , आरिफ हुसैन, सलमान खान, असलम खंडेला, मासूम अली, तारागढ़ पंचायत के बाबर अली, अरशद इंसाफ, हुमायूं खान, शेखजादा जीशान चिश्ती, इमरान खान, शफीक खान मौजूद रहे।

संपादकीय

जम्मू-कश्मीर में विकास और बदलाव देखकर गुपकार गठबंधन के होश उड़ना स्वाभाविक है

जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 और 35-ए का समापन होने के बाद अब केंद्र सरकार ने वहां की राजनीति में भी अहम बदलाव करने की तैयारी प्रारंभ कर दी है। विजयादशमी के अवसर पर गृहमंत्री अमित शाह ने माता वैष्णो देवी मंदिर के दर्शन करके अपनी धारदार यात्रा की शुरुआत करते हुए गुपकार समूह की हवा निकालते हुए उन सभी विरोधियों को कड़ा संदेश दिया जो हमेशा पाकिस्तान की तरफदारी करते रहते हैं। भारतीय जनता पार्टी ने जम्मू-कश्मीर में अपनी सरकार बनाने की तैयारी आरम्भ कर दी है और वहां पर विकास की तीव्र होती गति व दुरुस्त होती कानून व्यवस्था का सहारा लेकर परिवारवाद की राजनीति करने वाले विरोधी दलों का सफाया करने का जिम्मा गृहमंत्री अमित शाह ने स्वयं अपने हाथों में ले लिया है। आज़ादी के बाद से राज्य के तीन परिवारों ने महज अपनी राजनीति चमकाने के लिए राज्य का बेड़ा गर्क कर के रखा था। आतंकवाद, भ्रष्टाचार, भाई भतीजावाद ने जन सामान्य का जीवन दुश्वार कर दिया था। अब अनुच्छेद 370 का समापन हो जाने के बाद आगामी चुनावों में इन सभी परिवारवादी दलों की राजनीति का समापन करने की तैयारी भी कर ली गई है। गृहमंत्री अमित शाह के दौरे से पूर्व राज्य प्रशासन ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाये हैं जिनमें जम्मू कश्मीर के महाराजा हरि सिंह की जयंती के अवसर पर प्रदेश में सार्वजनिक अवकाश की घोषणा, गुर्जर प्रतिनिधि को राज्यसभा में मनोनीत किया जाना प्रमुख हैं। जम्मू-कश्मीर में 32 वर्षों के बाद सिनेमाघर खुल गए हैं और फिल्मों की शूटिंग भी शुरू हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वाधीनता दिवस के अवसर पर हर घर तिरंगा अभियान के आह्वान को जम्मू-कश्मीर की आम जनता के समर्थन ने गुपकार वालों की जमीन हिला दी थी, जम्मू से लेकर कश्मीर घाटी तक हर जगह तिरंगा फहराया गया जिससे पाकिस्तानी एजेंडा चलाने वाली महबूबा मुफ़्ती और अब्दुल्ला परिवार की हताशा देखने लायक थी। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद की कमर धीरे-धीरे टूट रही है और राज्य को दहलाने की हर साजिश को सुरक्षा बल और खुफिया एजेंसियां मिलकर नाकाम कर रही हैं। आज राज्य में पत्थरबाजी बंद हो गई है तथा आतंकवाद भी अपनी आखिरी सांसें गिनता हुआ दिखाई पड़ रहा है। गुपकार गैंग को जम्मू-कश्मीर का विकास और शांति अच्छी नहीं लग रही है और वह लोग भारत के खिलाफ झूठा प्रोपेगेंडा हर मंच पर चला रहे हैं। गृहमंत्री अमित शाह ने दो दिवसीय दौरे पर गुपकार समूह सहित पाकिस्तान व चीन को बड़ा व स्पष्ट संदेश देने का प्रयास किया है। गृहमंत्री ने स्पष्ट कर दिया है कि पाकिस्तान के साथ कोई बातचीत नहीं होगी। उन्होंने यह भी साफ कर दिया है कि नरेंद्र मोदी सरकार जम्मू-कश्मीर से आतंकवाद का सफाया करेगी और इसे देश में सबसे शांतिपूर्ण जगह बनाएगी। रैली में उन्होंने हाथ उठाकर पूछा कि क्या आतंकवाद से कभी किसी को फायदा हुआ है ? जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद से 1990 के दशक से अब तक 42,000 लोगों की जान जा चुकी है। अपनी जनसभा में उन्होंने कहा कि कुछ लोग कहते हैं कि हमें पाकिस्तान से बात करनी चाहिए ? हम पाकिस्तान से बात नहीं करेंगे हम बारामूला के लोगों से बात करेंगे, हम जम्मू-कश्मीर के लोगों से बात करेंगे। अपनी जनसभा में उन्होंने साफ किया कि मोदी जी का शासन विकास और रोजगार लाता है, मोदी जी के मॉडल और गुपकार मॉडल में बहुत अंतर है। उनका कहना था कि मुफ्ती एंड कंपनी, अब्दुल्ला और उनके बेटों और कांग्रेस ने जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए कुछ नहीं किया है। गृहमंत्री ने कहा कि उनके नियम कुशासन, भ्रष्टाचार और विकास की कमी से भरे हुए थे।

गृहमंत्री ने राजौरी रैली में भी विपक्ष व पाक परस्त लोगों पर जमकर हमला बोलते हुए कहा कि अनुच्छेद 370 के समापन के बाद राज्य के सभी गरीबों को उनका हक मिला है। राजौरी की रैली में मोदी-मोदी के जोरदार नारे लग रहे थे जिससे उत्साहित गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि 70 वर्षों तक जम्मू-कश्मीर पर तीन परिवारों का शासन रहा। पूर्व में लोकतंत्र का मतलब होता था 87 विधायक, छह सांसद और तीन परिवार। अब प्रधानमंत्री ने इसे तीस हजार परिवारों तक पहुंचाकर सशक्त किया है। जम्मू-कश्मीर में मोदी जी लोकतंत्र को पंचायत, ब्लॉक और जिला स्तर तक ले गए। गृहमंत्री अमित शाह ने सबसे बड़ा ऐलान पहाड़ी, गुर्जर और बकरवाल तीनों को आरक्षण देने का किया है जिसका लाभ आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा को मिल सकता है। अभी तक इन जातियों को आरक्षण का कोई लाभ नहीं मिल रहा था। यह जातियां कम से कम दस विधानसभा सीटों पर सीधा असर करती हैं। गृहमंत्री का कहना था कि पहले जिन युवाओं के हाथों में पत्थर थे अब मोदी सरकार उनके हाथों में लैपटॉप दे रही है। अनुच्छेद 370 हटने का प्रभाव दिखाई दे रहा है क्योंकि गृहमंत्री का दावा है कि आजादी से लेकर 2019 तक जम्मू-कश्मीर में 15 हजार करोड़ का औद्योगिक निवेश हुआ वहीं वर्ष 2019 से अब तक मात्र तीन वर्ष में ही अब तक 56 हजार करोड़ का निवेश हो चुका है। जम्मू-कश्मीर में अब तक दो लाख लोगों को आवास तथा पांच लाख लोगों को स्वच्छ जल पहुंचाया गया है। कांग्रेस के शासनकाल में 2006 से 2013 तक प्रदेश में 4766 आतंकी घटनाएं हुयी थीं जबकि अनुच्छेद 370 हटने के बाद से अब तक 721 आतंकी घटनाएं हुयीं। अनुच्छेद 370 का समापन हो जाने के बाद पिछड़े, दलित, आदिवासी, पहाड़ियों व सफाई कर्मचारियों को उनका अधिकार मिल रहा है। श्रीनगर का लाल चौक जहां पर तिरंगा दिखाई नहीं पड़ता था, वहां एक समय जिसके लिए भाजपा ने यात्रा निकाली थी और वहां के प्रशासन ने उस यात्रा को रोक दिया था वहां आज हर घर तिरंगा फहराया जा रहा है और गुपकार एजेंडा का पाकिस्तानी प्रेम बारम्बार बेनकाब हो रहा है। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनावों की तैयारियां चल रही हैं, नया परिसीमन हो चुका है और नई मतदाता सूची बनाई जा रही है जिसमें 25 लाख नये मतदाता जोड़े जा रहे हैं। नई मतदाता सूची के आने के बाद ही वहां विधानसभा चुनावों की प्रक्रिया प्रारंभ हो जाएगी, जिसके लिए सभी दल अपनी तैयारियों में जुट गए हैं। राज्य के सभी विरोधी दलों ने अनुच्छेद 370 की बहाली के लिए गुपकार समूह बनाया है और वह पूरी ताकत के साथ चुनाव लड़ने जा रहा है। गुपकार समूह में शामिल कांग्रेस पार्टी की हालत अपने वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद तथा उनके समर्थकों द्वारा पार्टी छोड़ने से दयनीय हो गई है। कांग्रेस के वरिष्ठतम नेता कर्ण सिंह के परिवार ने भी अब कांग्रेस से नाता तोड़ लिया है।

योगी ने दूसरे कार्यकाल के पहले छह महीने में ही हासिल कीं बड़ी उपलब्धियां

डॉ. सौरभ मालवीय

उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल के छह महीने पूर्ण कर लिए हैं। राज्य के राजनीतिक इतिहास में लगभग साढ़े तीन दशक के पश्चात किसी दल को दोबारा सत्ता में लाने का इतिहास रचने वाले योगी आदित्यनाथ ने अपने मुख्यमंत्रित्व कार्यकाल के दौरान बड़े धैर्य एवं साहस के साथ अनेक चुनौतियों का सामना किया। उन्हें जहां विरोधियों का प्रहार, आरोप-प्रत्यारोप एवं बुल्डोजर से मकान तोड़ने जैसे प्रकरणों का सामना करना पड़ा, वहीं अपनी जन हितैषी नीतियों से उन्होंने जनता का समर्थन एवं आशीर्वाद भी प्राप्त किया। उन्होंने आजमगढ़ एवं रामपुर लोकसभा क्षेत्र से उपचुनाव में विजय प्राप्त कर यह सिद्ध कर दिया कि वह वर्ष 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए पूर्ण रूप से तैयार हैं तथा विजयश्री प्राप्त करने के लिए समर्थ भी हैं। वास्तव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भाजपा की रीतिनीति के अनुसार हिंदुत्व की छवि को सुदृढ़ करने का निरंतर प्रयास कर रहे हैं। प्राचीन शहरों के नाम परिवर्तित करना तथा काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का लोकार्पण इसके उदाहरण हैं। अयोध्या में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के मंदिर के निर्माण का कार्य चल रहा है। सरकार नमामि गंगे योजना के अंतर्गत गंगा को स्वच्छ एवं निर्मल करने पर विशेष बल दे रही है। गंगा का प्रदूषण कम करने के लिए स्मार्ट गंगा सिटी परियोजना पर कार्य चल रहा है। योगी सरकार ने राज्य में पर्यटन विशेषकर धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा दिया है। राज्य में गौ संरक्षण और संवर्धन के लिए मुख्यमंत्री निराश्रित गौवंश सहभागिता योजना प्रारम्भ की गई है। राज्य में बेघरों को आवास देने के लिए उत्तर प्रदेश आवास विकास योजना प्रारम्भ की गई। निर्धन परिवारों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना आरम्भ की गई। प्रवासी श्रमिकों को रोजगार देने के लिए आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश रोजगार अभियान प्रारम्भ किया गया। बेरोजगारों को स्वरोजगार के लिए ऋण उपलब्ध

योगी सरकार शिक्षा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय कार्य कर रही है। राज्य में विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं व्यवसायिक प्रशिक्षण केंद्रों एवं उनके नये भवनों की स्थापना की जा रही है। गोरखपुर में आयुष विश्वविद्यालय का निर्माण किया जा रहा है।

कराने के लिए मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना आरम्भ की गई। बेरोजगार युवाओं को प्रशिक्षण दिलाने के लिए उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन तथा मुख्यमंत्री शिक्षुता प्रोत्साहन योजना प्रारम्भ की गई। राज्य के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना प्रारम्भ की गई। बेरोजगार युवाओं को बेरोजगारी भत्ता प्रदान करने के लिए उत्तर प्रदेश बेरोजगारी भत्ता नामक योजना आरम्भ की गई। राज्य के श्रमिकों को सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ देने के लिए श्रमिक पंजीकरण योजना प्रारम्भ की गई। श्रमिकों के भरण पोषण के लिए राज्य में श्रमिक भरण पोषण योजना आरम्भ की गई है। इसके साथ ही राज्य की समृद्धि के लिए उद्योगों को बढ़ावा दिया जा रहा है। योगी सरकार ने कृषि क्षेत्र पर भी विशेष ध्यान दिया है। राज्य में जैविक खेती को प्रोत्साहन देने के लिए परम्परागत खेती विकास योजना चलाई जा रही है। खेतों को पर्याप्त सिंचाई जल उपलब्ध कराने के लिए उत्तर प्रदेश निःशुल्क बोरिंग योजना तथा उत्तर प्रदेश किसान उदय योजना संचालित की जा रही है। इनके अतिरिक्त बीज ग्राम योजना के अंतर्गत किसानों को धान एवं गेहूं के बीज पर विशेष अनुदान दिया जा रहा है। पारदर्शी किसान सेवा योजना के अंतर्गत किसानों को आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। मुख्यमंत्री किसान एवं सर्वहित बीमा योजना के अंतर्गत किसानों को समुचित उपचार की सुविधा प्रदान की जा रही है। किसानों को ऋण के बोझ से मुक्त करने के लिए किसान ऋण मोचन योजना प्रारम्भ की गई। मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के अंतर्गत किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। राज्य में अनाथ बच्चों को आसरा देने के लिए मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना प्रारम्भ की गई। महिला सशक्तिकरण के लिए भी सरकार अनेक योजनाएं चला रही है। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के अंतर्गत निर्धन परिवारों की पुत्रियों को शिक्षा के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। उत्तर प्रदेश भाग्यलक्ष्मी योजना के अंतर्गत पुत्री की शिक्षा और विवाह के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। इसके अतिरिक्त लोगों को घर बैठे बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए बैंकिंग संवाददाता सखी योजना प्रारम्भ की गई है। इससे जहां लोगों को घर पर बैंकिंग सुविधाएं प्राप्त हो रही हैं, वहीं महिलाओं को भी रोजगार प्राप्त हुआ है। राज्य में अनेक पेंशन योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनमें उत्तर प्रदेश पेंशन योजना, विधवा पेंशन योजना तथा उत्तर प्रदेश दिव्यांगजन पेंशन योजना सम्मिलित हैं। सरकार लड़कियों और दिव्यांगों के विवाह के लिए अनुदान प्रदान कर रही है। उत्तर प्रदेश विवाह अनुदान योजना के अंतर्गत लड़कियों के विवाह के लिए सरकार द्वारा अनुदान प्रदान किया जाता है। दिव्यांगजन विवाह प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत दिव्यांगजनों के विवाह लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। योगी सरकार शिक्षा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय कार्य कर रही है। राज्य में विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं व्यवसायिक प्रशिक्षण केंद्रों एवं उनके नये भवनों की स्थापना की जा रही है। गोरखपुर में आयुष विश्वविद्यालय का निर्माण किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है। उच्च शिक्षा में 119 राजकीय महाविद्यालयों में ई-लर्निंग पाठ्यक्रम विकसित किए गए हैं तथा 87 राजकीय महाविद्यालयों में स्मार्ट कक्षाओं की व्यवस्था की गई है, जबकि राज्य के 27 विश्वविद्यालयों द्वारा राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों के साथ 111 अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इसके अतिरिक्त 26 नये सरकारी पॉलिटेक्निक स्वीकृत किए गए हैं, जबकि 24 निर्माणाधीन हैं। पिछले पांच वर्षों में राज्य में आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में सबसे अधिक 94,632 करोड़ रुपये का निवेश हुआ है। पिछले साढ़े पांच वर्ष में योगी सरकार ने 4.68 लाख करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनमें से 3.82 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं। योगी सरकार के द्वितीय कार्यकाल में रोजगार मेलों के माध्यम से 93 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार प्राप्त हुआ है। सरकार ने अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतने वाले और विभिन्न विभागों में 24 पदों की पहचान करने वाले खिलाड़ियों को राजपत्रित अधिकारी बनाने का भी निर्णय लिया है। एक जिला एक खेल योजना के अंतर्गत प्रत्येक जिले में खेलो इंडिया सेंटर स्थापित किए जा रहे हैं। राज्य में खेलो इंडिया की पंद्रह परियोजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं। स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी योगी सरकार सराहनीय कार्य कर रही है। राज्य के सभी 4600 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में हेल्थ एटीएम लगाए जा रहे हैं। राज्य के 65 जिलों में चिकित्सा महाविद्यालय चल रहे हैं, जबकि गोरखपुर और रायबरेली में एम्स चल रहे हैं। इसके अतिरिक्त आयुष्मान कार्ड के माध्यम से राज्य के 6.51 करोड़ लोगों को 5 लाख रुपये तक के स्वास्थ्य बीमा के अंतर्गत लाया गया है। योगी सरकार सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी गंभीर है। महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने के लिए सेफ सिटी योजना प्रारम्भ की गई है। विद्युत क्षेत्र में भी योगी सरकार उत्कृष्ट कार्य किया है। परिवहन के क्षेत्र में भी सरकार ने सराहनीय कार्य किए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बिना किसी भेदभाव के कार्य किए, जिससे लोगों में सरकार के प्रति सकारात्मक संदेश गया।

खड़गे के सामने नहीं टिक पा रहे शशि थरूर, गांधी परिवार की योजना सही दिशा में बढ़ रही है

डॉ. रमेश ठाकुर

अगले वर्ष मध्य प्रदेश में जब विधानसभा के चुनाव होंगे, तब वहां मुख्यमंत्री उम्मीदवार को लेकर कमलनाथ और दिग्विजय सिंह में अच्छे से ठनेगी, इसकी आशंका भी अभी से जग गई है। कुल मिलाकर, अध्यक्ष पद का चुनाव अब दिलचस्प मोड़ पर आ चुका है।

सस्पेंस और हॉरर हिंदी फिल्म की तरह हो गया है कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव। प्रत्येक घंटे कुछ ना कुछ अप्रत्याशित बदलाव हो रहे हैं। कौन नामांकन भर रहा है, कौन पीछे हट रहा है, यही ड्रामा बीते कुछ दिनों से दिल्ली के 24 अकबर रोड़ स्थित कांग्रेस मुख्यालय पर देखने को मिल रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष पद को लेकर लगाए गए राजनैतिक पंडितों के भी अभी तक के सभी कयास फेल हो गए हैं। कहानी अब मल्लिकार्जुन खड़गे और शशि थरूर पर आकर रूक गई है। जबकि, शुरुआत राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से हुई थी। रेस में उनके पिछड़ने के बाद कांग्रेस के दूसरे कद्दावर नेताओं जैसे दिग्विजय सिंह व कमलनाथ और ना जाने कितने धुरंधरों के ईदगिर्द अध्यक्ष बनने की गेंद घूमती रही। पर, कहानी में घंटे-घंटे भर बाद मोड़ कुछ ऐसे आए जिससे उपरोक्त नाम एक-एक करके किनारे होते गए।

इसी दरम्यान मौजूदा अध्यक्ष सोनिया गांधी ने अपनी चुप्पी तोड़ी और अपने सबसे वफादार नेता कमलनाथ के नाम पर उन्होंने गर्दन हिलाकर स्वीकृति देकर उन्हें रात में ही भोपाल से दिल्ली तलब किया। लेकिन जब वह आए तो उन्होंने अपनी भविष्य की राजनीतिक महत्वकांक्षा सोनिया गांधी को बताकर कांग्रेस अध्यक्ष पद के संभावित उम्मीदवार से अपना नाम हटवा लिया। दरअसल, अगले साल मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने हैं, जहां कमलनाथ खुद को मुख्यमंत्री के तौर पर देख रहे हैं। क्योंकि ज्योतिरादित्य सिंधिया के भाजपा में जाने के बाद मुख्यमंत्री उम्मीदवारी में उनका नाम सबसे आगे है जिस पर दिल्ली के शीर्ष नेतृत्व की भी हामी है। हालांकि इस कड़ी में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह भी कतार में हैं। पर, उनकी दावेदारी कई कारणों से कमलनाथ के मुकाबले कमजोर है। लेकिन, मुख्यमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा उनमें भी कमलनाथ से कम नहीं है। उनके भीतर भी रात दिन मुख्यमंत्री बनने के सपने हिलोरे मारते हैं। इसी कारण उन्होंने भी कांग्रेस अध्यक्ष पद की उम्मीदवारी में कुछ खास दिलचस्पी नहीं दिखाई। अगले वर्ष मध्य प्रदेश में जब विधानसभा के चुनाव होंगे, तब वहां मुख्यमंत्री उम्मीदवार को लेकर कमलनाथ और दिग्विजय सिंह में अच्छे से ठनेगी, इसकी आशंका भी अभी से जग गई है। कुल मिलाकर, अध्यक्ष पद का चुनाव अब दिलचस्प मोड़ पर आ चुका है। सबसे बड़ा सवाल ये है कि मल्लिकार्जुन खड़गे के सामने अब खड़ा कौन हो पाएगा? उनके कद के नेता शशि थरूर को नहीं माना जा रहा। जबकि, कतार में अब ये दो ही बचे हैं। इस लिहाज से कहीं समय आते-आते ऐसा ना हो कि मल्लिकार्जुन खड़गे निर्विरोध

अध्यक्ष पद के लिए निर्वाचित हो जाएं। क्योंकि कतार के तीसरे उम्मीदवार केएन त्रिपाठी का नामांकन रद्द हो चुका है। दोनों नामों पर अगर गौर करें, तो दोनों की आपस में कोई समानता नहीं। खड़गे को गांधी परिवार का निकट माना जाता है। सोनिया गांधी और राहुल गांधी उन्हें पसंद करते हैं, वो परिवार और पार्टी के प्रति निष्ठावान और वफादार हैं। उन्होंने कर्नाटक में मजदूर राजनीति से अपना कॅरियर आरंभ किया था। 1972 से 2008 तक लगातार कर्नाटक के कलबुर्गी से विधायक रहे। वर्ष 2004 और 2009 में लोकसभा का चुनाव जीता। राज्यसभा में उन्होंने पार्टी का पक्ष मजबूती से रखा।

राजनीतिक सफलता के कई अध्याय उनसे जुड़े हैं। वहीं, उनके मुकाबले जब बात शशि थरूर की आती है, तो वह खडगे के पहाड़ जैसे सियासी अनुभव के समक्ष जरा भी नहीं टिकते। थरूर का सियासी सफर ना ज्यादा लंबा है और ना ही ज्यादा अच्छा? कॉलेज के दिनों में राजनीति में कदम रखा और दिल्ली के सेंट स्टीफेंस कॉलेज का अध्यक्षी चुनाव जीता था। उसके बाद संयुक्त राष्ट्र सभा में उन्होंने देश का प्रतिनिधित्व किया, वहां से इस्तीफा देकर वर्ष 2009 में कांग्रेस से जुड़े और थिरुअनंतपुरम से लोकसभा का चुनाव जीता। विवादों से शशि थरूर का गहरा नाता है। उनके रंगीन मिजाज अंदाज से तो सभी वाकिफ हैं ही, साथ ही अपनी पत्नी की संदिग्ध मौत को लेकर भी अभी तक वह घिरे हुए हैं। भाजपा उन पर हमेशा महिलाओं को लेकर मीम बनाती रहती है। इस लिहाज से थरूर खड़गे के सामने खड़े नहीं हो सकते। चुनाव की अच्छी बात ये है कि पल-पल की सूचनाएं केंद्रीय चुनाव प्राधिकरण बनाए गए मधुसूदन मिस्त्री की ओर से सार्वजनिक की जा रही हैं। वैसे, कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए पहले भी जब-जब चुनाव हुए, उसमें ठीक वैसी ही प्रक्रिया अपनाई गई, जैसी राष्ट्रपति या उप-राष्ट्रपति चुनावों में होती रही है। ये चुनाव भी राज्य-केंद्रीय स्तर के चुने या नामित डेलीगेट से होता है। इस समय कांग्रेस पार्टी के करीब 9,100 डेलीगेट हैं, जो इस चुनाव में अपना वोट डालेंगे। अंदेशा ऐसा भी होने लगा है कि कहीं कांग्रेस अध्यक्ष पद पहले से तो फिक्स नहीं है। जो हो रहा है वो सिर्फ ड्रामा मात्र है, सिर्फ दिखावा किया जा रहा है। क्या पार्टी की कमान गांधी परिवार अपने किसी खासमखास के पास ही रखना चाहता है। गाड़ी का चालक अपनी पसंद का ही चाहते हैं।

वायुसेना को प्रचंड हेलिकॉप्टर मिल तो गया है, पर विदेशी निर्भरता अब भी बनी हुई है

योगेंद्र योगी

फ्रांस की इंजिन बनाने वाले कम्पनी सफ्रेन और हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के संयुक्त उपक्रम से इस हेलीकॉप्टर के इंजिन को बनाया गया है। शक्ति को प्रतिकूल मौसम में अधिक ऊंचाई तक ले जाने के लिए विकसित किया गया है।

स्वदेशी तकनीक से बने हल्के युद्धक हेलीकॉप्टर (एलसीएच) प्रचंड भारत की सैन्य सामग्री और उपकरणों की कम होती निर्भरता की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। इसके बावजूद भारत की मंजिल अभी दूर है। भारत को अपनी सैन्य जरूरतों को पूरा करने के लिए आत्मनिर्भर होने में लंबा सफर तय करना है। भारत का हल्का युद्धक हेलीकॉप्टर (एलसीएच) प्रचंड देश की सुरक्षा में बढ़ते हुए कदमों की दृढ़ता का प्रतीक है। इस हेलीकॉप्टर का निर्माण 45 प्रतिशत स्वदेशी तथा 55 प्रतिशत विदेशी पुर्जों से किया गया है। प्रयास यह किए जा रहे हैं कि हेलीकॉप्टर की तकनीक को 55 प्रतिशत तक स्वदेशी किया जाए ताकि विदेशी निर्भरता कम हो सके। इससे इसकी लागत में भी कमी आएगी। इस हेलीकॉप्टर के इंजिन का नाम शक्ति रखा गया है। फ्रांस की इंजिन बनाने वाले कम्पनी सफ्रेन और हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के संयुक्त उपक्रम से इस हेलीकॉप्टर के इंजिन को बनाया गया है। शक्ति को प्रतिकूल मौसम में अधिक ऊंचाई तक ले जाने के लिए विकसित किया गया है। यह हेलीकॉप्टर 20 हजार फुट की ऊंचाई तक प्रहार और बचाव कार्य कर सकता है। प्रचंड से चीन सीमा पर सुरक्षा और निगरानी को मजबूती मिलेगी। पूर्वी लद्दाख में वर्ष 2020 में चीनी सेना से झड़प के दौरान दो हल्के युद्धक हेलीकॉप्टर का उड़ान परीक्षण किया गया था। लाइट कॉम्बेट हेलिकॉप्टर यानि एलसीएच हेलिकॉप्टर का वजन करीब 6 टन है, जिसके चलते ये बेहद हल्का है जबकि अमेरिका से लिए गए अपाचे हेलिकॉप्टर का वजन करीब 10 टन है। देश में लड़ाकू विमानों की तरह पुराने हो चुके हेलीकॉप्टर्स को भी बदले जाने की आवश्यकता है। देश की सैन्य जरूरतों के लिहाज 1960-70 के दशक में शामिल किए गए चेतक और चीता हेलीकॉप्टर अब पुराने पड़ चुके हैं। उस वक्त भारत सैन्य सामग्री की आपूर्ति को लेकर काफी हद तक रूस पर निर्भर था। युक्रेन से युद्ध और अमेरिका से लगे प्रतिबंधों के बाद भारत को विदेशी निर्भरता के मामले में प्रतिकूल शर्तों और सैन्य सामग्री को सुचारू बनाए रखने के लिए कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे हालात में भारत को न सिर्फ विदेशी निर्भरता को कम करने बल्कि आयात से बढ़ते खर्चे को नियंत्रित करने के लिए भी जूझना पड़ रहा है। गौरतलब है कि भारत विश्व के प्रमुख सैन्य सामग्री ही नहीं बल्कि तेल और खाद्यान्न के प्रमुख आयातकों में शामिल है। इसमें काफी विदेशी मुद्रा खर्च होने के साथ निर्यातक देशों की मनमानी भी झेलनी पड़ती है। इससे देश की आर्थिक सेहत पर विपरीत असर पड़ रहा है। ऐसे हालात से भारत के भविष्य की योजनाओं के क्रियान्वयन की बड़ी चुनौती है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट के आंकड़ों के मुताबिक हालांकि देश में सैन्य उत्पादों के आयात में वर्ष 2012-16 से 2017-21 की अवधि में करीब 21 प्रतिशत की कमी आई है।

NCR समाचार

संपादकीय कार्यालय
जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार
प्रातः 9:00 से सायं 9:00
फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

पहली छमाही में रियल एस्टेट में पीई निवेश 40 प्रतिशत बढ़कर 2.8 अरब डॉलर पर

एजेंसी

नयी दिल्ली। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में रियल एस्टेट क्षेत्र में निजी इक्विटी (पीई) निवेश 40 प्रतिशत बढ़कर 2.8 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। संपत्ति सलाहकार एनारॉक की रिपोर्ट में कहा गया है कि अप्रैल-सितंबर छमाही में मुख्य रूप से कार्यालय परिसंपत्तियों में विदेशी कोषों का प्रवाह बढ़ने से कुल निजी इक्विटी निवेश बढ़ा है। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में रियल एस्टेट क्षेत्र में निजी इक्विटी निवेश दो अरब डॉलर रहा था। एनारॉक कैपिटल के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) शोभित अग्रवाल ने कहा, ''रियल एस्टेट क्षेत्र में

निवेशकों का भरोसा भारतीय अर्थव्यवस्था और रियल एस्टेट उद्योग में सुधार को दर्शाता है।'' रिपोर्ट के अनुसार, चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में कुल प्रवाह में विदेशी निवेशकों का योगदान 78 प्रतिशत रहा, जो भारतीय रियल एस्टेट में उनके भरोसे को दर्शाता है। एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले वित्त वर्ष 2022-23 की अप्रैल-सितंबर छमाही में घरेलू निवेश में 45 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि विदेशी निवेश में 36 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष की पहली छमाही में 10 बड़े सौदों का कुल पीई निवेश में हिस्सा 86 प्रतिशत रहा, जो एक साल पहले की समान अवधि में 80 प्रतिशत रहा था। अग्रवाल ने कहा कि रियल एस्टेट क्षेत्र में कुल संपत्ति खंड में कार्यालय बाजार की मांग में 'सार्थक सुधार' देखने को मिला है। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-सितंबर की अवधि के दौरान कार्यालय संपत्तियों में पीई निवेश 186.2 करोड़ डॉलर रहा है, जो पिछले वित्त वर्ष के लगभग बराबर है। कोविड-19 महामारी और लॉकडाउन के कारण कैलेंडर वर्ष 2020 और 2021 के दौरान कार्यालय बाजार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा था। वर्क फ्रॉम होम यानी घर से काम की वजह से भी कार्यालय स्थल की मांग घटी थी। सलाहकार कंपनी ने कहा कि महामारी के बाद के समय में घरों की मांग में सुधार हुआ है। पहली छमाही में आवासीय संपत्ति खंड निवेश पाने के मामले में दूसरे स्थान पर रहा है। इस क्षेत्र में कुल निवेश का प्रवाह 37.2 करोड़ डॉलर रहा है। एनारॉक ने कहा कि भौगोलिक क्षेत्रों की बात की जाए, तो दिल्ली-एनसीआर में सबसे अधिक पीई निवेश आया है। एनसीआर में पीई निवेश पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 18.1 करोड़ डॉलर से बढ़कर चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में 94.2 करोड़ डॉलर पर पहुंच गया है। पिछले वित्त वर्ष की दूसरी छमाही यानी अक्टूबर-मार्च में एनसीआर में पीई निवेश 59 करोड़ डॉलर रहा था। रियल्टी कंपनियों के निकाय नारेडको के अध्यक्ष राजन बंदेलकर ने कहा कि महामारी और मौजूदा आर्थिक चिंताओं के बीच भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र ने मजबूत क्षमता दिखाई है।

टीसीएस और इनफोसिस के नतीजों, वृहद आंकड़ों से तय होगी बाजार की चाल

एजेंसी

नयी दिल्ली। घरेलू शेयर बाजारों की दिशा इस सप्ताह टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इन्फोसिस के तिमाही नतीजों से तय होगी। इसके अलावा मुद्रास्फीति और औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) के आंकड़े तथा वैश्विक रुझान भी बाजार को दिशा देंगे। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों ने कहा कि रुपये की चाल पर भी निवेशकों की निगाह रहेगी। रुपया इस समय अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अपने सबसे निचले स्तर पर आ गया है। रेलिगेयर ब्रोकिंग के उपाध्यक्ष-शोध अजित मिश्रा ने कहा, ''इस सप्ताह बाजार भागीदारों की निगाह आईआईपी, खुदरा और थोक मुद्रास्फीति जैसे वृहद आर्थिक आंकड़ों पर रहेगी। सप्ताह के दौरान बजाज ऑटो और एचडीएफसी बैंक

के तिमाही नतीजे भी आने हैं। मिश्रा ने कहा कि अमेरिकी बाजारों का प्रदर्शन, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) का रुझान, मुद्रा और कच्चे तेलके उतार-चढ़ाव पर सभी की निगाह रहेगी। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 764.37 अंक यानी 1.33 प्रतिशत के लाभ में रहा। दशहरा के मौके पर बुधवार को घरेलू शेयर बाजार बंद रहे थे। सैमको सिक्योरिटीज के बाजार परिप्रेक्ष्य-प्रमुख अपूर्व सेठ ने कहा कि इस सप्ताह कई महत्वपूर्ण घटनाक्रम होने जा रहे हैं। ऐसे में बाजार में उतार-चढ़ाव रहेगा। उन्होंने कहा, ''दुनियाभर के बाजारों की निगाह फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक के ब्योरे पर रहेगी, जो इसी सप्ताह आने हैं। वैश्विक निवेशकों की निगाह अमेरिका और चीन के मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर रहेगी। घरेलू मोर्चे पर भी थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े महत्वपूर्ण रहेंगे।'' सेठ ने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियों के साथ तिमाही परिणामों की शुरुआत होगी। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''बाजार का ध्यान इस सप्ताह तिमाही नतीजों पर रहेगा। खासकर आईटी क्षेत्र की कंपनियों के परिणामों पर। इसके अलावा मुद्रास्फीति के आंकड़े भी बाजार की दिशा को प्रभावित करेंगे।

सीएनजी, पीएनजी की कीमतों में 3 रुपये बढ़ोतरी

एजेंसी

राष्ट्रीय राजधानी में सीएनजी और पीएनजी की कीमतों में शनिवार को तीन रुपये की बढ़ोतरी कर दी गई। केंद्र सरकार द्वारा एक अक्टूबर से प्राकृतिक गैस के दाम में 40 फीसदी की वृद्धि किए जाने के बाद यह कदम उठाया गया। सीएनजी की कीमत में पिछले चार महीनों में, जबकि पीएनजी (पाइप के जरिये रसोई में पहुंचाई जाने वाली गैस) के दाम में बीते दो महीनों में पहली बार वृद्धि की गई है। इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) की वेबसाइट पर प्रसारित जानकारी के मुताबिक, तीन रुपये की वृद्धि के साथ दिल्ली में सीएनजी की कीमत 75.61 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर 78.61 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। वहीं, राष्ट्रीय राजधानी में पीएनजी के दाम अब 50.59 रुपये प्रति एससीएम (मानक

घन मीटर) से बढ़कर 53.59 रुपये प्रति एससीएम हो गए हैं। दिल्ली में सात मार्च 2022 से लेकर अब तक सीएनजी की कीमतों में 14 बार में 22.60 रुपये प्रति किलोग्राम की वृद्धि की जा चुकी है। आखिरी बार 21 मई को सीएनजी के दाम दो रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ा दिए गए थे। 'पीटीआई-भाषा' द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल 2021 से लेकर अब तक दिल्ली में सीएनजी की कीमत 35.21 रुपये प्रति किलोग्राम (लगभग 80 प्रतिशत) तक बढ़ाई जा चुकी है। वहीं, पीएनजी की बात करें तो अगस्त 2021 से लेकर अब तक इसके दाम में दस बार बढ़ोतरी की जा चुकी है। उक्त अवधि में पीएनजी के दाम में 29.93 रुपये प्रति एससीएम (लगभग 91 फीसदी) का इजाफा किया जा चुका है। आईजीएल ने कहा कि नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद और गुरुग्राम के साथ-साथ उत्तर प्रदेश के कानपुर और राजस्थान के अजमेर जैसे अन्य शहरों में भी सीएनजी और पीएनजी की कीमतों में वृद्धि की गई है।

भारत, यूएई ऊर्जा, कौशल और शिक्षा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाकर लाभांवित हो सकते हैं : रिपोर्ट

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत और संयुक्त अरब अमीरात शिक्षा, ऊर्जा, कौशल और रक्षा जैसे पारस्परिक हित वाले कई क्षेत्रों में ज्ञान और सर्वश्रेष्ठ तौर-तरीके साझा करके अपने बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) का उल्लेखनीय तरीके से लाभ उठा सकते हैं। डेलॉयट इंडिया की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। दोनों देशों के बीच व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (सीईपीए) इस वर्ष एक मई से लागू हुआ है। इसका उद्देश्य द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा देना और आगामी वर्षों में आपसी व्यापार को बढ़ाकर 100 अरब डॉलर पर पहुंचाना है। रिपोर्ट में कहा

गया, ''तरजीही व्यापार समझौते के तहत पारस्परिक हित के विभिन्न क्षेत्रों में ज्ञान और सर्वश्रेष्ठ तौर-तरीके साझा करने से दोनों अर्थव्यवस्थाओं को लाभ पहुंच सकता है।'' इसमें कहा गया है कि भारत की अर्थव्यवस्था अपनी घरेलू आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिए कच्चे तेल के आयात पर बहुत अधिक निर्भर है और रूस तथा यूक्रेन के बीच मौजूदा भूराजनीतिक तनाव तथा ईरान से आपूर्ति कम होने से व्यापक आर्थिक बुनियाद प्रभावित हो रही है। इसमें कहा गया, ''इन अस्थिरताओं का अर्थ यह है कि भारत को वैकल्पिक ईंधन की खोज करके और कच्चे तेल की आपूर्ति के लिए नए रास्तों की तलाश करके अपनी ऊर्जा निर्भरता को कम करना चाहिए जिससे कि निर्बाध आपूर्ति जारी रह सके।'' रिपोर्ट के मुताबिक, भारत-यूएई ऊर्जा साझेदारी के तहत यूएई ने भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं की प्रतिस्पर्धी दरों पर पूर्ति करने का वादा किया है। उसने भारतीय अर्थव्यवस्था को रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार के निर्माण में मदद देने का वादा भी किया है। इसमें कहा गया, ''इससे भारत ऊर्जा क्षेत्र में और आत्मनिर्भर बन सकेगा,'' तथा समझौते से खाड़ी क्षेत्र में भारतीय कार्यबल के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और यहां रहने वाले भारतीय स्वदेश जो धन भेजते हैं उसमें भी वृद्धि होगी।

डेलॉयट इंडिया में भागीदार एवं यूएई कॉरिडोर लीडर जेहिल ठक्कर ने कहा कि समझौते की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि इसे दोनों देशों में कितने प्रभावशाली तरीके से लागू किया जाता है। यह मुक्त व्यापार समझौता भारतीय कंपनियों को वृहद वैश्विक बाजार में कदम रखने और तेजी से बढ़ने का अवसर देगा। उन्होंने कहा कि सीईपीए से भारतीय स्टार्टअप को खाड़ी क्षेत्र के अन्य देशों बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर और सऊदी अरब तक पहुंच का अवसर भी मिलेगा।

ब्याज अनुदान योजना: सहकारी लोन पर ब्याज सब्सिडी

एजेंसी

देश के करोड़ों किसानों को खेती से जुड़े कार्यों के लिए कर्ज की जरूरत होती है। ऐसे में कई किसान अपने गांव और कस्बे के साहूकारों से कर्ज लेते हैं। यह कर्ज बहुत महंगा पड़ता है। इस कर्ज के लिए साहूकार के पास कुछ गिरवी भी रखना पड़ता है तभी वह क़र्ज़ देता है। कर्ज पर ब्याज दर इतनी ज्यादा होती है कि कर्ज चुकाने में किसान के पसीने छूट जाते हैं। वहीं अगर किसान बैंक से पर्सनल लोन लेता है तो वह भी ऊंची ब्याज दर के साथ आता है। तो क्या है सही रास्ता? किसानों को कर्ज के बोझ से बचाने के लिए केंद्र और राज्य सरकारें कई योजनाएं लेकर आई हैं। इनमें किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) एक लोकप्रिय योजना है। लेकिन आज हम बात करेंगे राजस्थान

सरकार की ब्याज सब्सिडी योजना के बारे में। आइए जानते हैं इस योजना में किसानों के लिए क्या खास है।

क्या है सब्सिडी?

समय पर ऋण चुकाने वाले किसानों के लिए सरकार सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों को कम ब्याज दरों पर अल्पकालिक और लंबी अवधि के लिए ऋण प्रदान करती है। कई किसान समय पर ऋण चुकाते हैं और कई किसान किसी कारणवश समय पर ऋण नहीं चुका पाते हैं। समय पर कर्ज चुकाने वाले किसानों के लिए राजस्थान सरकार ब्याज सब्सिडी योजना (Byaj Anudan Yojana) लेकर आई है। इस योजना के तहत राज्य सरकार किसानों द्वारा लिए गए ऋण पर चुकाए गए ब्याज में 5 प्रतिशत की सब्सिडी दे रही है। अब इस योजना के आने के बाद, समय पर कर्ज चुकाने वाले किसानों को इस छूट का लाभ मिल रहा है। बता दें कि यह ब्याज सब्सिडी या छूट लंबी अवधि के कर्ज के लिए ही दी जाएगी। अब समय पर कर्ज चुकाने वाले किसान सब्सिडी के बाद 5.15 फीसदी ब्याज दर पर कर्ज ले सकेंगे। यह योजना 31 मार्च 2023 तक लागू रहेगी। यह योजना सहकारी भूमि विकास बैंकों से लिए गए दीर्घकालिक ऋणों पर लागू होगी। राजस्थान के सहकारिता मंत्री ने कहा कि सरकार वित्तीय वर्ष 2014-15 से राजस्थान में किसानों के लिए प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंकों के माध्यम से वितरित दीर्घकालिक कृषि ऋण पर 5 प्रतिशत ब्याज सब्सिडी दे रही है। उन्होंने कहा कि इस योजना में विभिन्न प्रकार के ऋण जैसे डेयरी ऋण, भेड़, बकरी पालन ऋण आदि उन्नत प्रकार के जानवरों को खरीदने के लिए ऋण शामिल हैं। मंत्री ने कहा कि इन ऋणों पर भी राज्य सरकार ब्याज दर में 5 प्रतिशत की ब्याज सब्सिडी दे रही है। योजना के तहत लंबी अवधि के कृषि ऋण की किस्त समय पर चुकाने वाले किसानों को भी ब्याज दर में 5 प्रतिशत की सब्सिडी दी जा रही है। हालांकि यह सब्सिडी ऋण की किस्तों के समय पर भुगतान करने के बाद ही दी जाएगी। खेती से जुड़े कामों के लिए किसानों को दो तरह के कर्ज लेने के लिए जरूरत पड़ती है। सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं के माध्यम से किसानों को ऋण दिया जा रहा है। ऋण दो प्रकार के होते हैं - पहला अल्पकालिक फसली ऋण और दूसरा दीर्घकालीन कृषि ऋण। शॉर्ट टर्म लोन 6 महीने से 15 महीने के लिए दिया जाता है। इनका भुगतान आमतौर पर फसल के बाद ही कर दिया जाता है।

खुदरा रोजगार खोजने वाले लोगों की संख्या 11.8 फीसदी घटी : रिपोर्ट

एजेंसी

खुदरा क्षेत्र में नौकरी की तलाश करने वाले भारतीयों की संख्या अगस्त 2021 के मुकाबले इस वर्ष अगस्त में 11.80 फीसदी घट गई है। एक रिपोर्ट में यह अनुमान पेश किया गया है। वैश्विक रोजगार वेबसाइट 'इन्डीड' ने एक रिपोर्ट में कहा कि अगस्त 2019 से अगस्त 2022 के बीच के समय में खुदरा क्षेत्र में रोजगार 5.50 फीसदी घट गए और वैश्विक महामारी के दौरान तथा उसके बाद खुदरा क्षेत्र में नौकरी तलाश करने वाले भारतीय लोगों की संख्या भी घटी है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, अगस्त 2020 से अगस्त 2021 के बीच खुदरा रोजगार 27.70 फीसदी बढ़े थे लेकिन अगस्त 2021

से अगस्त 2022 के बीच इनमें 11.80 फीसदी की गिरावट आ गई। ऐसा मोटे तौर पर लॉकडाउन की वजह से और घर से ही काम करने (वर्क फ्रॉम होम) की संस्कृति की वजह से हुआ जिसमें लोगों ने त्योहारों के दौरान भी ऑनलाइन खरीदारी की। यह रिपोर्ट अगस्त 2019 से अगस्त 2022 के बीच इन्डीड मंच पर उपलब्ध आंकड़ों के विश्लेषण पर आधारित है। इसके मुताबिक खुदरा क्षेत्र में सबसे ज्यादा 22.9 फीसदी नौकरियां 'शाखा प्रबंधक' जैसी प्रबंधन भूमिका के लिए निकलीं जबकि सेल्स एसोसिएट स्तर पर यह आंकड़ा 10.07 फीसदी, स्टोर मैनेजर के लिए 9.52 फीसदी, लॉजिस्टिक्स के लिए 4.58 फीसदी और मर्चेंडाइजर के लिए 4.39 फीसदी रहा। नौकरी करने के इच्छुक लोगों की दिलचस्पी सबसे ज्यादा 15 फीसदी स्टोर मैनेजर पद के लिए, खुदरा सेल्स एसोसएटि (14.4 per फीसदी), कैशियर (11 फीसदी), शाखा प्रबंधक (9.49 फीसदी) और लॉजिस्टिक्स एसोसिएट (9.08 फीसदी) है। इन्डीड इंडिया के बिक्री प्रमुख शशि कुमार ने कहा, ''भारत में त्योहारी सीजन में बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए मौसमी रोजगार में बढ़ोतरी होती है।

जानिए क्या है सीबीडीसी और कैसे होगा आपको इससे फायदा

एजेंसी

केंद्रीय बैंक की डिजिटल मुद्राएं एक केंद्रीय बैंक द्वारा जारी क्रिप्टोक्यूरेंसी के समान डिजिटल टोकन होती हैं। वे उस देश की फिएट मुद्रा के मूल्य से आंकी जाती हैं। सीबीडीसी केंद्रीय बैंक द्वारा जारी डिजिटल रूप में एक कानूनी निविदा है। यह फिएट मुद्रा के समान है और फिएट मुद्रा के साथ एक-से-एक विनिमय योग्य है। सीधे शब्दों में सीबीडीसी केंद्रीय बैंक के पैसे का एक डिजिटल रूप है जो आम जनता के लिए व्यापक रूप से उपलब्ध होगा। ₹केंद्रीय बैंक धन₹ उस धन को संदर्भित करता है जो केंद्रीय बैंक की देयता है।

सीबीडीसी के महत्वपूर्ण फ़ीचर्स

एक केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा देश की फिएट मुद्रा का डिजिटल रूप है। सीबीडीसी किसी देश के मौद्रिक प्राधिकरण या केंद्रीय बैंक द्वारा जारी और विनियमित किया जाता है। सीबीडीसी वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देते हैं और मौद्रिक और राजकोषीय नीति के कार्यान्वयन को सरल बनता है। मुद्रा के एक केंद्रीकृत रूप के रूप में वे लेनदेन को छुपा नहीं सकते हैं जैसा कि कुछ क्रिप्टोकरेंसी करते हैं। कई देश यह पता लगा रहे हैं कि सीबीडीसी उनकी अर्थव्यवस्थाओं, मौजूदा वित्तीय नेटवर्क और स्थिरता को कैसे प्रभावित करेगा। कई देश सीबीडीसी विकसित कर रहे हैं और कुछ ने उन्हें लागू भी कर दिया है। चूंकि कई देश डिजिटल मुद्राओं में ट्रांजीशन के तरीकों पर शोध कर रहे हैं, इसलिए यह समझना महत्वपूर्ण है कि वे क्या हैं और समाज के लिए उनका क्या

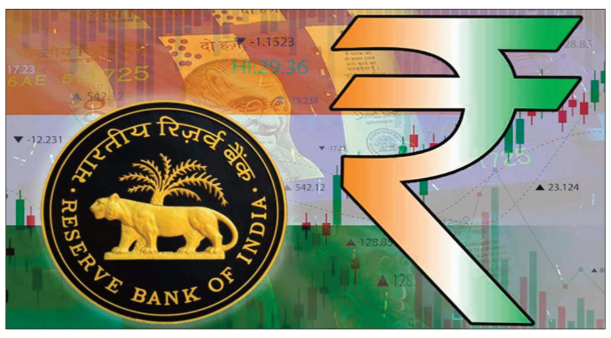

मतलब और फायदा है। डिजिटल फिएट करेंसी मुद्रा का वह रूप है जो किसी वस्तु, जैसे चांदी या सोने द्वारा समर्थित नहीं होता है। यह एक डिजिटल वाहक उपकरण है जिसे सभी प्रकार की डिजिटल भुगतान प्रणालियों और सेवाओं द्वारा संग्रहीत, स्थानांतरित और प्रसारित किया जा सकता है। ये फिएट मुद्राएं उदाहरण के लिए सिक्कों या बिलों के रूप में मुद्रित या भौतिक रूप से धारण करने में सक्षम हैं। फिएट मुद्रा के पारंपरिक रूपों और डिजिटल फिएट मुद्रा के बीच महत्वपूर्ण अंतर यह है कि डिजिटल फिएट मुद्राओं के लिए कोई भौतिक रूप नहीं होता है। दोनों भौतिक और डिजिटल फिएट मुद्राएं सरकार द्वारा मुद्रा के रूप में स्थापित की जाती हैं, जो अपनी मुद्रा के विनियमन की देखरेख करती है।

सीबीडीसी के लाभ और खामियां

सीबीडीसी एक नई अवधारणा है जिसे विभिन्न लाभों और कुछ संभावित कमियों के साथ पेश किया जा रहा है, सीबीडीसी के उपयोग के कुछ लाभों में शामिल हैं:

भुगतान दक्षता बढ़ाती है। मुद्रा और वित्तीय सेवाओं के वर्तमान रूपों को लागू करती है। आपराधिक गतिविधि को रोकती है। अंतरराष्ट्रीय भुगतान विकल्पों में सुधार करती है। संभावित रूप से शुद्ध लेनदेन लागत को कम करती है और निम्न-आय वाले परिवारों को लाभान्वित करती है। उरोक्त संभावित लाभों के साथ-साथ सीबीडीसी का उपयोग करने के विभिन्न जोखिम और कमियां भी हैं, जैसेः मौजूदा वित्तीय प्रणाली को ओवरहाल करने से अस्थिरता पैदा हो सकती है। मौद्रिक नीति की प्रभावशीलता बिगड़ सकती है। संचालन संबंधी कठिनाइयाँ आ सकती हैं । इसमें साइबर सुरक्षा जोखिम हो सकता है । गोपनीयता के रूप में गुमनाम रूप से लेनदेन करने की क्षमता का नुकसान हो सकता है। सीबीडीसी मुख्य रूप से दो प्रकार के होते हैंः 1. थोक सीबीडीसी थोक सीबीडीसी का उपयोग मुख्य रूप से बैंकों जैसे वित्तीय संस्थानों द्वारा किया जाएगा। सीबीडीसी के उपयोग से बैंक तेजी से और अधिक स्वचालित तरीके से भुगतान कर सकेंगे। सीमा पार लेनदेन तेज और अधिक विश्वसनीय हो सकता है। अपने वर्तमान स्वरूप में भुगतान निपटान प्रणालियाँ एकल क्षेत्राधिकार में या एकल मुद्रा के साथ कार्य करती हैं। ब्लॉकचेन तकनीक का उपयोग संभावित रूप से लेनदेन को तेज, आसान और अधिक विश्वसनीय बना सकता है। 2. खुदरा सीबीडीसी खुदरा सीबीडीसी का उपयोग मुख्य रूप से व्यक्तियों द्वारा किया जाएगा। लोग उन्हें अनिवार्य रूप से डिजिटल नकदी के रूप में उपयोग कर सकते हैं, यह जानकर कि मुद्रा देश के केंद्रीय बैंक द्वारा जारी और समर्थित है। यह इनोवेशन संभावित रूप से भौतिक मुद्रा ले जाने और मौजूदा वित्तीय प्रणाली में लेनदेन से जुड़े आर्थिक किराए को कम करने की आवश्यकता को प्रतिस्थापित कर सकता है। सबसे प्रमुख अंतरों में से एक यह है कि अधिकांश पारंपरिक क्रिप्टोकरेंसी विकेंद्रीकृत हैं, जिनमें कोई प्रबंधन या नियंत्रण प्राधिकरण नहीं है। दूसरी ओर, सीबीडीसी, जारी करने वाली सरकार के साथ डिजिटल मुद्रा को प्रबंधित और नियंत्रित करने की क्षमता बनाए रखने के साथ-साथ धन के प्रवाह को ट्रैक करने और यहां तक कि कुछ उपयोगकर्ताओं को उस डिजिटल मुद्रा में लेनदेन करने से रोकने के लिए केंद्रीकृत हैं। जब सीबीडीसी बनाम क्रिप्टोकरेंसी के मूल्य की बात आती है तो सीबीडीसी के पीछे अधिक सुरक्षा हो सकती है क्योंकि उन्हें सरकार द्वारा समर्थित किया जाता है। एक स्थिर राजनीतिक और मुद्रास्फीति के माहौल में सीबीडीसी से समय के साथ अपने मूल्य को बनाए रखने या कम से कम आंकी गई भौतिक मुद्रा को ट्रैक करने की अपेक्षा की जा सकती है। बिटकॉइन जैसी क्रिप्टोकरेंसी के लिए मुद्रा का मूल्य बिटकॉइन नेटवर्क और इसकी विकेंद्रीकृत प्रकृति में धारकों के विश्वास से प्राप्त होता है। बिटकॉइन के दीर्घकालिक मूल्य से संबंधित जोखिम पैदा करते हुए यह विश्वास समय के साथ नहीं रह सकता है।

एस जयशंकर ने किया नये भारतीय उच्चायोग चांसरी का उद्घाटन

एजेंसी

वेलिंगटन। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को वेलिंगटन में नये भारतीय उच्चायोग चांसरी का उद्घाटन किया और कहा कि एक-दूसरे की क्षमताओं का समन्वय करना भारत और न्यूजीलैंड के बीच अहम संबंधों को और प्रगाढ़ करने का अधिक विवेकपूर्ण तरीका है। विदेश मंत्री के तौर पर न्यूजीलैंड की पहली यात्रा पर आए जयशंकर ने यह भी कहा कि दोनों देशों के बीच संबंधों को नये सिरे से आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। जयशंकर ने रविवार को ट्वीट किया, ''वेलिंगटन में आज नये भारतीय उच्चायोग चांसरी का उद्घाटन किया। बेहद कम समय में मंत्री-स्तरीय तीन यात्राएं भारत-

न्यूजीलैंड संबंधों को प्रगाढ़ करने की हमारी साझा इच्छा दर्शाती है।'' उन्होंने कहा, ''भारत और न्यूजीलैंड के बीच संबंध हमारे प्रधानमंत्रियों नरेंद्र मोदी और जेसिंडा अर्डर्न की दूरदर्शिता तथा प्रतिबद्धता से मजबूत होते हैं।'' भारतीय समुदाय के सदस्यों को संबोधित करते हुए उन्होंने कारोबार, डिजिटल और कृषि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर जोर दिया। जयशंकर ने कहा, ''हमारे संबंधों को प्रगाढ़ करने का अधिक विवेकपूर्ण तरीका वास्तव में एक-दूसरे की क्षमताओं का समन्वय है। हमें अधिक कारोबार करने के रास्ते तलाशने चाहिए, क्योंकि आखिरकार कारोबार किसी भी रिश्ते के लिए अच्छा है। एक बार यदि किसी कारोबारी संबंध के लिए मजबूत नींव पड़ जाती है तो वह रिश्ता वाकई मजबूत और स्थिर रहता है।'' उन्होंने ट्वीट किया, ''कारोबार, डिजिटल, कृषि, शिक्षा, कौशल, पारंपरिक औषधि तथा समुद्री सुरक्षा क्षेत्रों में कारोबार की असीम संभावनाएं हैं। मजबूत सहयोग से हमारे साझा क्षेत्र में शांति, समृद्धि और प्रगति सुनिश्चित होगी।'' विदेश मंत्री ने नए चांसरी के उद्घाटन के दौरान वहां एकत्रित लोगों को संबोधित करते हुए कहा, ''हाल के वर्षों में हमारे प्रधानमंत्रियों नरेंद्र मोदी और जेसिंडा अर्डर्न ने कार्यक्रमों के इतर समय-समय पर मुलाकात करते हुए एक रिश्ता बनाया है...जब उच्च स्तर पर नेताओं की मुलाकात होती है तो उससे काफी फर्क पड़ता है।'' उन्होंने कहा, ''हमारा मानना है कि भारत और न्यूजीलैंड के संबंध को नए सिरे से मजबूत करने की आवश्यकता है। कई चुनौतियों, कई संभावनाएं हैं जो भारत और न्यूजीलैंड जैसे देशों के लिए महत्वपूर्ण हैं।'' जयशंकर ने कहा, ''मुझे यह संदेश देकर काफी खुशी हुई कि भारत कारोबार के लिए तैयार है और ऐसे कई क्षेत्र हैं जिसमें आपको अनुभव, क्षमताएं और आपके पास उत्कृष्ट प्रणालियां हैं, जिससे बड़ा फर्क पड़ता है।'' उन्होंने कहा कि डिजिटल संपर्क एक अन्य क्षेत्र है जिसमें वृहद सहयोग की संभावनाएं हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच कृषि-कारोबार के क्षेत्र में साझेदारी की भी असीम संभावनाएं हैं।

यूएनएचआरसी में मतदान से भारत के अनुपस्थित रहने पर चीन की खामोशी बरकरार

एजेंसी

चीन ने शिंजियांग में मानवाधिकारों की स्थिति पर संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) में हुए मतदान में भारत के अनुपस्थित रहने पर शनिवार को भी अपनी खामोशी बरकरार रखी।

हालांकि, चीन ने शिंजियांग में उइगर मुस्लिमों के खिलाफ अपनी कार्रवाई का बचाव करते हुए कहा कि यह आतंकवाद और अलगाववाद को रोकने के प्रति लक्षित है। जिनेवा में, यूएनएचआरसी में बृहस्पतिवार को शिंजियांग मुद्दे पर मतदान से भारत के अनुपस्थित रहने के बाद चीन की यह टिप्पणी आई है। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को भारत ने इस स्वायत्त क्षेत्र के लोगों के अधिकारों का सम्मान करने और गारंटी प्रदान करने की पहली बार अपील की थी। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा, ''मैंने संबद्ध खबरें देखी हैं और जोर देते हुए यह कहना चाहती हूं कि शिंजियांग से जुड़े मुद्दे मानवाधिकारों से नहीं, बल्कि आतंकवाद का मुकाबला करने से संबद्ध हैं।'' उन्होंने अपने भारतीय समकक्ष अरिंदम बागची की टिप्पणियों के बारे में पूछे गये एक सवाल के जवाब में यह कहा। माओ ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''प्रबल कोशिशों के कारण लगातार पांच वर्षों से शिंजियांग में हिंसक आतंकी घटनाएं नहीं हुईं।''

हालांकि, यूएनएचआरसी में मतदान से भारत के अनुपस्थित रहने पर उनकी प्रतिक्रिया मांगे जाने पर वह खामोश रहीं। संयुक्त राष्ट्र की शीर्ष मानवाधिकार संस्था में एक प्रस्ताव लाकर शिंजियांग में मानवाधिकारों की स्थिति पर चर्चा कराने की मांग की गई थी।

ब्रिटेन में गंभीर कदाचार की शिकायत मिलने के बाद व्यापार मंत्री बर्खास्त

एजेंसी

ब्रिटेन की प्रधानमंत्री लिज ट्रस ने अपने व्यापार मंत्री कोनोर बर्न्स के खिलाफ ''गंभीर कदाचार'' की शिकायत मिलने के बाद उन्हें तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर दिया है। 'डाउनिंग स्ट्रीट' ने कहा कि बोर्नमाउथ वेस्ट से कंजर्वेटिव पार्टी के सांसद बर्न्स को शुक्रवार को पार्टी व्हिप के पद से भी निलंबित कर दिया है, जबकि शिकायत की जांच की जा रही है। इसका मतलब है कि बर्न्स अब जांच पूरी होने तक संसद के एक स्वतंत्र सदस्य रहेंगे। 'डाउनिंग स्ट्रीट' के एक प्रवक्ता ने कहा, ''गंभीर कदाचार की शिकायत मिलने के बाद प्रधानमंत्री ने कोनोर बर्न्सको तत्काल प्रभाव से मंत्री पद छोड़ने के लिए कहा है।'' उन्होंने कहा, ''इस आरोप के बारे में सूचना मिलते ही प्रधानमंत्री ने सीधी कार्रवाई की और स्पष्ट है कि सभी मंत्रियों को व्यवहार के उच्च मानकों को बनाए रखना चाहिए - जैसा कि जनता उनसे उम्मीद करती है।'' बर्न्स (50) ने कहा कि वह जांच में पूरा सहयोग करेंगे। ट्विटर पर एक बयान में उन्होंने कहा कि उन्हें शिकायत के बारे में कोई विवरण नहीं दिया गया है या इस बारे में कोई जानकारी प्रदान करने के लिए नहीं कहा गया है। बर्न्स 2010 से सांसद हैं और पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन की सरकार में कई मंत्री पदों पर रहे हैं। 'टोरी व्हिप' कार्यालय के एक प्रवक्ता ने कहाः ''हमने इस सप्ताह की शुरुआत में अनुचित कदाचार के आरोपों की जांच लंबित रहने तक व्हिप को निलंबित कर दिया है। हम इस तरह के सभी आरोपों को बेहद गंभीरता से लेते हैं।

पाकिस्तानी थलसेना प्रमुख जनरल बाजवा ने क्षेत्रीय शांति की अपील की

एजेंसी

पाकिस्तान के थलसेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा ने शनिवार को क्षेत्रीय शांति और देशों के बीच सभी द्विपक्षीय मुद्दों के समाधान के लिए एक तंत्र विकसित करने पर जोर दिया। साथ ही, उन्होंने आगाह किया कि ''दुनिया बदल गई है, इसलिए हमें भी बदलना चाहिए, क्योंकि यथास्थिति की कीमत हम सभी के लिए विनाशकारी होगी।''

जनरल बाजवा (61) नवंबर में सेवानिवृत्त होने वाले हैं और काकुल स्थित प्रतिष्ठित पाकिस्तान मिलिट्री एकेडमी में उनका यह संभवतः अंतिम संबोधन था। उन्होंने किसी देश का नाम लिए बगैर क्षेत्रीय शांति और देशों के बीच सभी द्विपक्षीय मुद्दों के

समाधान के लिए एक तंत्र विकसित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ''हमें अपने सभी द्विपक्षीय मुद्दों का शांतिपूर्ण हल करने के लिए एक तंत्र विकसित कर शांति का मार्ग प्रशस्त करना चाहिए। एक दूसरे से लड़ने के बजाय हमें भूख, गरीबी, निरक्षरता, जनसंख्या विस्फोट, जलवायु परिवर्तन और रोग से संयुक्त रूप से लड़ना चाहिए।'' चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ ने कहा, ''दुनिया बदल गई है, इसलिए हमें भी बदलना चाहिये, क्योंकि यथास्थितिकी कीमत हम सभी के लिए विनाशकारी होगी।'' अपने संबोधन में जनरल बाजवा ने कहा, ''शांति के प्रयासों के तहत हमने सभी पड़ोसी और क्षेत्रीय देशों के साथ अच्छे पड़ोसी का संबंध बनाने के सारे प्रयास किए हैं...हम अपने राजनीतिक गतिरोध को दूर करने की कोशिश कर रहे हैं, जिसने दक्षिण एशिया के देशों को आगे बढ़ने से और सभी क्षेत्रीय एवं द्विपक्षीय मुद्दों को शांतिपूर्ण और गरिमामय तरीके से हल करने की दिशा में बढ़ने से रोका है।'' उन्होंने कहा कि शेष विश्व की तरह दक्षिण एशिया के देश समृद्धि और जीवन जीने की बेहतर परिस्थितियों के हकदार हैं, जो केवल सतत आर्थिक वृद्धि, विकास और टिकाऊ शांति से ही संभव है। उन्होंने कहा, ''इसलिए, हमें क्षेत्र से युद्ध की लपटों को दूर करने के लिये प्रयास करना चाहिए।'' उल्लेखनीय है कि भारत और पाकिस्तान के बीच संबंध कश्मीर मुद्दा और सीमा पार से होने वाले आतंकवाद को लेकर तनावपूर्ण बने हुए हैं।

बाजवा ने अपने संबोधन में यह भी चेतावनी दी कि शांति के लिए पाकिस्तान की इच्छा को कमजोरी का प्रतीक नहीं माना जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''किसी को भी हमारे मूल हितों और हमारी मातृभूमि की रक्षा करने के हमारे सामूहिक संकल्प के बारे में कोई गलतफहमी नहीं रखनी चाहिए।''

धमाकों से दहला यूक्रेन का खारकीव

एजेंसी

कीव। पूर्वी यूक्रेन का खारकीव शहर शनिवार तड़के कई धमाकों से दहल गया। हालांकि, इन धमाकों में अभी किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। ये धमाके ऐसे समय में हुए हैं, जब रूस ने यूक्रेन के उन इलाकों पर हमले तेज कर दिए हैं, जिन पर उसने अवैध तरीके से कब्जा जमाया था। धमाकों से आसमान में धुएं का गुबार बन गया और एक के बाद एक कई मिसाइलें दागी गईं। इस बीच, दक्षिणी जापोरिज्जिया शहर में आवासीय इमारतों पर हुए मिसाइल हमलों में मरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 14 हो गई है। खारकीव के मेयर इहोर तेरेखोव ने 'टेलीग्राम' पर कहा कि शनिवार तड़के हुए धमाके शहर के केंद्र में हुए मिसाइल हमलों का नतीजा हैं। उन्होंने बताया कि इन धमाकों से शहर के एक चिकित्सा संस्थान और एक गैर-आवासीय इमारत में आग लग गई। गौरतलब है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इस सप्ताह यूक्रेन के चार क्षेत्रों पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया, जिसमें जापोरिज्जिया क्षेत्र भी शामिल है। जापोरिज्जिया में यूरोप का सबसे बड़ा परमाणु ऊर्जा संयंत्र है, जिसके रिएक्टरों को पिछले महीने बंद कर दिया गया था।

पाकिस्तान की अदालत ने भ्रष्टाचार के मामले में गृहमंत्री के विरूद्ध गैर जमानती वारंट जारी किया

एजेंसी

पाकिस्तान की एक अदालत ने भ्रष्टाचार के एक मामले में बार-बार तलब किये जाने के बाद भी पेश नहीं होने पर गृहमंत्री राणा सनाउल्लाह के विरूद्ध शनिवार को गैर जमानती वारंट जारी किया। रावलपिंडी में वरिष्ठ दीवानी न्यायाधीश गुलाम अकबर की अदालत ने यह आदेश जारी किया, क्योंकि अदालत ने महसूस किया कि मामले की जांच के लिए उनकी गिरफ्तारी जरूरी है। इस मामले का संबंध पंजाब के चकवाल जिले के कल्लर कहार इलाके में उन्हें दो संपत्तियां रिश्वत के रूप में दिये जाने से है। आदेश में कहा गया है कि सनाउल्लाह प्राथमिकी में नामजद किये गये हैं और इस मामले में उनकी

गिरफ्तारी '' जरूरी है, इसलिए आरोपी के विरूद्ध गैर जमानती वारंट जारी किया जाए।'' उसमें कहा गया है, '' रिकार्ड से पता चलता है कि जांच अधिकारी की दलीलें वास्तविक हैं, इसलिए न्याय के हित में उसे स्वीकार किया जाता है और आरोपी राणा सनाउल्लाह के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया जाता है।'' 'डॉन' अखबार के अनुसार पंजाब के भ्रष्टाचार निरोधक प्रतिष्ठान ने इस घटनाक्रम की पुष्टि की है। विभाग के प्रवक्ता ने कहा, ''वारंट इसलिये जारी किये गए हैं, क्योंकि सनाउल्लाह बार-बार समन जारी किए जाने के बावजूद भ्रष्टाचार निरोधी जांच में शामिल होने में विफल रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि मंत्री को गिरफ्तार करने और जांच के लिये प्रस्तुत करने के वास्ते आदेश जारी किए गए हैं। विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि मंत्री पर कल्लर कहार में बिस्मिल्लाह हाउसिंग स्कीम में अधिसूचित दर से कम दाम पर दो फार्महाउस खरीदने का आरोप है। ये भूखंड उनकी पत्नी को बतौर रिश्वत दिये गये। पाकिस्तान तहरीक -ए-इंसाफ ने ट्वीट किया कि पुलिस दल सनाउल्लाह को गिरफ्तार करने रवाना हो चुका है।

संरा: भारत के नेतृत्व और प्रतिबद्धता की सराहना

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र के एक शीर्ष अधिकारी ने उच्च प्रभाव वाले 'दक्षिण-दक्षिण सहयोग' के विस्तार को लेकर भारत के 'विचारशील नेतृत्व और प्रतिबद्धता' की सराहना की है, क्योंकि भारत का जोर देकर कहना है कि उसका सहयोग किसी भूगोल या ज्यामिति की सीमा में बंधा नहीं है और वह (नयी दिल्ली) दुनिया भर के देशों की सहायता करता है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन ने 15 करोड़ अमेरिकी डॉलर के भारत-संयुक्त राष्ट्र विकास कोष की पांचवीं वर्षगांठ के अवसर पर शुक्रवार को यहां एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संयुक्त राष्ट्र की उप महासचिव अमीना मोहम्मद ने एक वीडियो संदेश में कहा कि कोविड-19 महामारी ने 2030 एजेंडा की उपलब्धि के लिए वैश्विक, अंतर-पीढ़ीय एकजुटता और सहयोग के नये तरीकों की आवश्यकता को स्पष्ट रूप से रेखांकित किया है। उन्होंने कहा, ''महामारी ने हमारे मौजूदा सामाजिक संबंधों की सीमाओं का परीक्षण किया है और यह साझा लक्ष्यों को प्राप्त करने में अपनी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों की समझ के तौर-तरीके को नया आकार प्रदान कर रही है। इसलिए 15 करोड़ अमेरिकी डालर का भारत-संयुक्त राष्ट्र कोष इतना महत्वपूर्ण है। यह इस बात का एक विशिष्ट और सफल उदाहरण है कि कैसे हम 'दक्षिण-दक्षिण सहयोग' को आगे बढ़ा सकते हैं और इसे वक्त पर उभरते देशों की जरूरतों की पूर्ति के

लिए और अधिक उत्तरदायी बन सकते हैं।'' अमीना ने उच्च प्रभाव वाले 'दक्षिण-दक्षिण सहयोग' के विस्तार को लेकर भारत के 'विचारशील नेतृत्व और प्रतिबद्धता' की सराहना की है। उन्होंने कहा, ''आइए हम इस सकारात्मक गति का इस्तेमाल करें और सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की प्राप्ति के लिए अपनी प्रतिबद्धताओं को और बढ़ाएं।'' विदेश राज्य मंत्री वी मुरलीधरन ने मुख्य भाषण देते हुए कहा कि पिछले पांच वर्षों में, कोष और इसकी गतिविधियां बढ़ी हैं। ''आज, भारत और संयुक्त राष्ट्र इस कोष के माध्यम से अपने सहयोगी प्रयासों में 'दक्षिण-दक्षिण सहयोग' के लिए नये मानक स्थापित कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''पिछले 75 वर्षों में विकास की हमारी अपनी यात्रा दक्षिण के अन्य विकासशील देशों के लिए कई आदर्श पेश करती है। डिजिटल कनेक्टिविटी हो, या वित्तीय समावेशन अथवा दो अरब से अधिक टीकाकरण, भारत आरोग्य समाधान प्रदान करता है और इन समाधानों को अन्य विकासशील देशों के साथ साझा करने के लिए हमेशा तैयार रहता है।'' मुरलीधरन ने कहा कि यह जरूरी है कि कोविड महामारी के बाद की स्थिति में, सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति को लेकर एलडीसी जैसे कमजोर क्षेत्रों, विशेष रूप से अफ्रीका और छोटे द्वीपीय देशों पर ध्यान केंद्रित करके प्राथमिकता दी जाए। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने कहा कि 'दक्षिण-दक्षिण और विकासशील सहयोग' के प्रति भारत की गहरी और स्थायी प्रतिबद्धता है।

रूस को क्रीमिया से जोड़ने वाले पुल पर विस्फोट, तीन की मौत

एजेंसी

रूस को क्रीमिया प्रायद्वीप से जोड़ने वाले एक पुल पर शनिवार को विस्फोट होने के बाद आग लग गई, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई और पुल आंशिक रूप से ढह गया। रूसी अधिकारियों ने यह जानकारी दी। क्रीमिया के जरिए ही रूस यूक्रेन के दक्षिणी हिस्से में युद्ध के लिए साजो-सामान भेजता है। क्रीमिया प्रायद्वीप की रूस समर्थित क्षेत्रीय संसद के अध्यक्ष ने इसके लिए यूक्रेन पर आरोप लगाया है, हालांकि रूस ने इसके लिए किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया है। यूक्रेनी अधिकारी समय-समय पर इस पुल पर हमला करने की धमकी देते रहे हैं और कुछ ने इस हमले की सराहना भी की है, लेकिन यूक्रेन ने इसकी जिम्मेदारी नहीं ली है। रूस की राष्ट्रीय आतंकवाद-रोधी समिति ने बताया कि ट्रक में रखा बम फटने से ईंधन ले जा रही ट्रेन की सात बोगियों में आग लग गई, जिसके परिणामस्वरूप ''पुल के दो हिस्से आंशिक रूप से ढह गए।'' काला सागर और आजोव सागर को जोड़ने वाले कर्च जलडमरूमध्य में साल 2018 में यह 19 किलोमीटर (12-मील) का पुल खोला गया था। यह यूरोप में सबसे लंबा पुल है। इसे बनाने में 3.6 अरब डॉलर का खर्च आया था। रूस ने साल 2014 में अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन कर यूक्रेन से क्रीमिया को छीन लिया था और फिर इस पुल का निर्माण कराया था। क्रीमिया प्रायद्वीप रूस के लिए प्रतीकात्मक महत्व रखता है और यह दक्षिण में उसके सैन्य अभियानों के

लिहाज से महत्वपूर्ण है। यदि पुल को बंद कर दिया जाता है, तो इससे क्रीमिया तक साजो-सामान भेजना और मुश्किल हो जाएगा। रूस के ऊर्जा मंत्रालय ने कहा कि क्रीमिया के पास 15 दिन के लिए पर्याप्त ईंधन है। उन्होंने कहा कि मंत्रालय स्टॉक फिर से भरने के तरीकों पर काम कर रहा है। अधिकारियों ने अगली सूचना तक पुल पर यात्री ट्रेनों की आवाजाही को निलंबित कर दिया गया है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को विस्फोट के बारे में जानकारी दे दी गई है और उन्होंने आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए एक सरकारी समिति बनाने का आदेश दिया है। क्रीमिया की रूस समर्थित क्षेत्रीय संसद के अध्यक्ष ने विस्फोट के लिए यूक्रेन को जिम्मेदार बताया है। हालांकि, उन्होंने कहा कि पुल को कम नुकसान पहुंचा है और तुरंत इसकी मरम्मत की जाएगी। क्रीमिया की संसद 'स्टेट काउंसिल ऑफ द रिपब्लिक' के अध्यक्ष व्लादिमीर कोन्स्टेंटिनोव ने टेलीग्राम ऐप पर यूक्रेन के बारे में कहा, ''अपने 23 साल के शासन में उन्होंने कुछ भी ऐसा नहीं बनाया जिसपर ध्यान दिया जा सके, लेकिन वे रूसी पुल को नुकसान पहुंचाने में कामयाब रहे हैं।'' यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की की पार्टी के सांसद ने शनिवार को इस दावे को खारिज कर दिया कि घटना के पीछे यूक्रेन का हाथ है। उन्होंने इसे क्रीमिया पर नियंत्रण करने और इसे रूसी मुख्यभूमि से मिलाने के रूस के प्रयासों का परिणाम करार दिया। 'सर्वेंट ऑफ द पीपुल्स पार्टी' के नेता डेविड अराखामिया ने टेलीग्राम पर लिखा, ''रूस का अवैध निर्माण ढहना शुरू हो रहा है और आग लग रही है। कारण सरल हैः यदि आप कोई विस्फोटक बनाते हैं, तो देर-सबेर वह आप पर भी फट ही जाएगा। और यह सिर्फ शुरुआत है।'' यूक्रेन के अन्य अधिकारियों ने इस घटना पर खुशी जताई है। यूक्रेन की राष्ट्रीय सुरक्षा एवं रक्षा परिषद के सचिव, ओलेक्सी डैनिलोव ने ट्विटर पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें बाईं ओर पुल पर आग लगने की तस्वीरें दिखाई दे रही हैं तो दूसरी ओर मर्लिन मुनरो का प्रसिद्ध गीत ''हैप्पी बर्थडे मिस्टर प्रेसिडेंट'' चल रहा है। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार यानी सात अक्टूबर को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का जन्मदिन था। वहीं, जेलेंस्की के एक सलाहकार, मिखाइलो पोडोलीक ने ट्वीट कियाः ''क्रीमिया, पुल, शुरुआत।

इमरान खान के हेलीकॉप्टर को तकनीकी खामी के कारण रावलपिंडी में उतारना पड़ा

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी आने के बाद उसे रावलपिंडी में आपात स्थिति में उतारना पड़ा। खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने ट्विटर पर शनिवार को जारी एक बयान में कहा कि वह खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत में डेरा इस्माइल खान कस्बे से बानीगाला जा रहे थे, उसी दौरान हेलीकॉप्टर को तकनीकी खामी के कारण रावलपिंडी के अदियाला गांव में उतारना पड़ा। बयान में कहा गया है कि बाद में खान सड़क मार्ग से इस्लामाबाद के पास स्थित अपने आवास के लिये रवाना हुए। पूर्व प्रधानमंत्री बाढ़ पीड़ितों को चेक बांटने के लिए डेरा इस्माइल खान जिला गए थे। गौरतलब है कि पिछले महीने खराब मौसम के कारण खान के विमान को उड़ान भरने के तुरंत बाद उताराना पड़ा था।

नटराज ने राष्ट्रीय खेलों की 100 मीटर फ्रीस्टाइल में जीता छठा स्वर्ण पदक

एजेंसी

ओलंपियन श्रीहरि नटराज ने शनिवार को यहां सरदार पटेल तरणताल परिसर में पुरूषों की 100 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में पहला स्थान हासिल कर राष्ट्रीय खेलों में तैराकी स्पर्धा में छठे स्वर्ण पदक से अपना अभियान खत्म किया।

नटराज ने 50.41 सेकेंड से समय स्वर्ण पदक जीतकर राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम किया। कर्नाटक के तैराक के सीनियर साथी साजन प्रकाश (केरल) ने पांच स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य पदक जीता। शनिवार को नटराज 100 मीटर फ्रीस्टाइल में शीर्ष पर रहे जबकि साजन सातवां स्थान ही हासिल कर सके। नटराज ने फ्रीस्टाइल स्प्रिंट में दो स्वर्ण, बैकस्ट्रोक में दो स्वर्ण के अलावा कर्नाटक की रिले टीम को दो स्वर्ण पदक दिलाये। एसपी लिखित ने 100 मीटर स्पर्धा जीतकर पुरूषों की बैकस्ट्रोक की तीन स्पर्धाओं में क्लीन स्वीप किया जिससे सेना के स्वर्ण पदकों की संख्या 44 हो गयी जिससे उसने दूसरे स्थान पर चल रही हरियाणा (30 स्वर्ण) से अंतर बढ़ा लिया। महाराष्ट्र (28 स्वर्ण) ने हरियाणा को चुनौती देना जारी रखा जिसके उससे केवल दो स्वर्ण कम हैं। कर्नाटक 23 स्वर्ण पदक से चौथे स्थान पर पहुंच गया हे जिसमें 19 पदक तरणताल स्पर्धाओं से मिले हैं। तमिलनाडु पदक तालिका में पांचवें

स्थान पर है। गुजरात पुरूषों की 'सॉफ्ट टेनिस' में मध्य प्रदेश पर 2-0 की जीत से मेजबान राज्य ने दिन का समापन 11 स्वर्ण पदकों से किया। गांधीनगर में दिल्ली के मोहित सहरावत ने कंधे की चोट के बावजूद पुरूषों की 81 किग्रा जूडो स्पर्धा में स्वर्ण पदक पर कब्जा किया। मोहित का दाहिना कंधा अपनी जगह से हिल गया था लेकिन उन्होंने और चोट से बचने के बजाय मुकाबला खेलने का फैसला किया। फिर उन्होंने दोनों सेमीफाइनल के बाद फाइनल मुकाबला जीत लिया। साइकिलिंग में कर्नाटक के नवीन जॉन ने पुरूष व्यक्तिगत टाइम ट्रायल स्पर्धा में अपने खिताब का बचाव किया जबकि मणिपुर की टोंगब्राम मनोरमा देवी ने बुखार और सिरदर्द के बावजूद महिलाओं की 85 किमी रोड रेस में पहला स्थान हासिल किया। वाटरपोलो स्पर्धा में सेना ने पुरूष और महाराष्ट्र ने महिला वर्ग की स्पर्धाओं के स्वर्ण पदक जीते।

सेना ने केरल को 10-8 से जबकि महाराष्ट्र ने केरल को 5-3 से पराजित किया। तमिलनाडु की एस वैष्णवी ने 134.22 अंक से महिलाओं की कलात्मक योगासन स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता। हॉकी में पुरूष वर्ग में कर्नाटक ने मेजबान गुजरात को 11-2 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनायी जिसमें उसका सामना हरियाणा से होगा जिसने तमिलनाडु पर 3-0 से जीत हासिल की। उत्तर प्रदेश ने पश्चिम बंगाल पर रोमांचक पेनल्टी शूटआउट में 5-4 की जीत से सेमीफाइनल में प्रवेश किया जिसमें उसका सामना महाराष्ट्र से होगा जिसने अंतिम क्वार्टरफाइनल में झारखंड को पराजित किया। मुक्केबाजी में चार घरेलू मुक्केबाजों ने क्वार्टरफाइनल में जगह बनायी। असिफाली असगार्ली सैयद (57 किग्रा), मीनाक्षी भानुशाली (57 किग्रा), परमजीत कौर (66 किग्रा) और रूचिता राजपूत (75 किग्रा) ने अपने मुकाबले जीते।

भारत के हरमनप्रीत सिंह को FIH मेन्स प्लेयर ऑफ ईयर चुना गया

एजेंसी

भारतीय डिफेंडर हरमनप्रीत सिंह को शुक्रवार को यहां लगातार दूसरी बार पुरूष वर्ग में एफआईएच का वर्ष का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। हरमनप्रीत लगातार वर्षों में पुरूष वर्ग में वर्ष का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जीतने वाले चौथे खिलाड़ी हैं, वह इस तरह नीदरलैंड के तेयून डि नूजीयर, आस्ट्रेलिया के जेमी ड्वेयर और बेल्जियम के आर्थर वान डोरेन के साथ इस एलीट सूची में शामिल हो गये हैं। एफआईएच ने एक बयान में कहा, ''हरमनप्रीत एक आधुनिक युग के हॉकी सुपरस्टार हैं। वह शानदार डिफेंडर हैं जिनमें प्रतिद्वंद्वी को पछाड़ने के लिय सही समय पर सही जगह पहुंचने की बेहतरीन क्षमता है।'' इसमें कहा गया, ''उसकी 'ड्रिब्लिंग' काबिलियत शानदार है। वह काफी गोल भी बनाता

है। अब उन्हें लगातार दूसरे साल एफआईएच का वर्ष का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया है।'' हरमनप्रीत (26 वर्ष) को कुल 29.4 अंक मिले, उनके बाद थिएरी ब्रिंकमैन के 23.6 और टॉम बून के 23.4 अंक हैं। भारतीय उप कप्तान हरमनप्रीत ने एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2021-22 में 16 मैचों में 18 गोल दागे हैं जिसमें दो हैट्रिक भी शामिल हैं। इन 18 गोल की बदौलत वह भारत के लिये सत्र के अंत में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी रहे और उने नाम प्रो लीग के एक ही सत्र में सबसे ज्यादा गोल करने का रिकॉर्ड भी दर्ज हो गया है।

भारत के महिला अंडर-17 कोच डेनरबी ने कहा, हमारा लक्ष्य क्वार्टर फाइनल में पहुंचना

एजेंसी

भारत को भले ही अंडर-17 महिला फुटबॉल विश्वकप में अमेरिका और ब्राजील जैसी शीर्ष टीमों के साथ एक ग्रुप में रखा गया हो लेकिन कोच थॉमस डेनरबी ने कहा कि उनकी टीम मजबूत टीमों को कड़ी चुनौती देने के लिए तैयार है और उसका लक्ष्य अंतिम आठ में जगह बनाना है। भारत 11 अक्टूबर को अमेरिका के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा। इसके बाद वह 14 अक्टूबर को मोरक्को और 17 अक्टूबर को ब्राजील से भिड़ेगा। डेनरबी ने प्रतियोगिता से पहले वर्चुअल बातचीत में संवाददाताओं से कहा, 'निश्चित तौर पर हमारा सामना शीर्ष टीमों से है लेकिन यदि हमारे लिए मैच वाला दिन अच्छा रहता है और दूसरी टीम थोड़ा खराब प्रदर्शन करती है तो हमारे पास मौका रहेगा। वैसे भी कमजोर टीम मैच जीतती रही हैं।' उन्होंने कहा,''अगर हम इन टीम के खिलाफ शुरू में गोल कर देते हैं तो उन पर दबाव आ जाएगा। मौके हमेशा रहते हैं और अगर हमें मौका मिलता है तो हमें उसका फायदा उठाना चाहिए।'' प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष पर रहने वाली दो टीम क्वार्टर फाइनल में जगह बनाएंगी। अगर फीफा की सीनियर रैंकिंग पर गौर किया जाए तो अमेरिका विश्व में नंबर एक पर काबिज है जबकि ब्राजील शीर्ष 10 में शामिल है।भारत की रैंकिंग 58 है और ग्रुप में केवल मोरक्को (76) उससे कम रैंकिंग वाली टीम है। डेनरबी ने कहा,''निश्चित तौर पर हम क्वार्टर फाइनल में जगह बनाना चाहते हैं इसमें कोई संदेह नहीं है।

आडवाणी ने जीता अपना 25वां विश्व खिताब

एजेंसी

भारत के चोटी के खिलाड़ी पंकज आडवाणी ने शनिवार को यहां विश्व चैंपियनशिप में बिलियर्ड्स के फाइनल में हमवतन सौरव कोठारी को 4-0 से हराकर अपने करियर का 25वां विश्व खिताब जीता। आडवाणी ने बेहतरीन खेल दिखाया और बड़ी संख्या में मौजूद दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। आडवाणी ने पहले फ्रेम से ही अपने इरादे साफ कर दिए थे कि वह कोठारी को कोई मौका नहीं देंगे। इस 150 से अधिक के प्रारूप में आडवाणी ने पहले फ्रेम को 149 के ब्रेक के साथ अपने नाम किया। तब तक कोठारी ने खाता भी नहीं खोला था। कोठारी को अपने पहले आईबीएसएफ (अंतरराष्ट्रीय बिलियर्ड्स एवं स्नूकर महासंघ) विश्व खिताब का इंतजार है। इस 'बेस्ट ऑफ सेवन' के फाइनल में

आडवाणी ने शुरू से बेहतरीन खेल दिखाकर एक कैलेंडर वर्ष में बिलियर्ड्स का राष्ट्रीय, एशियाई और विश्व खिताब जीतने का पांचवीं बार अनूठा कीर्तिमान स्थापित किया। कोठारी को दूसरे फ्रेम में कुछ मौके मिले लेकिन वह उसका फायदा नहीं उठा पाए। दूसरी तरफ आडवाणी ने 77 के ब्रेक की मदद से 2-0 की बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद आडवाणी के खेल में और निखार देखने को मिला और उन्होंने अपने कौशल से मलेशियाई दर्शकों को भी मंत्रमुग्ध कर दिया। आडवाणी ने तीसरे फ्रेम में 153 का टूर्नामेंट का सर्वोच्च ब्रेक बनाया, जिससे वह खिताब से केवल एक फ्रेम दूर रह गए थे। आडवाणी ने चौथे फ्रेम में भी दिखाया कि आखिर उन्हें दुनिया का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी क्यों माना जाता है। उन्होंने 80 और 60 के दो ब्रेक बनाकर खिताब अपने नाम किया। कोठारी का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा और उन्होंने केवल 72 अंक बनाए। दूसरी तरफ आडवाणी ने 600 से अधिक अंक बनाकर लगातार पांचवें वर्ष खिताब जीता। कोरोना वायरस के कारण पिछली विश्व चैंपियनशिप 2019 में खेली गई थी। आडवाणी ने बाद में कहा,'' लगातार पांचवीं बार खिताब का बचाव करना सपना सच होने जैसा है। मैंने जिस तरह का खेल दिखाया और जिस तरह से मैंने इस वर्ष प्रत्येक बिलियर्ड्स प्रतियोगिता में खिताब जीता उससे वास्तव में मैं बहुत खुश हूं। मैं अपने देश को विश्व स्तर पर एक और स्वर्ण पदक दिलाने से सम्मानित महसूस कर रहा हूं।'' आडवाणी ने इससे पहले आखिरी विश्व खिताब 12 महीने पहले कतर में जीता था।

आईओ में महासचिव की जगह सीईओ की नियुक्ति का आईओसी का सुझाव

एजेंसी

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने पिछले महीने स्विटजरलैंड में हुई संयुक्त बैठक में सुझाव दिया है कि भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) दिसंबर में होने वाले चुनाव के बाद महासचिव के चुनाव की बजाय 'सीईओ की नियुक्ति' कर सकता है। आईओसी, एशियाई ओलंपिक परिषद, आईओए और खेल मंत्रालय के अधिकारियों की बैठक 27 सितंबर को लुसाने में हुई। इससे पहले आईओसी ने अंतिम चेतावनी दी थी कि अगर पांच से सात दिसंबर के बीच होने वाली आईओसी कार्यकारी बोर्ड की अगली बैठक से पहले आईओए के चुनाव की घोषणा नहीं की गई तो इस पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है। बैठक में भारत के पहले ओलंपिक व्यक्तिगत स्वर्ण पदक विजेता निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने भी भाग लिया था। आईओसी ने बैठक के बाद जारी सार में कहा ,'' आईओसी और ओसीए अतिरिक्त बदलाव का भी सुझाव देंगे मसलन महासचिव की जगह सीईओ की नियुक्ति करना और स्वतंत्र नैतिकता आयोग और एथलीट आयोग की नियुक्ति वगैरह।'' अभी तक भारत में अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ समेत कुछ ही राष्ट्रीय खेल महासंघों में वेतनभोगी महासचिव की नियुक्ति की जाती है। आईओए के चुनाव पिछले साल दिसंबर में होने थे लेकिन संविधान को खेल कोड के अनुरूप बनाने के लिये उसमें बदलाव की मांग करने वाली एक याचिका पर दिल्ली उच्च न्यायालय में सुनवाई लंबित होने के कारण इसे टाल दिया गया था।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत-न्यूजीलैंड द्विपक्षीय क्रिकेट रिश्तों की सराहना की

एजेंसी

वेलिंगटन। विदेश मामलों के मंत्री एस जयशंकर ने न्यूजीलैंड के साथ द्विपक्षीय क्रिकेट रिश्तों की सराहना करते हुए कहा है कि देश में इस खेल के विकास में योगदान के लिए भारत हमेशा पूर्व कोच जॉन राइट और स्टीफन फ्लेमिंग का आभारी रहेगा। आधिकारिक यात्रा पर न्यूजीलैंड आए जयशंकर ने कहा कि क्रिकेट के मैदान पर दोनों देशों के बीच सहयोग उदाहरण है जिसका अन्य देश अनुसरण कर सकते हैं। जयशंकर ने कहा, ''हमारे पास क्रिकेट के क्षेत्र में सहयोग का भी अच्छा उदाहरण है। भारत में कोई भी कभी जॉन राइट को नहीं भूलेगा या जो आईपीएल मैच देखता हो वह स्टीफन फ्लेमिंग की अनदेखी नहीं कर सकता। क्रिकेट के

साथ हम सभी को शुभकामनाएं देते हैं फिर भले ही हम चाहते हैं कि हमारी टीम जीते।'' राइट 2000 से 2005 तक भारतीय क्रिकेट टीम के कोच रहे। वह भारतीय टीम से जुड़ने वाले पहले विदेशी कोच थे। उन्होंने 2010 से 2012 तक न्यूजीलैंड टीम को भी कोचिंग दी। उनके मार्गदर्शन में भारत 2003 में एकदिवसीय विश्व कप के फाइनल में पहुंचा जिसकी मेजबानी दक्षिण अफ्रीका, जिंबाब्वे और कीनिया ने संयुक्त रूप से की थी। वह 2013 में इंडियन प्रीमियर लीग टीम मुंबई इंडियन्स के कोच भी रहे और टीम ने उनके मार्गदर्शन में खिताब जीता। वह इसके बाद सात साल तक आईपीएल की सबसे सफल टीम के साथ काम करते रहे। संन्यास के बाद फ्लेमिंग 2008 में चेन्नई सुपरकिंग्स की ओर से खेले। वह अगले साल टीम के खिलाड़ी सह कोच बने। फ्लेमिंग के मार्गदर्शन में सुपरकिंग्स ने शुरुआती छह साल में दो आईपीएल खिताब जीते और दो बार टीम उप विजेता रही। टीम ने इस दौरान एक बार चैंपियन्स लीग टी20 खिताब भी जीता। सुपरकिंग्स के दो साल के प्रतिबंध के बाद वापसी करने पर उन्होंने भी 2018 में कोच के रूप में वापसी की। उनके मार्गदर्शन में टीम ने 2018 और 2021 में दो और आईपीएल खिताब जीते।

महिला एशिया कप : थाईलैंड के खिलाफ प्रयोग जारी रखना चाहेगी भारतीय टीम

एजेंसी

सिलहट। सेमीफाइनल स्थान पक्के हो चुके हैं और भारतीय टीम सोमवार को जब यहां महिला एशिया कप मुकाबले में मजबूत इरादों वाली थाईलैंड के खिलाफ मैदान पर उतरेगी तो उसकी कोशिश अंतिम एकादश में प्रयोग करना जारी रखने की होगी। भारत ने टूर्नामेंट में अभी तक अपने सभी मैचों में अलग अलग अंतिम एकादश उतारी है ताकि अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप से पहले उन खिलाड़ियों को मौका दिया जा सके जो अंतिम एकादश में नियमित तौर पर नहीं खेलते। बल्लेबाजी क्रम में लगातार फेरबदल

किया जा रहा है जिसमें कप्तान हरमनप्रीत कौर को पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में सातवें स्थान पर उतारा गया था लेकिन यह कदम कारगर नहीं रहा और 'नये लुक' वाला मध्यक्रम दबाव में ढह गया जिससे टीम को चिर प्रतिद्वंद्वी से छह साल में पहली हार झेलनी पड़ी। पर फिर भी टीम फेरबदल करना जारी रखेगी। पाकिस्तान से हारने बावजूद हालांकि भारतीय टीम ने अगले मैच में मजबूत वापसी की और सभी विभागों में शानदार प्रदर्शन करते हुए गत चैम्पियन व मेजबान बांग्लादेश को परास्त किया। भारतीय टीम एकजुट इकाई के तौर पर प्रदर्शन कर रही है और गेंदबाजी विभाग पूरे टूर्नामेंट के दौरान निरंतर रहा है जबकि बल्लेबाजों ने अपनी भूमिका अच्छी तरह निभायी है। भारत के बल्लेबाजी क्रम के लिये सबसे सकारात्मक चीज शेफाली वर्मा का फॉर्म में लौटना रही है। इस युवा सलामी बल्लेबाज ने पिछले मैच में अर्धशतक जड़ा जो उसके आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिये अहम होगा। स्मृति मंधाना ने भी टूर्नामेंट के दौरान कुछ रन बटोरे हैं। कप्तान हरमनप्रीत कौर को हल्की चोट के कारण पिछले मैच में आराम दिया गया था जिससे देखना होगा कि वह टीम के अंतिम ग्रुप मैच में वापसी करेंगी या नहीं। चोट से वापसी कर रहीं जेमिमा रोड्रिग्स के लिये टूर्नामेंट काफी अच्छा रहा है और वह शीर्ष स्कोरर बनी हुई हैं। दीप्ति शर्मा ने बल्ले और गेंद दोनों से चमक बिखेरी है। यह स्पिन आल राउंडर बांग्लादेश की रूमाना अहमद और थाईलैंड की टी पुतावोंग के साथ सबसे ज्यादा विकेट झटकने वाली गेंदबाजों में शामिल है। इन तीनों ने आठ आठ विकेट झटके हैं। ऋचा घोष ने टी20 टीम में खुद को शामिल करने के लिये मजबूत दावा पेश कर दिया है और यह युवा विकेटकीपर इसी लय को जारी रखना चाहेगी।

सर्वश्रेष्ठ पुरूष और महिला कोच चुने गये रीड और शॉपमैन

एजेंसी

भारतीय पुरूष और महिला हॉकी टीम के कोच ग्राहम रीड और यानेके शॉपमैन गुरूवार को अपने वर्गों में एफआईएच के साल के सर्वश्रेष्ठ कोच चुने गये। लगातार दूसरी बार रीड ने यह पुरस्कार अपने नाम किया है जबकि भारतीय कोच शोर्ड मारिन ने पिछले सत्र का महिला टीम के लिये एफआईएच साल के सर्वश्रेष्ठ कोच का पुरस्कार जीता था। आस्ट्रेलिया के रीड के मार्गदर्शन में भारत ने नई ऊंचाईयां छुईं जिसमें 41 साल के अंतराल बाद 2021 में तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतना शामिल रहा। भारत ने इसके अलावा 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में एक रजत पदक जीता जबकि आस्ट्रेलिया में पिछले चरण में टीम

पोडियम स्थान से चूक गयी थी। भारत ने 2021-22 में एफआईएच हॉकी प्रो लीग में पहला पूर्ण सत्र खेला और पोडियम स्थान हासिल किया। टीम नीदरलैंड और बेल्जियम के बाद तीसरे स्थान पर रही। भारतीय टीम इसमें 62 गोल करने में सफल रही जो किसी भी टीम द्वारा किये गये इस सत्र में ही नहीं बल्कि प्रो लीग के इतिहास में सर्वाधिक गोल हैं। अप्रैल 2019 में टीम के मार्गदर्शन की जिम्मेदारी संभालने वाले रीड उस भारतीय पुरूष हॉकी टीम के भी कोच थे जिन्होंने इस साल लुसाने में शुरूआती एफआईएच हॉकीफाइव्स जीता था, जिसमें टीम ने प्रत्येक मैच जीते। उन्होंने ऑनलाइन मतदान में 31.4 अंक मिले। उनके बाद नीदरलैंड के कोच जेरोएन डेलमी और बेल्जियम के कोच माइकल वान डेन हेयुवेल शामिल थे जिन्हें क्रमशः 26.9 और 20.2 अंक मिले। ऑनलाइन मतदान में विशेषज्ञों के 40 प्रतिशत, टीमों के 20 प्रतिशत तथा प्रशंसकों और मीडिया के 20-20 प्रतिशत मत थे। रीड ने विज्ञप्ति में कहा, ''ये पुरस्कार किसी व्यक्ति का नहीं बल्कि टीम किस तरह खेलती हैं, उनके प्रदर्शन को दर्शाते हैं। मुझे लगता है कि मैं ग्रुप में इसी तरह का माहौल तैयार करने की कोशिश करता हूं। पुरस्कार पाना शानदार है लेकिन मुझे लगता है कि पूरी टीम ने यह उपलब्धि हासिल की है।'' उन्होंने कहा, ''अन्य टीमों के कोच भी विश्व स्तर के हैं, उनका चीजों को करने का तरीका अलग है और इनके बीच यह पुरस्कार जीतना बड़ा सम्मान है।'' वहीं शॉपमैन को 38.2 अंक मिले, उन्होंने नीदरलैंड कोच जैमिलोन मुल्डर्स (28.2 अंक) और आस्ट्रेलिया की कोच कैटरीना पॉवेल (19.5 अंक) को पछाड़ा। भारतीय महिला टीम ने तोक्यो ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन किया जिसमें वह कांस्य पदक से चूक गयी। शॉपमैन के मार्गदर्शन में भारतीय टीम ने एफआईएच हॉकी प्रो लीग के 2021-22 सत्र में पदार्पा किया और शानदार नतीजे हासिल किये जिसमें जर्मनी, नीदरलैंड, स्पेन और चैम्पियन बनी अर्जेंटीना से (शूटआउट में) पर जीत शामिल है जिससे टीम तीसरे स्थान पर रही। भारतीय टीम बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में 16 साल में पहली बार पोडियम स्थान पर रही। टीम ने कांस्य पदक के मैच में शूटआउट में न्यूजीलैंड को हराया। उन्होंने कहा, ''दुनिया की कुछ सर्वश्रेष्ठ कोचों के खिलाफ इस पुरस्कार को जीतना शानदार है।

सफलता के लिये प्रक्रिया और 'रूटीन' का पालन करना जरूरी है : सूर्यकुमार यादव

एजेंसी

ब्रिसबेन। भारत के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को अपने अभी तक के छोटे से अंतरराष्ट्रीय करियर में काफी सफलता मिली है और उनका मानना है कि आस्ट्रेलिया में उनके पहले टी20 विश्व कप में अच्छे अभियान के लिये अहम चीज 'प्रकिया और रूटीन' का अनुकरण करना होगी। रविवार को यहां आस्ट्रेलिया में अपने पहले अभ्यास सत्र के बाद इस बल्लेबाज ने कहा कि नेट पर उनका मुख्य ध्यान परिस्थितियों का आकलन करने पर लगा है। पिछले साल मार्च में टी20 अंतरराष्ट्रीय में पदार्पण करने के बाद सूर्यकुमार इस प्रारूप के आक्रामक

खिलाड़ियों में से एक बन गये हैं जिससे वह आईसीसी टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गये। बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) द्वारा जारी एक वीडियो में इस खिलाड़ी ने कहा, ''मैं यहां आकर पहला अभ्यास सत्र करने के लिये उत्साहित था ताकि मैं मैदान पर जाकर देखूं, यहां दौड़कर देखूं और देखूं कि यह कैसा लगता है। पहला नेट सत्र भी शानदार था, मैं विकेट की तेजी देखना चाहता था कि उछाल किस तरह का है।'' भारतीय टीम 23 अक्टूबर को मेलबर्न क्रिकेट मैदान पर चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ अपना टी20 विश्व कप अभियान शुरू करेगी। सूर्यकुमार ने कहा, ''नेट पर थोड़ी धीमी शुरूआत की क्योंकि निश्चित रूप से थोड़ी सी बेचैनी थी और उत्साह भी लेकिन साथ ही आपको माहौल से तालमेल बिठाने के तरीकों को देखना होगा और सही समय पर इनका चयन करना होगा। मैं बस इस समय यही कर रहा हूं।'' उन्होंने कहा, ''उत्साहित हूं लेकिन साथ ही आपको अपनी प्रक्रिया और रूटीन का पालन करना होता है।''

अयोध्या में राम मंदिर के मुख्य पुजारी ने आदिपुरुष फिल्म पर तत्काल प्रतिबंध लगाने की मांग की

अयोध्या में राम मंदिर के मुख्य पुजारी सत्येंद्र दास ने 'आदिपुरुष' फिल्म पर तत्काल प्रतिबंध लगाने की मांग करते हुए कहा कि इसमें भगवान राम, हनुमान और राक्षस राजा रावण को गलत तरीके चित्रित किया गया है। मुख्य पुजारी सत्येंद्र दास ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, आदिपुरुष फिल्ममे रावण का जो स्वरूप दर्शाया गया है बिल्कुल गलत है, ये निंदनीय है। इस पर हमने मीडिया के माध्यम से फिल्म पर तुरंत प्रतिबंध लगाये जाने की मांग की है क्योंकि रावण की वह भूमिका नहीं थी जो फिल्म मे बताया जा रहा है।" फिल्म के 1.46 मिनट के टीजर पर प्रतिक्रिया देते हुए दास ने कहा कि इसी तरह भगवान राम और हनुमान की भूमिका वह नहीं थी जो फिल्म में दिखाई जा रही है और इसलिए यह गरिमा के खिलाफ है। इस मुद्दे पर, भाजपा सांसद बृज भूषण सिंह ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि इस तरह के विवाद जानबूझकर पैदा किए जा रहे हैं। सिंह एक शस्त्र पूजा कार्यक्रम में शामिल होने के लिए यहां आए थे। भाजपा सांसद ने कहा कि फिल्म बनाना अपराध नहीं है, फिल्में बननी चाहिए लेकिन जानबूझकर विवाद पैदा करना ताकि फिल्म चर्चा में न आए। गौरतलब हैं कि ओम राउत द्वारा निर्देशित इस फिल्म का पहला ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है जिसमें प्रभास भगवान राम की भूमिका में, सैफ अली खान रावण की भूमिका में और कृति सेनन सीता की भूमिका में हैं। यह फिल्म पौराणिक महाकाव्य रामायण पर आधारित है।

ऑस्कर विजेताओं ने ईरान में जारी विरोध प्रदर्शन के समर्थन में अपने बाल काटे

फ्रांस की ऑस्कर पुरस्कार से सम्मानित अभिनेत्रियों मेरियन कोटीलार्ड और जूलिएट बिनोच समेत विभिन्न हस्तियों ने ईरान में जारी प्रदर्शनों के समर्थन में बुधवार को अपने बाल काट लिए। उन्होंने सोशल मीडिया पर इसकी वीडियो भी साझा की। बिनोच ने अपने बाल काटते हुए कहा, "आजादी के लिए।" इसके बाद उन्होंने अपने कटे हुए बाल हवा में लहराए। 'हेयर फॉर फ्रीडम' हैशटैग के साथ साझा की गई यह वीडियो ऐसे समय में आई है जब ईरान में सरकार विरोधी प्रदर्शन चल रहे हैं। दरअसल, ईरान में हाल में हिजाब सही तरीके से नहीं पहनने के आरोप में 22 वर्षीय महसा अमीनी को गिरफ्तार कर लिया गया था, जिसके बाद उनकी मौत हो गई थी। इस घटना के बाद ईरान में सरकार विरोधी प्रदर्शन शुरू हो गए। कुछ प्रदर्शनकारियों ने विरोधस्वरूप अपने बाल काटकर हवा में लहराए, जिसके बाद यह सिलसिला बन गया। कोटीलार्ड, बिनोच और दर्जनों अन्य महिलाओं ने अपने बाल काटने का एक वीडियो इंस्टाग्राम अकाउंट पर जारी किया है।

पंत के पीछे ऑस्ट्रेलिया पहुंची उर्वशी रौतेला? पलकें बिछाएं कर रहीं मिलने का इंतजार

बॉलीवुड अदाकारा उर्वशी रौतेला एक बार फिर से अपने पंत फैक्टर को लेकर सुर्खियों में आ गयी हैं। अभिनेत्री ने रविवार यानी 9 अक्टूबर को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर कुछ पोस्ट शेयर की, जिसके बाद उनका नाम फिर से भारतीय क्रिकेटर ऋषभ पंत के साथ जुड़ गया है। दरअसल, उर्वशी इस वक्त ऑस्ट्रेलिया में हैं और इस बात की जानकारी उन्होंने खुद अपने इंस्टाग्राम हैंडल के जरिए फैंस को दी है। उर्वशी रौतेला ने अपनी प्लेन में बैठे तस्वीरें शेयर की और उनके साथ कैप्शन में लिखा, 'मैंने मेरे दिल को फॉलो किया और ये मुझे ऑस्ट्रेलिया ले गया'। बता दें, भारतीय क्रिकेट टीम इन वक्त टी20 वर्ल्ड कप के लिए ऑस्ट्रेलिया में हैं और ऋषभ पंत भी टीम का हिस्सा हैं। ऐसे में लोग अभिनेत्री के पोस्ट को क्रिकेटर के साथ जोड़कर देख रहे हैं। सोशल मीडिया पर उर्वशी के पोस्ट वायरल होने के बाद लोगों का ध्यान उनकी तरफ आकर्षित हो गया है और वह ट्रोलर्स के निशाने पर आ गईं। इस समय सोशल मीडिया पर लोगों द्वारा अभिनेत्री का जमकर मजाक उड़ाया जा रहा है। अभिनेत्री बस यहीं नहीं रुकी, उन्होंने अपनी दो और तस्वीरें शेयर की, जिनमें वह पिंक कलर की साड़ी पहनकर बेड पर लेती नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों के साथ कैप्शन में उर्वशी ने दर्द भरी शायरी लिखी, 'मुझे सिर्फ इतना बता दो इंतज़ार करू तुम्हारा, या बदल जाऊ तुम्हारी तरह।' अभिनेत्री की खूबसूरत तस्वीर से ज्यादा उनकी दर्द भरी शायरी ने लोगों का ध्यान अपनी और खींचा। उर्वशी के इस पोस्ट के इंटरनेट पर चर्चा में आने के बाद लोग शायरी भरे अंदाज में उनकी टांग खींचते नजर आ रहे हैं।

वेब सीरीज 'ताली' से रिलीज हुआ अभिनेत्री का दमदार लुक

आर्या की दमदार सफलता के बाद बॉलीवुड अभिनेत्री सुष्मिता सेन एक बार फिर से ओटीटी प्लेटफार्म पर आग लगाने के लिए तैयार हैं। अभिनेत्री ने गुरुवार को अपने नए प्रोजेक्ट 'ताली' का ऐलान किया और इसका फर्स्ट पोस्टर भी शेयर किया। 'ताली' के फर्स्ट लुक में सुष्मिता ट्रांसजेंडर के किरदार में दिखाई दे रही हैं और हाथों से ताली बजाती नजर आ रही हैं। वेब सीरीज से अपने फर्स्ट लुक को शेयर करते हुए अभिनेत्री ने लिखा, 'ताली, बजाऊँगी नहीं, बजवाऊँगी! #श्रीगौरीसावंत के रूप में #फर्स्टलुक। इस खूबसूरत व्यक्ति को चित्रित करने और उसकी कहानी को दुनिया के सामने लाने का सौभाग्य पाने के लिए मुझे कुछ भी गर्व और आभारी नहीं बनाता है!! यहाँ जीवन है और सभी को इसे सम्मान के साथ जीने का अधिकार है!!!' अभिनेत्री अपने लेटेस्ट लुक काफी दमदार नजर आ रही हैं और लोगों को उनका ये रूप काफी पसंद भी आ रहा है। सुष्मिता सेन, वेब सीरीज 'ताली' में ट्रांसजेंडर श्री गौरी सावंत निभाने वाली हैं। गौरी एक सोशल एक्टिविस्ट है और सेक्स वर्करों के लिए काम करती हैं। अभिनेत्री के फर्स्ट लुक पर श्री गौरी सावंत का भी बयान सामने आ गया है। आजतक से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'एक हिजड़े का किरदार विश्व सुंदरी कर रही है। यह पूरे ट्रांसजेंडर कम्यूनिटी के लिए बहुत खुशी की बात है। मुझे लगता है कि सुष्मिता सेन इस किरदार के साथ पूरा जस्टिस करेंगी। ट्रांसजेंडर के ऊपर बायोपिक बनना अपने आपमें बहुत बड़ी बात है।'

ट्रांसजेंडर का किरदार निभाएंगी सुष्मिता

अनारकली सूट में आलिया भट्ट ने बांधा समां, सोशल मीडिया पर वायरल हुई बेबी शॉवर सेरेमनी की तस्वीरें

बॉलीवुड में अपनी एक्टिंग का परचम लहराने वाली अभिनेत्री आलिया भट्ट जल्द ही माँ बनने वाली हैं। कपूर और भट्ट खानदान के अलावा फैंस भी अभिनेत्री के फैंस भी नन्हे मेहमान का बड़ी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इन सब के बीच आज यानी बुधवार को वास्तु अपार्टमेंट में आलिया की बेबी शॉवर सेरेमनी रखी गई थीं, जिसकी तस्वीरें अब सामने आ गयी हैं। आलिया के बेबी शॉवर की तस्वीरों पर उनके फैंस जमकर प्यार लुटाते नजर आ रहे हैं। मॉम-टू-बी आलिया भट्ट ने अपनी बेबी शॉवर सेरेमनी में पीले रंग का सिंपल अनारकली सूट पहना था, जिसमें वह काफी खूबसूरत लग रही थीं। प्रेगनेंसी का ग्लो अभिनेत्री के चेहरे पर साफ़ नजर आ रहा था। वहीं रणबीर कपूर पिंक और सफेद रंग के कुर्ते पाजामें में नजर आएं। बेबी शॉवर की तस्वीरें रिद्धिमा कपूर, करिश्मा कपूर और वहां मौजूद अन्य लोगों ने शेयर की है। तस्वीरें देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि कपूर-भट्ट खानदान घर में नन्हें मेहमान के आने को लेकर कितना उत्साहित हैं। बता दें, आलिया के बेबी शॉवर में परिवारवालों के अलावा बॉलीवुड की कई हस्तियां भी शामिल हुई। आलिया भट्ट बेबी शॉवर की तस्वीरें इस वक्त सोशल मीडिया छाई हुई हैं। अभिनेत्री की सादगी से लोग काफी इम्प्रेस नजर आ रहे हैं और उनके लुक की जमकर तारीफ कर रहे हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो आलिया भट्ट जल्द ही बॉलीवुड की फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी और हॉलीवुड की हार्ट ऑफ स्टोन में नजर आएंगी।

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने प्रदर्शनकारी ईरानी महिलाओं का समर्थन किया

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जोनास ने ईरान की उन "साहसी महिलाओं" के प्रति समर्थन जताया है, जो 22 वर्षीय महसा अमीनी की मौत के मामले पर विरोध प्रदर्शन कर रही हैं। प्रियंका (40) ने प्रदर्शनकारी ईरानियों के लिए 'इंस्टाग्राम' पर एक संदेश पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने प्रदर्शनकारी महिलाओं की तारीफ की। अभिनेत्री ने लिखा, "मैं आपके साहस की तारीफ करती हूं। अपनी जान जोखिम में डालना, पितृसत्तात्मक व्यवस्था को चुनौती देना और अपने अधिकारों के लिए लड़ना आसान नहीं होता, लेकिन आप साहसी महिलाएं हैं जो हर दिन ऐसा कर रही हैं, चाहे इसकी कीमत कुछ भी हो।" उल्लेखनीय है कि सितंबर में ईरान की धर्माचार पुलिस ने हिजाब सही तरीके से नहीं पहनने के आरोप में अमीनी को हिरासत में ले लिया था, जिसके बाद वह थाने में गिर पड़ी और तीन दिन बाद उसकी मौत हो गई थी। अमीनी की मौत के खिलाफ देश के दर्जनों शहरों में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए और सरकार ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की। प्रियंका ने दूसरे लोगों से भी प्रदर्शनकारियों की अपील सुनने और उनका समर्थन करने का अनुरोध किया। उन्होंने लिखा, "उन सभी लोगों को आगे आना चाहिए, जो दूसरों को प्रभावित कर सकते हैं।इस महत्वपूर्ण आंदोलन को अपनी आवाज दें। जानकारी रखें और आवाज उठाएं, ताकि इन आवाजों को अब चुप रहने के लिए मजबूर न किया जा सके। मैं आपके साथ खड़ी हूं।

क्या कंगना रनौत राजनीति में करेंगी एंट्री? लगातार लगायी जा रही अटकलों पर आया अभिनेत्री का बयान

कंगना रनौत

कंगना रनौत अपने बेबाक बयानों के लिए जानी जाती हैं। किसान आंदोलन सहित तमाम समाजिक मुद्दों पर कंगना ने बेखौफ होकर अपनी राय रखी हैं। पिछले कुछ समय से यह भी अटकले लगाई जा रही थी कि कंगना रनौत राजनीति में एंट्री कर सकती हैं, इस लिए कंगना लगातार राजनीतिक विषयों पर लगातार बोलती हैं। कंगना रनौत से सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद लगातार बॉलीवुड में राज करने वाले कुछ निर्माताओं और सितारों पर सीधे तौर पर नेपोटिज्म फैलाने का आरोप लगाया था और सुशांत की मौत का जिम्मेदार बॉलीवुड को ठहराया था। सुशांत की मौत के बाद मुंबई की राजनीति में भी हलचल मच गया ती। इस मामले से कुछ राजनेताओं के भी नाम जोड़े जा रहे थे। इस दौरान कंगना ने मौजूदा उद्धाव सरकार पर भी निशाना साधा था। इसके बाद लगातार महाराष्ट्र सरकार और कंगना रनौत के बीच वाद-विवाद की खबरे आती रही। लगातार सुर्खियों में बनीं रहने वाली कंगना से जब उनके राजनीतिक भविष्य के बारे में पूछा गया तो जानें आखिर क्वीन ने क्या कहा- बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत ने कहा कि राजनीति में उनकी गहरी दिलचस्पी है, लेकिन पेशेवर तरीके से इसमें कदम रखने की फिलहाल उनकी कोई योजना नहीं है। रनौत ने रविवार को 'नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट' का दौरा किया। यहां 17 सितंबर से ई-नीलामी शुरू हुई है, जिसके एक हिस्से के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उपहार में दी गईं 1,200 से अधिक वस्तुओं को प्रदर्शित किया गया है। अयोध्या में आगामी श्री राम मंदिर के मॉडल के लिए बोली लगाने वाली अभिनेत्री ने संवाददाताओं से कहा कि वह अपने फिल्मी करियर पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेंगी। उन्होंने कहा, "मेरी राजनीति में कदम रखने की कोई योजना नहीं है। मैं अपनी फिल्मों की शूटिंग में व्यस्त हूं। मुझे राजनीति में दिलचस्पी है, लेकिन केवल एक कलाकार के रूप में और मैं एक सफल कलाकार हूं। मैंने अपना करियर 16 साल की उम्र में शुरू किया था और बहुत संघर्षों के बाद इस मुकाम पर पहुंची हूं।" कंगना (35) ने कहा कि उनकी राजनीति उनके काम में दिखेगी। रनौत ने कहा, "मेरे पास एक नया करियर शुरू करने की क्षमता नहीं है, लेकिन मैं राजनीति में अपनी रुचि को ध्यान में रखते हुए हमेशा अच्छी फिल्म बनाऊंगी।"

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक एवं RNI No. DELHIHIN/2010/37009 संपादक मो हनीफ द्वारा अरावली प्रिंटर्स -WA30, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली से मुद्रित करवाकर, जी-12/276 , संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोन:8888883968, 9811111715 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा।